

HRA Saxette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 1 7

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 24, 1976 (वैशाख 4, 1898)

No. 171

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1976 (VIASAKHA 4, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जॉरी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1976

सं० ए० 32014/1/74-प्रणा० 1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-II) सर्वश्री श्रार० एल० ठाकुर श्रौर के० सुन्दरम, जिन्हें समसंख्यक श्रादेश दिनांक 7 जुलाई, 1975 द्वारा 31-12-75 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों के पदों पर पूर्णतः ग्रस्थायी श्रौर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, को ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 1-1-1976 से 29-2-76 तक दो महीने की श्रातिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत से पूर्णतः ग्रस्थायी श्रौर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की गई है।

दिनांक 9 मार्च 1976

सं० पी०/1837-प्रशा० I—इलाहाबाद विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के भूतपूर्व रीडर डा० वी० एस० मिश्र को, जिन्हें इस कार्यालय की सम संख्यक श्रिधसूचना दिनांक 18-9-75 द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 29-2-1976 तक उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था, 31 मई, 1976 तक, अथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्स पद पर कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रवान की गई है।

विनांक 27 मार्च 1976

सं० पी० 1763-प्रशा० 11—संघ लोक सेना स्नायोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-2-76 के अनुक्रम में निर्माण आवास और नगर विकास मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री जी० नी० माथुर को 1-3-1976 से एक मास की श्रतिरिक्त अवधि के लिए अथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्रश्नना० मु**खर्जी,** अवर सचित्र **कृते** अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 25 मार्च 1976

सं० पी० 136/प्रशा०-II—सिचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग इस कार्यालय में श्रनुभाग श्रधिकारी विशेष के पदों पर, तदर्थ श्राधार पर, स्थानापन्न रूप से कार्यरत सर्वश्री बी० एस० कपूर, वी० एन० श्ररोड़ा तथा के० एस० कटियाल को 1-3-1976 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा ग्रायोग के

के० स० से० संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी पदों पर प्रत्था-वर्तित करते हैं।

> प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव (प्रशा०) कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1976

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग के स्थायी वैथिक्तक सहायक (कें० स० स्टे० से० का ग्रेड-II) श्री एस० प्री० मेहरा, जिन्हें समसंख्यक प्रिष्ठसूचना दिनांक 11-12-1975 द्वारा 1-12-75 से 15-1-76 तक की श्रवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी श्रौर तवर्ष श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए वरिष्ठ वैथिक्तक सहायक के पद पर नियुक्त किया गया था, को राष्ट्रपति द्वारा 16-1-1976 से 29-2-1976 तक की श्रविष्ठित श्रवधि के लिए श्रयवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत से उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी श्रौर तवर्ष श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

2. श्री एस० पी० मेहरा थह नोट कर/ लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहाथक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-I) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी और तदर्थ श्राधार पर है और केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड-I में संविलयन के लिए या उस ग्रेड में वरिष्ठता के लिए उनका कोई हक नहीं होगा।

विनांक 19 मार्च 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्र०-III(1)---संघ लोक सेवा भायोग में केन्द्रीय सिंधवालय सेवा संघर्ग के स्थायी सहायक श्री एंस० डी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 8-3-76 से 22-4-76, तक 46 दिन की श्रवधि के लिए श्रयका श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन-III(2)—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिच्चालय सेवा संवर्ग के स्वायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 17-3-1976 से 1-5-1976 तक 46 दिन की श्रवधि के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में रस्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 मार्च 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III(1)---इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन III दिनांक 12-1-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिच्यालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति हारा 1-3-1976 से 15-4-1976 तक 46 दिनों की अतिरिक्त अविधि के लिए अथवा आगामी आदिशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधि-

कारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III(2)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III दिनांक 12-1-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-76 से 31-3-76 तक एक महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

विनांक 26 मार्च 1976

सं० ए० 12025 (II)/1/75-प्रशासन III—मंत्रिमंडल सियवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० झा० सं० एफ० 5/26/75-सी० एस० (I) दिनांक 21-10-75 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा, संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक (इस समय सं० लो० से० आ० के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर) श्री एच० आर० ऋषिराज को 1-3-1976 से आगामी आवेशों तक उसी संवर्ग के अनुभाग ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

- 2. किन्तु श्री एच० मार० ऋषिराज सं० लो० से० मा० की मधिसूचना सं० ए० 12019/5/74-प्रशासन II दिनांक 2-3-76 के अनुसार संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के संवर्ग बाह्य पद पर ग्रागमी श्रादेशों तक कार्य करते रहेंगे।
- 3. संघ लोक सेवा श्रायोग में कें कर स० से० संवर्ग के मनुभाग श्रीधकारी ग्रेड में श्री ऋषिराज की संतत नियुक्ति परीक्षा वर्ग से श्रीधकारियों के श्रावंटन तथा इस कार्यालय के श्रीर श्रागे पुनर्गंटन को ध्यान में रखते हुए, पुनरीक्षणाधीन होगी।

प्र० ना० मुखर्जी प्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 17 जनवरी 1976

सं० ए० 32014-1-74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैधिकतक सहाधक (केन्द्रीय सिचवालय स्टेनोग्राफर सेवा का ग्रेड II) श्री पी० पी० सिक्का, जिन्हें समसंख्यक श्रिष्मचना दिनांक 22-12-1975 बारा 6-12-75 से 20-1-76 तक की श्रवधि के लिए वरिष्ठ वैधिकतक सहाधक के पद पर पूर्णतः श्रस्थायी और तवर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, को राष्ट्रपति द्वारा 21-1-1976 से 29-2-1976 तक की श्रतिरक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रावेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत से

उसी संवर्ग में पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की जाती है।

2. श्री० पी० पी० सिक्का, यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयिक्तिक सह।यक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर उनकी निगुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर है श्रीर केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड I में संविलयन के लिए या उस ग्रेड में वरिष्ठता के लिए उनका कोई हक नहीं होगा।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशां० I—संघ लोक सेवा भ्रायोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड I) श्री एम० सी० खुराना, जिन्हें समतंख्यक श्रीधसूचना दिनांक 11-12-75 द्वारा 15-1-1976 तक निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का चयन ग्रेड) के पद पर श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, को राष्ट्रपति द्वारा 16-1-76 से 29-2-76 तक की श्रीतरिक्त ग्राधि के लिए श्रयवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत से पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रामित प्रदान की जाती है।

प्र० न(० मुखर्जी ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई बिल्ती, विनांक 19 मार्च 1976

सं० टी०-8/72-प्रणासन-5→-इस कार्यालय के दिनांक 6-3-76 की समतंख्यक प्रिधिस्वना के प्रधिक्रमण में, निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, तिमजनाडू राज्य पुलिस के पुलिस निरीक्षक श्री टी० ग्रार० श्रीरामूलू को दिनांक 21-2-76 के पूर्वाह्म से ग्रनले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-श्रधीक्षक के हम में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-150/66-प्रशासन-5—-निदेशक केन्द्रीय प्रन्वेषण, ब्यूरी एवं पुलित महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, प्रान्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री एस० जे० के० डेविड को दिनांक 5-3-76 के प्रपराह्न से ध्रमले ध्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ध्रम्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-श्रवीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/2/76-प्रणासन-5---राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से श्री ग्रार० राजागोपालन (भारतीय पुलिस सेवा-तमिजनाडु) को दिनांक 27-2-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1976

सं० डी०-3/65-प्रणासन-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से हरियाणा राज्य पुलिस के श्रिधिकारी श्री देस राज (भारतीय पुलिस सेवा के नहीं हैं) को दिनांक 21-2-76 के पूर्वाह्र से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मार्च 1976

सं० के०-10/73-प्रशासन-5—म्प्रान्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री के० सत्यनारायण, पुलिस उप-प्रधीक्षक; केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, कपट दस्ता (1), नई दिल्ली ने दिनांक 4-3-76 (ग्रपराह्न) में ग्रपने पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

सं० के०-59/65-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ग्रयने प्रसाद से तिमलनाडू पुलिस विमाग से केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यरो में प्रति-नियुक्त पुलिस उप-प्रधीक्षक श्री के० ए० राजागोपालन को दिनांक 21-2-1976 के पूर्वीह्न से ग्रगले ग्रादेण तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 मार्च 1976

सं० पी० एफ०/एस०-204/70-प्रशासन-I—क्लकत्ता पुलिस मुख्यालय में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त कलकत्ता पुलिस के अधिकारी श्री एस० के० गुष्ता को दिनाक 3 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कलकत्ता में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

गुलजारी लाल प्रग्रवाल, प्रशासन प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 मार्च 1976

सं श्रो०-II-950/73-स्थापना----डाक्टर दीनानाथ दास, किन्छ चिकित्सा श्रीधकारी, 35वीं वाहिनी की सेवायें उनके तदर्थ रूप में नियुक्ति के कार्यकाल की समाप्ति पर 10-10-75 (श्रपराह्न) से समाप्त की जाती हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीयोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 मार्च 1976

सं० ई०-38013(2)/14/75-प्रशा० I——विशाखापटनम से स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नल टी० के० जार्ज, ने दिनांक 28-2-76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एफ० ए० सी० टी० (उद्योगमण्डल) के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 20 मार्च 1976

सं० ई०-38013(2)/1/76-प्रणा० I—रांची को स्थातान्तिस्ति होने पर, श्री लक्ष्मण दास, ग्राई० पी० एस० (हरियाणा-1962) ने दिनांक 18 फरवरी 76 के श्रपराह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एम० ए० एम० सी०, दुर्गापुर, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/76-प्रणा० 1---दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री लक्ष्मण दास, श्राई० पी० एस० ने दिनांक 23-2-76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एच० ई० सी०, रांची के कमांडेंट पद का कार्य-भार सम्भाल लिया।

सं० ई०-32015(2)/2/76-प्रमा० [—-राष्ट्रपति, ग्रन्य ग्रादेश जारी होने तक कर्नल ब० स० पाल को दिनांक 1 मार्च, 76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद, का प्रधानाचार्य नियुक्त करते हैं।

कर्नल ब० स० पाल ने उसी दिनांक से पद क. कार्यभार सम्भाल लिया, जब वे नई दिल्ली में कैम्प पर थे।

दिनांक 23 मार्च 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रणा० 1—देवास से स्थानान्तरित होने पर, श्री के० ए० बेलिप्पा ने श्री जे० गोम्स के स्थान पर दिनांक 1 फरवरी, 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, मार्म्गाव पोर्ट ट्रस्ट, मार्म्गाव, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री जे० गोम्स ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा० I——मार्मूगाव पोर्ट से स्थानान्तरित होने पर, श्री जे० गोम्स ने दिनांक 8 फरवरी, 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रीचोगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद, के उप-प्रधानाचार्य, पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रणा० 1—कोरबा से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० वर्मा ने दिनांक 10 फरवरी, 76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा० I—-राष्ट्रपति निरीक्षक पी० पी० सहजनाल को दिनांक 2-2-76 के पूर्वाह्म

से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बालको कोरबा का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रौर उन्होंने उसी दिनांक से उपरोक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रजा० I— राष्ट्रपति निरी-क्षक पी० सी० गुप्ता, को दिनांक 23-2-76 के पूर्वाह्न से प्रागामी प्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय प्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर, इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं ग्रौर उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाव लिया।

दिनांक 24 मार्च 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा० I—राउरकेला को स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० वर्मा, सहायक कमांडेंट, ने दिनांक 2 फरवरी, 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बालको, कोरबा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 मार्च 1976

सं० ई०-38013(3)/3/76-प्रशा० 1—-कानपुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री हरिन्दरपाल सिंह ने दिनांक 1-3-76 के श्रपराह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो इस्पात संयंव लिमिटेड, बोकारो इस्पात नगर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1976

सं० पीं०/टीं० (1) प्रशा०-एक—-डा० श्रार० श्रार० विपाठी की मानचित्र अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने से हुई रिक्ति में श्री एस० डीं० त्यागी, वरिष्ट भूगोलवेत्ता को तारीख 16-2-1976 से तारीख 15-5-1976 तक की अवधि के लिए, अनुसंधान श्रधिकारी (मानचित्र) के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 20 मार्च 1976

सं० 6/6/75-म० पं० (प्रशा० एक)—राष्ट्रपति, प्रवर सूची, 1974 की केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेष्ठ-एक के ग्रिष्ठकारी श्री जे० एस० भाटिया को भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में तारीख 12 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न के ग्रगले ग्रादेशों तक प्रशासनिक ग्रिष्ठकारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जे० एस० भाटिया का मुख्यालय दिल्ली में होगा। दिनांक 26 मार्च 1976

सं० 10/6/75-म० पं० (प्रशा० 1)---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री एस० एन० चतुर्वेदी को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उप-निदेशक (म्रांकड़े प्रिक्तिया) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 17 फरवरी, 1976 से तीन माह की श्रौर अवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

सं० 10/6/75-म० पं० (प्रशा० 1)— राष्ट्रपित, संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री के० ग्रार० उन्नी की भारत के महापंजीकार के कार्यास्य में उप-निदेशक (कार्य कम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 17 फरवरी, 1976 से तीन माह की ग्रीर ग्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री उन्नी का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 11/7/75-म० पं० (प्रशा० एक)—-राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक, तिमल नाड् और पाण्डीचेरी कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक, श्री एन० रामा राव को जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र के कार्यालय में पूर्णतः ग्रस्थाई तथा तद्यं ग्राधार पर उपनिदेशक, जनगणना कार्य के रूप में 11 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से छः माह की ग्रयधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रामा राव का मुख्यालय बम्बई में होगा।

बद्री नाथ भारत के उप-महापंजीकार ग्रौर पदेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात श्रहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1976

सं० एस्ट० (ए०)/जी० श्रो०/2(169) 5036—महा-लेखाकार गुजरात ने श्रधिक लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री टी० सूर्यनारायणन् को दिनांक 28 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगला श्रादेश मिलने तक श्रपर-महालेखाकार, गुजरात राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

> के० एच० छाया, उप-महालेखाकार (प्रशासन) महालेखाकार, गुजरात का कार्यालय श्रहमदाबाद

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1976

सं० एडमन०-1/2(4)/ /13223-29—महालेखाकार, बाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, श्री भार० के० माथुर, स्थायी अनुभाग श्रधिकारी को श्रपने कार्यालय में 19/3/1976 (पूर्वाह्म) से लेखा अधिकारी के पद पर, श्रगले आदेश तक, श्रस्थायी एवं श्रन्तिम रूप से पदोन्नति करते हैं।

बी० बीं० देव राय, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, मुख्य लेखा-परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे कलकत्ता-700043, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० एडमन०/33-2ए०/75/6560—मुख्य लेखा-परीक्षक, दिक्षण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में, प्रधीनस्थ रेलवे लेखा-परीक्षा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री रामेन्द्र नारायण तपस्वी को, ग्रन्य ग्रादेश प्राप्त होने तक उक्त कार्यालय में लेखा-परीक्षा ग्रधिकारी के रूप में 12 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नत किया गया है।

एच० एस० सैमुग्रल मुख्य लेखा-परीक्षक

मख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० एयू०/एडमन०/II/5/1737—मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद ने श्री डी० सत्यनारायण मूर्ति को, जो श्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य हैं, 8-3-1976 पूर्वाह्म से अगले श्रादेश जारी होने तक लेखा परीक्षा अधिकारी दक्षिण मध्य रेलवे के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।

र्डा० एउ० प्रसाद उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० 86016(13)/75-प्रशा०-II—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक प्रधिकारी श्री एस० के० चौधरी को किनष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 28-2-76

(पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एस० के० सुन्दरम रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरियाँ भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरियाँ सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 16 फरवरी 1976

सं० 16/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्निलिखित श्रिध-कारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टैंकनिकल स्टाफ श्रफसर के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से श्रागामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं:——

स	3	((गामा	आदश	न हान	বক	ानयुक्त	करत	ह :	•
	1.		्र एस ॰	-			-24 ₹	ावम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	Ī					
	2.		•	जी० सिंह	₹,		-24 ₹	ावम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	•					
	3.			कलोटा,		_	-24 =	ावम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	Г					
	4.			देवधर,			-24 -	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	-					
	5.	श्रीके	» भ्रार ः	जी० ना	यर,		-24 ₹	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	-					
	6.	श्रीए	एल०	बी० चौध्	ुरी,	_	-24 =	ावम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	-					
	7.	श्रीएल	।० भ्रार	० पाल,		_	-24 न	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन						
	8.	श्री एस	ा० सी०	वर्मा,			-24 ₹	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन	•					
	9.	श्री बी	० बी० ध	श्रामन्दे,			-24 न	वम्बर,	1975
		स्थायी	स्टोर हो	ल्डर					
1	0.		सकीन हु				-24 न	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन						
1	1.			प्रहलुवालि	तया,		-24 ন	वम्बर,	1975
		स्थायी	फोरमैन						

दिनांक. 26 मार्च 1976

सं० 25/76/जी०—राष्ट्रपति, श्री टी० के० चट्टोपाध्याय, ग्रस्थायी उप-प्रबन्धक का त्यागपन्न दिनांक 20 श्रक्तूबर, 1975 (श्रपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

> एम० पी० ग्रार० पिल्लाय सहायक महानिदेणक, श्रार्डनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1976 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1121/76-प्रशासन (राज०)/1994—राष्ट्रपति, मुख्य लेखा परीक्षक दक्षिण-पूर्व रेलवे कलकत्ता के कार्यालय में

भारतीय लेखा परीक्षा व लेखा सेवा के ग्रधिकारी तथा उप-मुख्य लेखा परीक्षक, श्री ए० के० चक्रवर्ती को दिनांक 9-3-1976 के दोपहर पूर्व से मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय में विशेष कार्य-श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1976

सं० 6/416/56-प्रशा० (राज०)/2039—-राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री राबर्ट बारा, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को 28-2-76 के पूर्वाह्म से श्रगला श्रादेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> पी० के० कौल मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 20 मार्च 1976

सं० सी० एल० बी० 1/1/6 जी०/76—सूती बस्त्र (नियंत्रण) श्रादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रधिस्चना सं० सी० एल० बी० 1/1/6 जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूँ, श्रथित्:—

उक्त श्रिधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम सं० 20(2) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रविष्टी प्रतिस्थापित की जाएगी, श्रर्थात् :---

''संयुक्त निदेशक''

गौरी शंकर भार्गव संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(252)—स्थायी श्रधीक्षक श्रौर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड- Π) श्री एस० के० गांगूली दिनांक 29 फरवरी, 1976 के श्रपराह्न से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 15 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(1045)— प्रवर प्रगति ग्रिधिकारी के पद पर प्रवनित होने पर सर्वश्री रामिकशन तथा बलबीर सिंह ने दिनांक 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 19 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(822)—स्थायी श्रधीक्षक श्रोर निदेशक पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री सी० ए० पट्टाभिरामन दिनांक 29 फरवरी, 1976 के श्रपराह्न से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

हिन्दी अनुभाग

दिनांक 20 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(1020)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा स्थायी श्रधीक्षक ग्रौर पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-III) श्री वी० के० संकरालिंग्म को 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में सहायक निदेशक प्रशासन (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री संकरालिंग्म दिनांक 1-3-76 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

दिनांक 22 मार्च 1976

सं० प्र-1/1(1036)—-प्रधीक्षक (ग्रधीक्षण स्तर-II) तथा निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री बी० दादेल, दिनांक 29 फरवरी, 1976 के श्रपराह्न से निवर्तन ग्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई चिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

सं • ए० 17011/97/76-प्र०-6--- महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा कलकत्ता निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री एस० के० सेन को दिनांक 12-2-76 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निरीक्षण श्रिष्ठकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> सूर्य प्रकाश उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० ए० 19011 (185) / 75-सि० ए०- — राष्ट्रपति, श्री सी० एन० असन्त को 11 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 मार्च 1976

सं० ए०/19011(175)/75-सि० ए०---राष्ट्रपति, श्री बी० एन० बसु को 3 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० के॰ राघवाचारी वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी **कृते** नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० 2181 (एम० सी० बी०)/19 बी०---भारतीय भूगैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहाधकों (रसायन) को सहायक रसायनश्च के रूप में भारतीय भूवै-शानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, भस्थायी क्षमता में, भागामी भादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से नियुक्त किया जाता है:--

श्रीमती ग्रत्यना मण्डल .

30-1-1976

2. श्री मनिन्द्र चन्द्र बराई .

30-1-1976

दिनांक 6 मार्च 1976

सं० 2181 (एन० सी० सी०)/19 बी०---भारतीय भूबंजानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ डा० एन० सी० बीधरी को भारतीय भूबंजानिक सर्वेक्षण की सेवाधों से त्याग पत्न देने पर 25-11-1974 के श्रपराह्म से मुक्त किया गया है ताकि बे केन्द्रीय राजस्व रासायनिक सेवा श्रेणी-1 में श्रपनी नई नियुक्ति पर रासायनिक परीक्षक वर्गे II के रूप में कार्य-भार श्रहण कर सकें।

सं० 2251 (ए० के० भार०)/19 बी०--खिन्छ समन्वेषण निगम लिभिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्त्तन पर श्री श्राजित कुमार राथ ने भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में ब्रिक्टर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 16 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्म से ग्रहण किथा।

दिनांक 26 मार्च 1976

सं० 50/66 (एस० के० बी०)/19 बी०---खिनिज समन्वेषण निगम लिभिटेड (भिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर निम्नलिखित श्रधिकारियों ने भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बास के पद का कार्यभार, उसी क्षमता म, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से ग्रहण किया।

1. श्री एस० के० विस्वास . . . 16-1-1976 (पूर्वाह्न)

श्री बी० के० प्रसाद . . 16-1-1976 (पूर्वाह्न)

वी० के० एस० वरदन महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० गो० 5054/718-ए० — महासर्वेक्षक कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, का बजट एवं लेखा अधिकारी का पद प्रब से स्थापना एवं लेखा अधिकारी के रूप में पुनर्नामित किया जाता है। परिणामस्वरूप श्री ए० के० दास शर्मा जिन्हें इस कार्यालय की श्रिधसूचना संख्या गो० 4811/718-बी० दिनांक 14-2-74, अधिसूचना संख्या गो० 4882/718-बी० दिनांक 2-8-74, के श्रनुसार संशोधित, के अधीन स्थानान्तरण पर बजट एवं लेखा अधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय, के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को श्रव स्थापना एवं लेखा अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया जाता है।

सं० गो० 5055/718-ए—महासर्वेक्षक कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून का रिजस्ट्रार का पद एतद्द्रारा श्रव से स्थापना एवं लेखा अधिकारी के रूप में पुन-निमत किया जाता है। परिणामस्वरूप श्री राम नारायण गर्मा जिन्हें इस कार्यालय की प्रधिसूचना संख्या गो० 5044/718-ए दिनांक 9-2-76 के श्रधीन, महासर्वेक्षक का कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में रिजस्ट्रार के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया गया था, को स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया जाता है। श्री राम नारायण गर्मा स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी का पद श्रगले श्रादेण दिए जाने तक तदर्थ श्राधार पर धारण करेंगे।

सं० गो० 5056/718-ए—महासर्वेक्षक कार्यालय, भार-तीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून का जो रजिस्ट्रार का पद अस्याई तौर पर उत्तरी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में स्थानान्तरित कर दिया गया था, को एतद्बारा श्रव से स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी के रूप में पुनर्नामित किया जाता है। परिणामस्वरूप श्री एम० पी० जैन जिन्हें इस कार्यालय की श्रधिसूचना संख्या गो० 4724/718-ए दिनांक 27-9-1973 के श्रधीन रजिस्ट्रार के इस पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था को स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी, उत्तरी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, के रूप में पूनर्पदनामित किया जाता है।

> डा० हरी नारावण भारत के महासर्वेकक (नियुक्ति प्राधिकारी)

सं० स्था० 1-5057/पी० एफ० (ए० के० बन्दोपाध्याय)— श्री श्रष्ठण कुमार बन्दोपाध्याय, श्रधिकारी सर्वेक्षक, सं० 15 पार्टी (स० प्र० एवं मा० उ० कें०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद, द्वारा दिया गया श्रपनी नियुक्ति का त्याग-पत्न दिनांक 30 सितम्बर, 1972 (श्रपराह्न) से स्वीकृत कर लिया गया है।

डा० हरी नारायण भारत के महासर्वेक्षक

देहरादून, दिनांक 30 मार्चे 1976

सं० ई०1-5058/1117 एल० पी० श्रार०—भारत के महासर्वेक्षक, श्री पी० एन० त्रिवेदी, श्रिधकारी सर्वेक्षक संख्या 1 श्रारेखण कार्यालय (मानचित्र प्रकाशन) भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून को उनकी सरकारी सेवा कार्य श्रवधि के समाप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 मई 1975 (ग्रपराह्म) से सहर्व सेवा-निवृत्त करते हैं।

डी॰ पी॰ गुप्ता मेजर इंजीनियर्स सहायक महासर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1976

सं० 4/97/75-एस०-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्रीमती ग्रेस कुजूर को 16 फरवरी, 1976 से अगले श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, भागलपुर में श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यंक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 25 मार्च 1976

सं० 15/8/75-सतर्कता—महानिदेशक, प्राकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री योगेन्द्र बिसनजी धारदे, स्वास्थ्य शिक्षक, प्रादेशिक स्वास्थ्य कार्याक्षय, गुल्टेकडी, पूना को 8-3-76 (पूर्वाक्ष) से, प्रगले ग्रादेश होने तक, श्रस्थाई रूप से विस्तार श्रीव्रकारी, परिवार नियोजन, श्राकाशवाणी नागपुर के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 **मार्च** 1976

सं० 15/9/75-सतर्कता—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री मदाली श्ररुणाचलम, स्वास्थ्य शिक्षा श्रिष्ठकारी, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा कार्यालय, नई दिल्ली को 1-3-76 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से, विस्तार श्रिष्ठकारी, परिवार नियोजन, श्राकाशवाणी, हैदराबाद के पद पर नियुक्त करते ह।

दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 15/7/75-सतर्कता—महामिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्रीमती ग्रेसी थामस, स्वास्थ्य शिक्षिका, केन्द्रीय परि-वार नियोजन क्षेत्रीय एकक, मद्रास को 9-3-76 (पूर्वाह्न) से मगले मावेश होने तक, मस्थायी रूप से विस्तार मधि-कारी, परिवार नियोजन, माकाशवाणी, कालीकट के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(86)/75 स्टाफ-एक—श्री मोहम्मद शेरे इस्लाम, स्थायी कार्यकम निष्पादक, ग्राकाशवाणी, रांची ने 10 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) को सरकारी सेवा से पद त्याग कर दिया ।

सं० 5 (124)/60-एस-एक: वाल्यू०-दो--श्री बी० एन० धर, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, सिलीगुड़ी, 29 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से, वार्धक्य श्रायु प्राप्त होने पर सेवा निवृत्त हो गए।

> म्रार० देवासर प्रशासन उप निदेशक इसे महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1976

सं० 2/4/75-एस-तीन-- महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री ग्ररुण कुमार को 4-3-76 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी, लखनऊ में स्थाना-पन्न रुप से सहायक इंजीनियर के संवर्ग में नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह, प्रशासन उपनिदेशंक इते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 मार्च 1976

सं० 3/46/61-एस-दो---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री पी० एन० कौल, लेखापाल, दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी श्रीनगर को दिनांक 10-3-76 (श्रपराह्म) से श्राकाशवाणी श्रीनगर में प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

> इन्द्र सेन पौधी घनुभाग ग्रिधकारी कृते महानिदेशक

सूचना श्रोर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रोर दृश्य प्रचार निवेशालय नई दिल्ली-1, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० 7/5/68-स्थापना-2---विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक श्री एच० एल० श्राहूजा को 12 मार्च, 1976 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक इस निदेशालय के जयपुर युनिट में स्थानापन्न क्षेद्रीय प्रदर्शनी श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> रोशन लाल जैन उपनिदेशक (प्रशासन) इते विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1976

सं० 9-16/72-एडमिन-1---नियुक्ति समाप्त किए जाने के फलस्वरूप कुमारी मीनाक्षी रामपाल ने राजकुमारी ग्रमृत कौर उपचर्या कालेज, नई दिल्ली में 30-9-1975 ग्रपराह्म को भौतिकी में प्राध्यापक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 23 मार्च 1976

सं० 33-14/75-एडमिन-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक श्री के० सी० शर्मा को सफदरजंग ग्रस्पताल, नई दिल्ली में पहली मार्च, 1976 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक प्रति-नियुक्ति आधार पर लेखा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1976

सं० 33-13/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने विलिग्डन प्रस्पताल, नई दिल्ली की व्यावसायिक चिकित्सक श्रीमती सुजाता मलिक को 28 फरवरी 1976 के पूर्वाह्म से ग्रागामी मादेशों तक सफदरजंग प्रस्पताल, नई दिल्ली में विरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-31/73-एडमिन-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन एवं सलर्कता निवेशक ने राजकुमारी प्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली की क्लीनिकल प्रनुदेशक श्रीमती ममता दीक्षित का इस्तीफा 14 जनवरी 1976 के भगराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 31 मार्च 1976

सं० 26-18/75-एडमिन-1—कालाजार यूनिट, पटना में सहायक कीट-विज्ञानी के पद पर स्थानांतरण के फलस्वरूप श्री एस० एम० कौल ने 3-2-76 प्रपराह्न को बी० मलायी फिलारायसिस के नियंत्रण के लिए पाईलेट श्रोजेक्ट, थुखुर में सहायक कीट-विज्ञानी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

श्री एस०एम० कौल ने कालाजार यूनिट, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, पटना में 13-2-76 पूर्वाक्ष को सहायक कीट-विज्ञानी के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

> सूरज प्रकाश जिन्दल उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० 58-3/75 सी० एष० एस०-1---अपने तबादले के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जनरल ड्यूटी ग्रेड-I की अधिकारी डा० (श्रीमती) बी० सोनी ने 4 मार्च 1976 के अपराक्ष से ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ में महिला स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 5 मार्च 1976 के पूर्वीक्ष से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा

के जनरल ड्यूटी भ्रफसर ग्रेड-1 के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

> रवीन्त्र नाथ सियारी जक्ष निदेशकः प्रशासन

कृषि एवं सिचा**ई मंत्रालय** (ग्राम विकास विभाग)ः विपणन एवं निरीक्षण निदेशालयः, (प्रधान कार्यालयः)

फरीदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1976

सं० फाईल 4-6(109)/76 प्र० III—संघ लोक सेवा धायोग, नई दिल्ली की संस्तुतियों के धनुसार श्री सुक्रत सरकार को, भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, गुन्दूर में दिनाक 1 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से ध्रगले श्रादेश होने तक, स्थाना-पन्न सहायक विपणन श्रधिकारी, वर्ग-1, नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला निदेशक, प्रशासन

भाभा परमाणु बनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 26 फरवरी 1976

संव पी० ए०/79(19)/75-ग्रार-4—भाभा परमाणु ग्रनु-संधान केन्द्र के निदेशक यहां की एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक श्रौर श्रस्थाई सहायक श्रीमती श्रलेगर कृष्णन राजनक्ष्मी को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वीक्ष से, श्रागामी भावेशों तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(19)/75-म्रार०-4—भाषा परमाणु मनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई करिब्द, म्राशुलिपिक श्री गोनिन्द स्वामी श्रय्यर राजगोपालन को 12 नवम्बर, 1975 से, म्रागामी म्रादेशों तक के लिए इसी म्रनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक म्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

संव पीव एव/79(19)/75-ग्रार-4-भाभा परमाणु ग्रनु-संधाम केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई वरिष्ठ ग्रामु-लिपिक श्री पिशरोदी मुकुंदन को 12 नवम्बर, 19/75 के पूर्वाह्म से, ग्रागामी भादेशों तक के लिए इसी धनुसंधाम केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(19)/75-ग्रार-4--भाभा परमाणु मनु-संधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई ग्रवर श्रेणी लिपिक ग्रौर ग्रस्थाई सहायक श्री रामचंद दत्तात्रेय वेंगुर- लेकर को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से, श्रागामी भावेशों तक के लिए इसी भनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक श्रधिक कारी नियुक्त करते हैं।

संव पी० ए०/73(2)/75-आर-4--भाभा परमाणु प्रनु-संधान केन्द्र के निवेशक डा० श्ररिफ हुसेन को श्रस्थाई रूप से 31 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, ग्रागामी भावेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा श्रधि-कारी नियुक्त करते हैं।

> पी० उन्नीकृष्णन, उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/ए० डी० एम०/947—सहायक लेखा ग्रधिकारी, श्री सी० ग्रार० वालिया ने, उनका श्रंतरण भारी पानी परियोजना, बडौदा से होने पर, तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक लेखा श्रधिकारी केपद का कार्यभार 5 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से सम्भाल लिया।

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/947——मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री वाई० ग्रार० वेलंकर की तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति की अवधि को 1-1-1976 से 7-2-1976 तक की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

श्री वेलंकर ने 7 फरवरी, 1976 के अपराह्न से तारापुर परमाणु बिजलीयर में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> के० वी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन ग्रधिकारी

नाभिकीय इँधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 मार्च 1976

सं० पी० ए० ग्रार०/0705/410—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्य-नारायण राव को 1-3-1976 से 31-5-1976 की श्रवधि श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैंदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक लेखा श्रधिकारी, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मार्च 1976

सं० पी० ए० म्रार०/0705/517—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री सी० एक० नरसिम्हा चारी को भ्रमेल 1, 1976 से जून 30, 1976 की भवधि भ्रथवा भागामी भावेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक लेखा श्रधिकारी, नियुक्त करते हैं।

एस० पी० म्हाझे वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

पर्यटन भीर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 मार्च 1976

स० ई० (1) 04227—विधणालामों के महानिदेशक, निर्देशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० दत्ता को 20-2-76 के पूर्वाह्म से 18-5-76 तक, नवासी दिन की भवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० दत्ता, स्थानापश्र सहायक मौसम विशेषक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही सैनात रहेंगे।

सं० ई० (1)04267— वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० के०ई० राजा को 1-3-76 के पूर्वाह्म से 30-4-76 तक, 61 विन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजा, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाग्रीं के उपमहानिवेशक (पूर्वामुमान), पूना कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 27 मार्च 1976

सं० ई०(1) 05481—वेधशालाग्रों के महानिदेशक, निदेशक, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय के प्रधीन मौसम विज्ञान कार्यालय श्रीनगर में ज्यावसायिक सहायक, श्री एस० एन० भान को 26-2-76 के पूर्वाह्म से 24-5-76 तक, नवासी दिन की प्रविध्व के लिए स्थाना-पन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री भान को वेधमालाओं के उपमहानिवेगक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानान्तरित किया गया है। जहां पर उन्होंने 26-2-76 के पूर्वाह्म से कार्यभार संभास स्था।

विनांक 29 मार्च 1976

सं० ई० (1)03920—मौसम विज्ञान कार्यालय, विज्ञाला-पतनम में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञेषक श्री डी०वी० राधवैया निवर्तन की ध्रायु पर पहुंचने पर 29 फरवरी, 1976 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ई० (1)05102—स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री जी० वर्ध राजन जो विश्व मौसम विशेषन संगठन, जेनेवा में मेरीन एण्ड एरोनाटिकल डिबीजन में तकनीकी ग्रिधकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, दिनांक 1-2-1976 के ग्रंपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक निवत्त हो गए हैं।

प्रसंख्या ई० (1) 04287—विधशालाओं के महानिदेशक, प्रावेशिक, मौसम केन्द्र; मब्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० सुन्दरेसा राष्ट्र को 1-3-76 के पूर्वाल से 9-4-76 तक 40 दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सुन्दरेसा राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास में ही तैनात रहेंगे। जी० भ्रार० गुण्ता मौसस विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई विल्ली, दिनांक 9 मार्च 1976

सं० ए०-32013/1/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक विमान निरीक्षकों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है:—

कम ग्रंधिकारी का नाम सं०	पदोन्नति की े तारीख	वर्तभान सैनाती स्टेशन
 श्री एन० जयसिम्हा, सहायक विमान निरीक्षक, वंगलीर 	12-1-76 (पूर्वाह्म)	निरीक्षण कार्यालय, कानपुर ।
 श्री एस० के० मुकर्जी, सहायक विमान निरीक्षक, बम्बई 	4-2-76 (पूर्वाह्म)	निरीक्षण कार्यालय, बम्बई ।

दिनांक 15 मार्च 1976 ·

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेणक नागर विमानन ने श्री एस० एन० सिंह, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी को दिनांक 24 फरवरी 1976 (पूर्वाह्न) से तथा ग्रगले गावेश होने तक, नियमित श्राधार पर सहायक तकनीकी ग्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

> हरबंस साल कोहली; उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

सं ए० 32013/3/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित 10 तकनीकी प्रधिकारियों को जो तवर्ष प्राधार पर वरिष्ठः तकनीकी प्रधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, 2फरवरी, 1976 (पूर्वाक्ष) से प्रगले प्रादेश होने तक उनके नामों के सामने दिए गए स्टब्नों पर नागर विमानन विभाग में नियमित ब्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया हैं:—

- 1. श्री ग्रार० एस० ग्रजमानी---बम्बई
- 2. श्री के० रामालिंगम---कलकत्ता
- 3 श्री एस० रामाचन्द्रन—रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई विख्ली
- 4. श्री एच० बी० सुदर्शन---बम्बई
- श्री एस०के० चन्द्र—कलकसा
- 6. श्री सुरेश चन्द्र--इलाहाबाद
- 7. श्री जी० बी० कोशी ---सफदरजंग, नई दिल्ली
- 8. श्री ए० के० मिश्रा—रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई विख्ली
- 9 श्रोपी० मार० सूर्यनन्दन—रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली
- 10 श्रो के० बी० राव--रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई विल्ली

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानम

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1976

सं० ए०31013 5/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी०एन० कपूर, स्थानापन्न निदेशक, बैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग को 6 ग्रगस्त, 1975 से उसी ग्रेड में स्थायी धाधार पर नियुक्त किया है।

विनांक 20 मार्च 1976

सं० ए०-32013/2/76-ई० एच०---राष्ट्रपति ने श्री एस० मुखोपाध्याय, उपनिदेशक, उपस्कर को 2 मार्च 1976 के पूर्वाह्म से 20 सप्ताह के लिए प्रथवाश्री एस० वेंकास्वामी निदेशक, उपस्कर, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रादेशिक कार्यक्रम के प्रन्तर्गत प्रशिक्षण पाने के लिए भेजा गया है, के प्रतिनियुक्ति-प्रविध समाप्त होने पर कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ ग्राधार पर निदेशक, उपस्कर के पद पर नियुक्त किया है।

विनांक 25 मार्च 1976

सं० ए०-32013/11/74-ई० एच० राष्ट्रपति ने श्री एन० एम० वलेचा को 20 मार्च, 1976 पूर्वाह्म से तथा ग्रगले श्रादेश होने तक, नागर विमानन विभाग के श्रनु-संधान एवं विकास निदेशालय में वैज्ञालिक श्रिष्ठिकारी के पद पर नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

ं विनोक 26 मार्च 1976

सं० ए०-32013/5/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० नियोगी, नियंत्रक संचार, मद्रास को दिनांक 17 मार्च 1976 (पूर्वाह्म) से 31 मई 1976 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, इसमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ भाधार पर निदेशक वैमानिक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

> टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1976

सं० ए०-32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्ति की अविध 31 मार्च, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन में जो भी पहले हो, बढ़ामें की स्वीकृति प्रदान की हैं:—

क म स ०	नाम	तैनाती स्टेंशन
1.	श्री एल० ए० लोबो	बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई
2.	श्री ग्रार० डी० नायर	बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई
3.	श्री ग्रमीर चन्द	चंडीगढ़
4.	श्री के० के० सक्सेना	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
5.	श्री ए० एम० थामस	तिरुपति .
6.	श्री एम० एम० शर्मा	भ्रागरा

दिनांक 15 मार्च, 1976

सं० ए०-31013/1/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रधिकारियों को नागर विमानन विभाग के विमान-मार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन में 27 विसम्बर 1975 से उपनिवेशक/नियंत्रक विमान क्षेत्र के ग्रेड में स्थायी रूप म नियुक्त किया है:—

- 1. श्री पी० के० रामाचनद्रन
- 2. श्री जी० एस० गुप्ता
- 3. श्री जें ० एस० चौधरी
- 4. श्री बी० एन० कक्कड
- 5. श्री श्री० एन० भारद्वाज
- 6. श्री जे० एस० कपूर
- 7. श्री बी० कृष्णास्वामी

विषव विनोव जौहरी, सहायक निवेशक प्रशासन

बिदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1976

सं 1/402/76-स्था०—श्री एस० ब्रह्मचारी को 30 विसम्बर 1975 के पूर्वाह्म से भ्रीर श्रागामी श्रादेशों तक कलकता शाखा में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रीमयता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामाले, महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 22 मार्च 1976

सं० 1/367/76-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसब्दारा बम्बई माखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री धार० एल० मेनेजेस को एक ग्रल्पकालीन रिक्त स्थान पर 1-12-75 से लेकर 21-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की प्रविध के लिए उसी णाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी, प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानिदेशक

बम्बई दिनांक मार्च 1976

सं 1/369/76-स्था०---विदेश संचार सेवा के एतद्वारा नई दिल्ली गाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्रीभगत सिंह को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 13-1-76 से लेकर 7-2-76 (दोनों विन समेत) तक की अवधि के लिए उसी गाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 मार्च 1976

> पा० कि० गो० नायर, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक ।

वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, विनांक 31 मार्च 1976

सं० 16/241/75-स्थापना-1--- प्रध्यक्ष, वन धनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून डा० पद्माकर पाण्डे को दिनांक 1 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से सहर्ष वन प्रनु-संधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में प्रनुसंधान ध्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> पी० ग्रार० के० भटनागर, कुलसचिव वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

शिलांग, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 6/75—केन्द्रीय श्राबगारी कलकटरेट णिलांग के अस्थायी कार्यालय श्रधीक्षक श्री एम० सी० देव के अगले श्रादेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आवगारी प्रशासनिक श्रधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया, श्री एम० सी० देव ने प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में दिनांक 8-9-75 (पूर्वाह्न) को आगरतला में कार्यभार संभाला।

एस० सी० नियोगी, समा**हर्ता**

बड़ौदा, दिनांक 13 फरवरी/6 मार्च 1976

सं० 3/16—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निरीक्षक श्री वी० भार० जिवेदी, ने जिनको इस कार्यालय के स्थापना भादेश संख्या 317/75 दिनांक 19-11-75 के भ्रधीन, भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-II के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 22-1-76 की पूर्वाह्म में भ्रहमदाबाद समाहर्तालय के मुख्यालय में भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग-II का कार्य भार संभाल लिया है।

विनांक 25 फरवरी 1976

सं० 4/76—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के कार्यालय अधीक्षक, श्री धार० एच० देसाई ने जिनको इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 348/75 दिनांक 26-12-75 के अधीन प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-11 के रूपमें नियुक्त किया गया था, दिनांक 27-1-1976 की पूर्वाल में, घहमदाबाद समाहर्तालय के जामनगर सीमा शुल्क मण्डल में, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-11 का कार्यभार संभान लिया है।

ह० अपठनीय कृते समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुस्क यडीदा

इलाहाबाद, दिनांक 15 मार्च 1976 ,

हो गए । श्री ए० एम० के० वारसी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, श्रधीक्षक (तकनीकी), केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, लखनऊ के श्रतिरिक्त कार्यभार को श्रगला भ्रादेश होने तक देखेंगे।

विनांक 20 मार्च 1976

सं० 15/1976—इस कार्यालय के पृष्टांकन संख्या वो (3) 319-स्था/71/1342-48, वि० 10-1-1975 के प्रधीन जारी की गई कार्यालय प्रधिसूचना संख्या 8/1975, वि० 7-1-1975 को रह करते हुए, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में तैनात श्री जी० पी० दरबारी, स्थानापन्न प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, वर्ग 'ख' को इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या (6दो) स्था०2/75/पार्ट-1/38704, वि० 4-10-1975 के प्रधीन जारी किए गए स्थापना श्रादेण संख्या 115/1975 वि० 4-10-1975 के श्रानुसार रू० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतन में रू० 810/- के प्रतन स्तर पर वि० 1-1-1974 से दक्षता रोध पार करने की श्रमुसति दी जाती है।

सं०-19/1976 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में पूर्व तैनात श्रीर इस कार्यालय के पृष्टांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75, दि० 28-11-1975 के श्रन्तर्गत जारी किए गए स्थापना श्रादेश संख्या 334/1975, दि० 27-11-1975 के श्रनुसार श्रागामी श्रादेश होने तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो (श्रव वर्ग 'ख') के रूप में नियुक्त श्री रघुनन्दन प्रसाद कपूर, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में दि० 31-12-1975 को (दोपहर के पहले) श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यकार, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यकार ग्रहण कर लिया।

एभ० बी० दास, समाहर्ता

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 मार्च 1976

सं० क-12017/5/76-प्रशा० पांच—इस म्रायोग की मिस्सूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा० पांच (खंड-दो) विनांक 16-10-1975 के मनुक्रम में भ्रष्ट्रपक्ष, केन्द्रीय जल भायोग एतद्द्वारा श्री एम० भौमिक की केन्द्रीय जल भीर विद्युत अनुसंघानशाला, पूना में सहायक म्रनुसंघान श्रीय-कारी (बैक्शानिक-रसायन ग्रुप) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पए के वेतनमान में नितांत ग्रस्थाई तथा तदर्थ रूप से स्थानापन्न होने के किल्ला 1-1-1976 से 31-3-1976 की ग्रागामी प्रविध के लिए प्रेंबवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक—को भी पहले हो नियमत करते हैं।

विनांक 24 मार्च 1976

सं० क-12017/6/76-प्रशा० पांच—इस आयोग की अधिस्चना सं० क-19012/553/75-प्रशा० पांच दिनांक 21-1-76 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री एस० के देव, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय जल और विशुत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक—भौतिकी ग्रुप) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए 650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में 1-3-76 से 31-8-76 की आगामी अवधि तक अथवा श्री पी० जे० देसाई के सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर प्रत्यावितित होने तक—जो भी पहले हो—नियुक्त करते हैं।

सं० क०-12017/6/76-प्रणा० पांच-इस श्रायोग की अधिसूचना सं० क-19012/556/75-प्रणा० पांच दिनांक 24-1-76 के अनुक्रम में श्रध्यक्ष, केन्द्रीय अल श्रायोग एतव्ह्रारा श्री जी० एम० कोटवार, अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय अल श्रीर विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक श्रन्तसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में पूर्णतया श्रस्थाई तथा तवर्थ रूप में 1-3-76 से 31-8-76 की श्रागामी अवधि तक अथवा श्री के० एस० मुत्ता की आयोग में वापसी तक-जो भी पहले है-नियुक्त करते हैं।

जसयंत सिंह, ग्रवर सचिव कृते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

मई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1976

सं० 6/16/75-प्रशासन-2—भध्यक्ष, केन्द्रीय किजली प्राधिकरण, एतव्हारा सर्वश्री एस० चक्रवर्ती तथा श्राज्ञा सिंह, मुख्य नक्शा नवीसों को तारीख 6-3-76 के पूर्वाह्म से प्रतिरिक्त सहायक निवेशक (नक्शा/सामान्य) के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 30 मार्च 1976

सं० 6/2/76-प्रशासन-दो---प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण, श्री ए० एस० सीहरा, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी श्रेणी-दो सेवा के श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 18-3-1976 के श्रपराह्म से, एतद्द्वारा, नियुक्त करते हैं।

सं० 6/2/76-प्रशासन—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्रा-धिकरण एतवृद्धारा श्री इन्द्रजीत शर्मा तकनीकी सहायक को तारीख 1-3-76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी 2 सेवा के श्रतिरिक्त सहायक श्रिभयन्ता के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

> सन्तोष विश्वास, भवर सचिव

सवारी डिब्सा कारखाना महा प्रबन्धक का कार्यालय (कार्मिक शाखा/शेल) मद्रास-38, दिनांक मार्च 1976

सं० का० शा०/रा०सा०/9/विविध-II---श्री झार० सी० टंडन, स्थानापन्न श्रितिकत्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/सी० व उब्ल्यू (व० मा०-स्तर-II) को दक्षिण रेलवे से स्थानांतरण करके रिपोर्ट किया गया है और उन्हें स्थानापन्न श्रितिस्कत मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/स० डि० का० (व० मा०-स्तर-II) के पव पर दिनांक 20 फरवरी 1976 के श्रपराह्म से तैनात किया गया है।

श्री सी० शंकरन, स्थानापन्न कल्याण निरीक्षक (श्रेणी III) जिनका नाम श्रस्थाई रूप से सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद के लिए नामिका में दर्ज किया गया है, को श्रेणी II सेवा में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक श्रधिकारी/श्रारक्षण (श्रेणी II) के पद पर ता० 26-2-1976 से पदोन्नति की गई है।

एस० सुक्रमणियन उप मुख्य कार्मिक श्रधिकारी **कृते** महा प्रबंधक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, विनांक 1 मार्च 1976

सं० 5—श्री जे० सी० भारद्वाज, सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी (दर्जा- Π) रेखवे सेवा से 29-2-76 (ग्रपराह्म) से श्रन्तिम रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 22 मार्च 1976

सं० 6— उत्तर रेलके के सहायक भण्डार नियंत्रक (दर्जा II) श्री क्षी० ग्रार० शर्मा 29-2-1976 ग्रपराह्म से श्रन्तिम रूप से रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

वी० पी० साहनी, महाप्रबन्धक

मध्य रेलवे

महा प्रयन्धक का कार्यालय

बम्बई वी० टी०, दिनांक 30 मार्च 1976

सं ० एच० पी० बी०/220/जी०/पाई०/एल—-भारतीय रेल विद्युत् इंजीनियरी सेवा के निम्निलिखित सहायक विद्युत् इंजीनियरों को (परिवीक्षा पर) कनिष्ठ वेतनमान में उनके सामने दी गई तारीख से स्थायी किया जाता है:

ऋमांक	नाम	कनिष्ठ वेतनमान में		
		स्थायीकरण	की तारीख	
1. श्री रमेश चन्द्र		8- 1- 1973		
2. श्री	रविकुमार सरीन	7- 1- 1 9 7 4		
	जसपाल सिंह	4-12-1974		

कृष्ण चन्द्र, महा प्रबन्धक

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता- 27, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० जी०-65/वी(कान)—श्री छी० एस० मजुमदार वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी)—जिसका नाम ग्रभी वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी)—जिसका नाम ग्रभी वैज्ञानिक सहायक (यांत्रिक) हो गया है—राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की सूचना सं० जी०-65/वी (कान) दिनांक 24-6-74 के श्रनुसार दिमांक 31-5-74 से जसी कार्यालय में वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी (भौतिकी)—जिसका नाम ग्रभी वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी (यांत्रिक) हो गया है—के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किए गए थे पुनः दिनांक 28-2-76 के श्रपराह्म से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक सहायक (यांत्रिक) के रूप में परिणित किए गए।

ए० के० भट्टाचार्य, युग्म निदेशक कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कम्पनी कार्य विभाग (कम्पनी ला बोर्ड)

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय बम्बई-2, दिनांक 22 मार्च 1976

सं० 1079/560(4)——यतः जनता मोटर सर्विस कारपो-रेशन प्राइवेट लिमिटेड, जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय क्लाथ मार्केट मानवार महाराष्ट्र में हैं, का समापन किया जारहा है। और यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, श्रौर यह कि कम्पनी के दिनांक 8-1-71 तथा पश्चात् के खातों का विवरण पक्ष समापक द्वारा दिए जाने के लिए श्रपेक्षित है, छह कमयतीं मास के लिए नहीं दी गई है।

श्रतः ग्रब कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के धनुसरण में, एतप्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के श्रवसान पर जनता मोटर सर्चिस कारपोरेकन प्राह्वेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकृत हेसुक दिक्सित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया आएगा श्रीर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारामणन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रौर दि फिल्म काफ्टस्मेन प्राध्वेट लिमिटिङ के विषय में हैदराबाद, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० 938 टी० (560) — कम्पनी घ्रधिनियम की घारा 560 की उपधारा (3) के घ्रनुसरण में एतस्द्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर दि फिल्म काफ्टस्मेन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> श्रो० पी० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार, भ्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर जास्मिन ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, विनांक 26 मार्च 1976

सं० 5075/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर जास्मिन ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा धौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर दी मेजेस्टिक टेकस्टैल्स् लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, विनांक 26 मार्च 1976

सं० 4938/560(3)/76— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी मेजेस्टिक टेक्स्टैल्स् लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिक्षिनियम, 1956 ग्रौर नवशन्ति कर्माशयल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में मद्रास-6, दिनांक 26 मार्च 1976

सं • 4768/560(3)/76—कम्पनी मधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के मबसान पर नवणिक्त कर्माणयल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दीं जाएगी।

> कम्पनी ग्रिक्षिनियम, 1956 ग्रीर टी० के० ग्रार० जी० ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में मद्रास-6, दिनांक 26 मार्च 1976

 टी० के० श्रार० जी० ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया हो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मिन मुरली ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 26 मार्च 1976

सं० 4468/560(3)/76— कम्पनी मिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसन पर मिन मुरली ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात निकया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 भीर बुलबुल्स रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 26 मार्च 1976

सं 4722/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बुलबुल्स रोडवेज श्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और थेनमोझि चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4664/560(3)/76— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर थेनमोझि चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिरान एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 5109/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मिरान एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का माम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी। कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर पान्डियन फर्टिलाइजर्स एण्ड ग्राइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4860/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पान्डियन फर्टिलाइजर्स एण्ड ब्राइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर शकुन्तला रोडवेश प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4091/560(3)/16—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शकुन्तला रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत्व कारणे दिश्त न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर संजीवि ट्रासपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4725/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 के उपधारा (3) की श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर संजीवि ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विद्याटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सेविन्नस पर्मानेन्ट फन्ड (सि॰ बि॰ इ॰) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4749/560(3)/76—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस वारीख से तीन मास के ग्रवसान पर सेविन्ग्स पर्मानेन्ट फन्ड (सि० बि० इ) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्व न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित की जाएगी। 3—36 GI/76

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर मुसिरि पुलिवलाम ट्रान्सपोर्ट्स श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 3750/560(3)/76—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मुसिरि पुलिबलाम ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारणदिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और यु० टी० एस० बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 4775/560(3)/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यु०टी० एस० बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और ईस्ट कोस्ट इन्जीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, विनांक 29 मार्च 1976

सं० 5325/560(3)/76—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ईस्ट कोस्ट इन्जीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रोर न्यू ग्रंगरपथरा कीलियारी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 1(900) 75-76/9436—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्क्षारा सूचना दी जाती हैं कि न्यू ग्रंगरपथरा कीलियारी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> सत्य प्रकाण तायल कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

न्नायकर स्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1975 (आयकर)

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/36—श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर श्रायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 8-8-75 से निम्न-लिखित श्रायकर सर्विलों का सुजन किया जायेगा।

- 1. न्यास सिंकल--1. नई दिल्ली।
- 2. न्यास स्पिकल--2, नई दिल्ली। दिनांक 20 ग्रगस्त 1975

शुद्धि-पत्न

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/11499—इस कार्याक्षय की ग्रिधिसूचना संख्या जुरि०-दिल्ली/2/75-76/37 दिनांक 12-8-75 के कालम 2 में "कम संख्या 6 की प्रविष्टि हटा दी गई है तथा उसके स्थान पर कम संख्या '7' को कम संख्या '6' के रूप में पढ़ा जायेगा"।

श्रादेश

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/11852—श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस कार्यालय
के श्रादेश संख्या ई० 1/जुरि०/दिल्ली/1970-71/5051-बी०
दिनांक 29 जून 1970 में श्रांशिक तरमीम करते हुए श्रायकर
श्रायुक्त दिल्ली-2 निवेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम
शांग्रेजी के 'एस०' श्रक्षर से श्रारम्भ होते हैं श्रौर जो 20-875 से पहले श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) एडिशनल, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार में थे उनके बारे में तथा
यदि इस प्रकार का कोई निर्धारिती कोई साझेदारी फर्म हो
तो उस फर्म के साझेदारों के बारे में भी, उनके नाम चाहे
किसी भी श्रक्षर से शुक्त होते हों, श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट6 (9) नई दिल्ली श्रपने श्रधिकारों का प्रयोग करेंगे किन्तु
श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) एडिशनल, नई दिल्ली
उनके बारे में श्रपने श्रधिकारों का प्रयोग नहीं करेंगे।

परन्तु इस ग्रादेश से उन निर्धारितियों के बारे में ग्रायकर ग्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) एडिशनल, नई दिल्ली के वर्तमान क्षेत्राधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके नाम ग्रेंग्रेजी के 'एस०' ग्रक्षर से गुरू होते हैं ग्रौर जो ऐसी सक्षेदारी फर्म में साक्षेदार हों जिसका नाम ग्रेंग्रेजी के 'एस०' अक्षर के अतिरिक्त अन्य किसी भी अक्षर से शुरू होता हो बशर्त कि ऐसे फर्म इस आदेश के लागू होने की तारीख को ग्रायकर ग्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) एडिशनल, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार के ग्रन्तर्गत हो।

यह म्रादेश 20-8-75 से लागू होगा।

दिनांक 1 मन्तूबर 1975

सं० जुरि० दिल्ली/2/75-76/14095---- ध्रायकर घ्रधि-नियम 1961 (1961 का 43 वौ) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त ग्रन्य सभी शक्तियों श्रीर बोर्ड की दिनांक 29-9-75 की श्रिधसूचना संख्या 187/2/74-श्राई० टी (ए०-1) को श्र्यान में रखते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली इस कार्यालय की समय-समय पर यथासंशोधित श्रिधसूचना संख्या जुरि० दिल्ली/2/74-75/544 दिनांक 5-8-1974 के माथ संलग्न श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

उक्त प्रनुसूची में, प्राई० ए० सी० दिल्ली रेन्ज-2-ए० नई दिल्ली के सामने कालम-2 के इन्दराजों के बदले निम्न-लिखित इन्दराज रखे जाएगें:---

रेत्ज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक श्रायकर	1. कम्पनी सकिल 1, 4, 5, 6,
भ्रा युक्त	8, 9, 11, 17, 18, 21 ग्रौर
दिल्ली रेन्ज-2-ए०	22 नई दिल्ली ।
नई दिल्ली	2. विशेष सर्किल 1, 1 (ग्रति-
	रिक्त) 2, 2(ग्रतिरिम ⊤)
	श्रौर 7 नई दिल्ली
	3. ठेकेदार सर्किल नई दिल्ली.।

यह श्रिधसूचना 1 ध्रक्तूबर, 1975 से लागू होगी। दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० जुरि०-दिल्ली/2/74-75/20556—-आयकर प्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10), नई दिल्ली के प्रधिकार-क्षेत्र के बारे में, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 या 127 के अंतर्गत जारी किए गए पहले के सभी प्रावेशों में परिवर्तन करते हुए और उक्त प्रधिनियम की धारा 124 द्वारा प्रवत्त शक्तियों और इस संबंध में प्रायत अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 निदेश देते हैं जिन निर्धारितियों के नाम अंग्रेजी के 'भ्रो० 'पी०' या 'क्यू॰' में से किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं तथा जो 15-11-75 से पहले आयकर श्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) के श्रिधकार-क्षेत्र के अंतर्गत थे उनके बारे में, इस आदेश के लागू होने की तारीख से, आयकर श्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट-6(1) अपने कार्य करेंगे किन्तु आयकर श्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट-6(10) उनके बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

परन्तु इस श्रादेश से उन निर्धारितियों के बारे में श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6(10) के वर्तमान श्रधिकार-क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके नाम श्रंग्रेजी के 'श्रो॰' 'पी॰', या 'क्यू॰', श्रक्षर से शुरू होते हैं श्रोर जो ऐसी साझेदारी फर्म में साझेदार हों जिनका नाम श्रंग्रेजी के 'श्रो॰', 'पी॰' या 'क्यू' के श्रतिरिक्त श्रन्य किसी भी श्रक्षर से शुरू होता हो बगर्ते कि ऐसी फर्म इस श्रादेश की तारीख को उक्त श्रायकर श्रधिकारी के श्रधिकार-क्षेत्र के श्रंतर्गत हो।

यह ग्रादेश 15-11-75 से लागू होगा।

दिनांक 14 नवम्बर 1976

सं ० जुरि०-दिल्ली/2/74-75/20761---ग्रायकर भ्रधिकारी. डिस्ट्रिक्ट-6(10), नई दिल्ली के ग्रधिकार-क्षेत्र के बारे में, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 या 127 के प्रंतर्गत जारी किए गए पहले के सभी ग्रादेशों में परिवर्तन करते हुए श्रौर उक्त ग्रधिनियम की धारा 124 द्वारा प्रवत्त शक्तियों श्रौर इस संबंध में प्राप्त ग्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-2 निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम प्रांग्रजी के 'के॰' प्रक्षर से शुरू होते हैं तथा जो 15-11-75 से पहले श्रायकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6(10) के श्रधि-कार-क्षेत्र के भ्रंतर्गत थे उनके बारे में, इस श्रादेश के लाग् होने की तारीख से, ग्रायकर ग्रधिकारी डिस्ट्रिकट-6(5) ग्रपने कार्य करेंगे किन्त भ्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्वट-6(10) उनके बारे में प्रपने कार्य नहीं करेंगे।

परन्तु इस म्रादेश से उन निर्धारितियों के बारे में म्रायकर म्राधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6(10) के वर्तमान म्राधिकार-क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके नाम मंग्रेजी के 'कें अक्षर से शुरू होते हैं भ्रौर जो ऐसी साझेदारी-फर्म में साझेदार हों जिनका नाम भ्रंग्रेजी के 'कें ०' के श्रतिरिक्त भ्रन्य किसी भी अक्षर से शुरू होता हो बगतें कि ऐसी फर्म इस श्रादेश की तारीख को उक्त ग्रायकर ग्रधिकारी के श्रधिकार-क्षेप्त के श्रंतर्गत हो।

यह भादेश 15-11-75 से लागू होगा।

सं० जुरि० दिल्ली/2/75-76/20924— आयकर श्रिधि-नियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ठेकेदार सिकल, नई दिल्ली को निम्नलिखित दो वार्डो में विभाजित किया जायेगा।

- 1. ठेकेदार सर्किल, वार्ड-ए०
- 2. ठेकेदार सकिल वार्ड-बी०

यह भ्रादेश 15-11-75 से लागू होगा।

फा० सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/21175---ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी किए गए सभी श्रादेशों/ग्रधिसुचनाश्रों का ग्रधिक्रमण करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2 निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट श्रायकर श्रधिकारी उक्त श्रनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, श्राय या ग्राय के वर्गों श्रौर भामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में श्रपने कार्य करेंगे। इनके श्रंतर्गत वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त श्रधिनियम की धारा 127 के श्रंतगत किसी श्रम्य ग्रायकर श्रधिकारी को सौंप दिए गए हों या इसके बाद सौंपे जाएँ।

क्रम प्रायकर भ्रधिकारी का पदनाम सं०

श्रधिकार क्षेत्र

1. ग्रायकर प्रधिकारी, ठेकेदार सर्किल वार्ड-ए०, नई दिल्ली

1

- क्षेत्र के मंत धर्ग, श्राय
- 2. श्रायकर ग्रधिकारी, ठेकेदार सर्किल वार्ड-बी०, नई दिल्ली
- (क) भ्रायकर भ्रधिकारी, ठेकेंदार सर्किल, दिल्ली के श्रधिकार-क्षेत्र के मंतर्गत भ्राने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के धर्ग, भ्राय या श्राय के वर्ग भ्रौर मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम भ्रग्नेंजी के 'ए' से लेकर 'एम' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी भ्रक्षर से शुरू होते हों।
- (ख) उपर्युक्त मद (क) के श्रंतर्गत भाने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।
- (क) प्रायकर प्रधिकारी, ठेकेदार सर्किल दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र के ग्रंतर्गत आने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग भौर मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेंजी के 'एन' से लेकर 'जेड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी श्रक्षर से शुरू होते हों।
- (ख) उपर्युक्त मद (क) के म्रंतर्गत ग्राने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।

नई दिल्ली, दिनांक 31 मक्तूबर 1975

(आयकर)

सं॰ जुरि॰-दिल्ली/3/75-76/18963—म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्तं शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी किए गए सभी म्रादेशों/म्रधिसूचनाम्रों का म्रधिकमण करते-हुए म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-3 निदेश देते हैं कि नीचे दी गई म्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट म्रायकर म्रधिकारी उक्त म्रनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, म्राय या म्राय के वर्गों म्रीर मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में म्रपने कार्य करेंगे। इनके म्रंतर्गत वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, म्राय या म्राय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त म्रधिनियम की धारा 127 के म्रंतर्गत किसी भ्रन्य भ्रायकर म्रधिकारी को सौंप दिए गए हैं।

भनुसूची

कम सं०	ग्रायकर प्रधिकारी का पदनाम	् श्रधिकार-क्षेत्र		
1	2	3		
1. 3	प्रायकर श्रिधकारी, डिस्ट्रिक्ट-3(7), नई दिल्ली	म्रायकर म्रधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3(35) नई दिल्ली को सौंपे गए क्षेत्रों के भ्रंतर्गत म्राने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग म्राय या म्राय के वर्ग भौर मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी के 'एम' म्रक्षर से शुरू होते हैं तथा 'एम' म्रक्षर के श्रंतर्गत सूचीबद्ध फर्मों के सभौ साझेदारों के मामले ।		

यह म्रधिसूचना 1 नवम्बर, 1975 से लागू होगी।

जै० सी० लूथर ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 भ्रक्तूबर 1975 (आयकर)

सं० जुरि०-विल्ली-4/75-76/14196—आयकर ग्रिध-नियम 1961(1961 का 43 वां) की धारा 123 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त धन्य सभी शक्तियों ग्रीर बोर्ड की दिनांक 29-9-75 की ग्रिधसूचना संख्या 187/2/74-ग्राई० टी० (ए०-1) को ध्यान में रखते हुए ग्रायकर श्रायुक्त विल्ली-4, नई दिल्ली इस कार्यालय की समय-समय पर यथा संशोधित श्रिधसूचना संख्या जुरि० दिल्ली/4/74-75/546 दिनांक 5-8-74 के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करते हैं। उक्त अनसूची में, आई० ए० सी० दिल्ली रेन्ज-4(ए०), नई दिल्ली के सामने कालम-2 के इन्दराजों के बदले निम्न-लिखित इन्दराज रखें जाएंगें।

रेम्ज	म्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल		
1	2		
निरीक्षीय सहायक भ्रायकर श्रायक्त दिल्ली रेन्ज 4-ए० नई दिल्ली	 डिस्ट्रिक्ट-5, नई विस्ली। विशेष सिकल 6 तथा 6 श्रितिरिक्त) नई दिल्ली। 		

यह ग्रिधिसूचना 1 ग्रक्तूबर, 1975 से लागू होगी। एस० एस० सेठ ग्रायकर ग्रायुक्त, विल्ली-4 नई दिल्ली प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1976

निर्देश सं० ए०सी० क्यू० 23-1-920(304)/1-1/75-76---यतः मुझे जे० कथ्रिया,

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 116-1 (भाग), फाइनल प्लाट नं० 219, टी० पी० एस० नं० 8, है जो दरीयापुर काजीपुर, सिविल अस्पताल के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त पश्चिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) 1. श्री ईश्वर लाल मोहन लाल परमार,
 - 2. श्री मंगलदास मोहनलाल परमार,
 - 3. श्री मोतीलाल मोहनलाल परमार,

- 4. श्री सोम चंद मोहनलाल परमार.
- श्री चंदू लाल मोहनलाल परमार.
 गजानन्द हाऊसिंग सोसायटी.
 गिरधर नगर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)

(2) 1. श्री मनाभाई छगनलाल मकवाणा, पूरानी ग्रायोर्देय नी चाली, श्रहमदाबाद।

- श्री मणीलाल खोयाभाई, हीरा मास्टर नी चाली, एरोड्रम केपास, श्रहमदाबाद।
- श्री अम्बालाल वाणाभाई परमार उत्तर गुजरात बीरमाया, को० श्राप० हाऊसिंग सोसायटी, नया सिविल अस्पताल के पीछे, अक्षमदाबाद।
- श्री वाहोला खोड़ाभाई कुबेरभाई,
 प्रीतम पुरा सोसायटी नं० 2,
 गिरधर नगर, ग्रहमवाबाव।
- मणीलाल मूलजीभाई, सूर्यनगर—नगर सोसायटी, शाही बाग, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उम्ल अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची 🕝

एक स्थायी पट्टे बाली श्रचल सम्पत्ति जो 949 वर्ग गज भूमि, पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 116-1, (भाग) फायनल प्लाट नं० 219, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, ग्रसारवा, सिविल-श्रस्पताल के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 19-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर म्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० 298/ए० सी० क्यू० 23-642/19-7/75-76—-ग्रतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है श्रोर जिसकी सं० नोंछ नं० 1934/बी०/3 वार्ड नं० 2 हैं, तथा जो भजूरा क्षेत्रपाल रोड, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8-7-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (भन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रिभीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करभे या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :—

- 1. (1) श्री हीराबेन, उत्तम भाई छोटूभाई की पत्नी
 - (2) उत्तम भाई छोटू भाई, स्वयं और भूपेन्ब, रमीला, तारा लता, सभी सगीरों के वाली की हैसियत से
 - (3) कलुमति उस्तम भाई, (अन्तरक) क्षेत्रपाल सूरल

- मै० कृष्णा कार्पोरेशन, भागीदारी पेटी, नानावत मेन रोड, सूरत की ग्रोर से उसके भागीदार:
 - 1. श्रीमित छायाबेन कान्तीलाल पटेल
 - 2. श्रीमति लीलाबेन श्रश्वीनभाई पटेल
 - 3. श्रीमति कमलबेन श्ररुनभाई प्रधान
 - 4. श्री भ्रनील कान्तीलाल पटेल
 - 5. श्रीमती कृष्णा नंद यशवंतराव ।

(भ्रन्तरिती)

- 4. (1) श्री धनसुखदास चिमन लाल
 - (2) विस्को लैंण्ड कार्पोरेशन की श्रोर से उसके सहियारी : शशीकान्त चिमनलाल निर्मेला सुघन चन्द शाह, कंफरमिंग पार्टी ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनयम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंछ नं ० 1934/बी०/3, बार्ड नं० 2, कुल माप 220 वर्ग गज है और जो मजूरा क्षेत्रफल रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विचल नं० 2393 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 18-3-1976

व्ररूप श्राई०टी०एन०एस०-------

ग्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च, 1976

निषेण सं० 299/ए० सी० क्यू० 23-643/19-7/75-76— अत: मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० नींध नं० 1934/बी०/3 वार्ड नं० 2 है, तथा जो मजूरा-क्षेत्रफल रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन 8-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) ध्रम्सरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के ब्रबीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए :

धतः, ध्रव, 'उन्त घधिनियम' की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, 'उक्त धिनियम' की धारा 269-थ की जन-धारा (1) के धधीन निम्मलिखिल व्यक्तियों, सर्थात्ः-

- (1) निर्मला सुघन चन्द शाह नगीनचन्द्र चिमनलाल शाह भांसोली पोल, गोपीपुरा, सूरत (अन्तरक)
- (2) कृष्णा कार्पोरेणन, भागीदारी पेढी, नानावत मेन रोड, सूरत की श्रोर से उसके भागीदार :
 - श्रीमित छायाबेन कान्ती लाल पटेल
 - 2. श्रीमती लीलाबेन श्रश्वीनभाई पटेल,
 - 3. श्रीमति कमलवेन अरुण भाई प्रधान,
 - 4. श्री श्रनील कान्तीलाल पटेल,
 - श्रीमती कृष्णानंद यशवंतराव.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रीधिनयम', के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

मनुस्ची

्र खुली जमीन जिसका नींध नं० 1934/बी०/3, वार्ड न० 2, श्रीर कुल माप 215 वर्ग गज है तथा जो मजूरा-क्षेत्रफल रोड सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2392 में प्रविधित है।

> पी० एन० मिसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-Ш, ग्रहमवाबाद ।

तारीख: 18-3-1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्रमृतसर,दिनांक । अप्रैल 1976

ं निर्देश सं० एफ०डी०के०/277/75-76—यतः, मुझे वी० ग्रार० सगर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिन्नको सं० जमीन है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1975

सम्पत्ति उचित पूर्वोक्स के बाजार को कम के दृश्यमान प्रतिफल के प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ब्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर ब्रन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बायत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या धन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

धतः स्रवं, 'उक्त स्रधिनियम', की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, 'उक्त स्रधिनियम', की घारा 269-च की उपघारा (1) के असीन निम्मलिखित स्यक्तियों, सर्पातः—

- श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह
 पुत्र श्री विश्वन सिंह
 वासी कोट कपूरा मार्फत
 श्री हरी सिंह, वासी पटियाला (श्रन्सरक)
- 2. श्री ग्रजैब सिंह पुत्र श्री महा सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव डाकखाना वंडर जताना जिला फरीदकोट श्रीर श्री ज्योति प्रकाश पुत्र श्री राम विशन पुत्र श्री वासदेव वासी फरीद कोट मार्फत श्री प्रीतम सिंह, सैंक्टेरी, भारकेट कमेटी, कोटकपूरा। (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है, श्रौर किरायेदार यदि कोई हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2088, जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

सारीख: 1-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० 5/363/20/75—श्रतः मुझे जे०एम० मेहरा घायकर घिषिनयम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-इपये से अधिक है और जिसकी संवनंव 5 दिवनंव 3 (पार्ट) सीव एसव नंव 102 (पार्ट) है, जो मोहल विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उस्त भ्रधिनियम की धारा 269-ण के भनुसरण में, मैं, उस्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—

1. श्री इस डीसोझा

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) गयादीन अलगु मौर्या
- (2) पुरुसोतम कुमार गयादीन मौर्या (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---4---36GI/76

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची [

जमीन ग्रथवा मैदान का वह तमाम भाग ग्रथवा खंड जो कि. पेमाइण में 2508 वर्ग गज अर्थात् 2097 वर्ग मीटर या उसके बराबर है, श्रीर जो बम्बई उप नगर के रजिस्ट्रेशन जिला श्रीर उप जिला के जिल्हा साउथ साल्टटे के ग्राम मोहल में साकी विहार रोड (जिसे भ्राम खौरानी रोड के नाम से जाना जाता है) में रिथत एवं भवस्थित है, उसका सर्वेक्षण सं० 5 हि० सं० 3 पार्ट सी० एस नं० 102 पार्ट ऋौर जिसकी सिमाएं इस प्रकार से ऋा गई है, कि उत्तर में ग्रंगतः वह जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 5 हि० सं० 1 है, भ्रौर अंगतः यह जमीन है, जिसका सर्वेक्षण सं० 5 हि० सं० 4 है, दक्षिण में ऊपर कहा गया खैरानी रोड है, पश्चिम में हिंद्स्तान न्नाइल मिल्स की प्रापर्टी है भौर भ्रंगतः वह प्रापर्टी है जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हि० सं० 4 है, श्रौर जिसका विस्तार से वर्णन नीचे वी गयी अनुसूची में दिया गया है, और पूर्व में अंशतः वह प्रापर्टी है जिसका सर्वेक्षण सं० 5 हि० सं० 5 है, ऋौर श्रंशतः वह प्रापर्टी है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हि० सं० 1 है, और जिसके साथ ग्रनुबद्ध लौन में लाल रेखाओं की बाऊंडरी रूप में दिखाया गया है।

श्रनुसूची II

बम्बई उप नगर के रिजिस्ट्रेशन जिल्हा श्रीर उप जिला में जिला साउथ सालस्टे में साकी ग्राम साकी विहार रोड (जिसे श्राप खराजी रोड कहते हैं) में स्थित एंव श्रवस्थिन भूमी श्रथवा मैदान का वह तमाम भाग श्रथवा खंड जो कि पैमाइश में 410.75 वर्ग गज श्रथित 344.44 वर्ग मीटर के बराबर है, इसका सर्वेक्षण सं० 4 हि० सं० 4 सी० एस० सं० 103 (11, 12) है, श्रीर उसकी सिमाएं इस प्रकार से घिरी हुई है, कि उत्तर में जमीन है, जिसका सं० सं० 4 हि० सं० 1 पार्ट है, दक्षिण में ऊपर बताया गया खरानी रोड है, पश्चिम में हिन्सुस्तान श्राइल मिल्स की प्रापर्टी है, श्रीर पश्चिम में भूमी है, जिसका सं० सं० 4 हि० सं० 1 पार्ट है, श्रीर जिसे इसके साथ श्रनुबद्ध लौन में हरे रंग की वाउन्ड्री रेखा के रूप में दिखाया गया है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख: 22-3-1976

प्ररूप धाईं० टी० एन० एस०-

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता-16।

कलकत्ता-16, दिनांक 18 मार्च 1976

निर्देश सं० ए० सी० 52/अर्जन रेंज-V/कैल/75-76—यतः मुझे एस० एस० इनामदार धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिल बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० मौझा श्रागर पाड़ा है तथा जो पी० एस० खर्दा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलवत्ता में, रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 3-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (ग्रम्तरकों) और अम्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

- मैं० बी० एन० एलीयास, एन्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. मैं० श्रोरीएन्टल मशीनरी एन्ड सिर्वील कन्स्ट्रक्शन प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त घड्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

35 बीघा, 14 कट्टा 4 छटांक 43 स्कवे की जमीन एव बिल्डिंग तथा श्रोरीएन्टल इलॅक्ट्रिक एन्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी नामक सम्पूर्ण बिजिनेस डी० सं० 3853 श्रोफ 1975 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

> एस०एस० इनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-V रफीश्रहमद किदवाई, रोड, कलकत्ता-16।

तारीख: 18-3-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1116/75-76/यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्नवाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक हैं और जिसकी सं० 4008 का 1/4 भाग है तथा जो गली बन्सी कोयले वाली, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) "प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

श्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, भर्यात :--

- श्री बुध राम, सुपुत्र श्री चान्दु लाल, निवासी 4008, गली बंसी कोयले वाली, श्रजमेरी गेट, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री प्यारे सिंह, सुपुत्न श्री जीवन सिंह, निवासी एस० 101, विश्वनु गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)
- 3. श्री मंगल सैन (2) श्री गोपी राम (3) श्रीमती विद्या।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त,
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सारी जायदाद का 1/4 भाग जिसका नं० 4008, गली बन्सी कोयले वाली, श्रजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, भोपाल

दिनांक: 17 मार्च 1976

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/117/75-76-यतः, मुझे, एस० एन० एलं० अप्रवालं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं ० 14/6913 है तथा जो अहाता किदारा, बारा हिन्दु राश्रो, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातः--

- श्री हरनाम दास, सुपुत्र श्री ब्रह्म दास,
 निवासी एस० एफ० 2, शाह बिल्डिंग, चमेलियन रोड,
 शीदीपुरा, दिल्ली । (ब्रन्तरक)
- श्रीमती श्रनीस फातमा, पत्नी श्री नवाबुद्दीन, निवासी 6913, श्रहाता किदारा, बारा हिन्दु राश्रो, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों स्नीर पदों को जो उक्त अधि-नियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

एक दुर्माजला मकान जोकि 60 बर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुझा है, जिसका नं० 14/6913 है, ब्रहाता किदारा, बारा हिन्दु राश्रों, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

> पूर्व : मकान नं० 6914 पश्चिम : मकान नं० 6912

उत्तर : गली

दक्षिण : मकान नं० 6903।

एस० एन० एल० श्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1118/75-76—ग्रतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्नवाल आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० 83/1ए० है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख
के ग्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों' को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाधा प्रकट नहीं किया गया था या प्किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उमत ग्रिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- हजूर संत सतगुरु मेहर सिंह जी चेला सतगुरु बाबा बग्गा सिंहजी, निवासी 803, माङल टाउन, जलन्धर (पंजाब) इनके जरनल पावर ग्राफ ग्रटारनी श्री चरण दास के द्वारा, सुसुत श्री हजारी मल, निवासी 493/3, मुख्य बजार, गांधी नगर, दिल्ली-31। (ग्रन्तरक)
- श्री अमरजीत तथा राज बाबू, ॄंसुपुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी बी-6/16, राना प्रताप बाग, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्श्वीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का दुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 957-रे वर्ग गज है, खसरा नं० 2632/53 है, जायदाद नं० 83-1/ए० का भाग कहलाता है, जोकि पंजाबी बाग की प्रबादी, रोड नं० 83 पर, दिल्ली में स्थित है। यह जायदाद निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : 15' चौड़ी सड़क पश्चिम : रोड़ नं० 83 उत्तर : 31 फुट चौड़ी रोड़ दक्षिण : म्रन्य की जायदाद

> एस० एन० एल० अग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीखः 17 मार्च, 1976।

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्बेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1119/75-76--ग्रतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल
ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रौर जिसकी सं० 83-1/बी० है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली
म स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है),
राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण
श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- हजूर संत सतगुरु मेहर सिंह जी चेला सतगुरु बाबा बग्गा सिंहजी, निवासी 803, माडल टाउन, जलंधर। इनके जरनल पावर श्राफ श्रटारनी श्री चरणदास के द्वारा, सुपुत्र श्री हजारी मल, निवासी 493/3, गांधी नगर, मुख्य बाजार, दिल्ली-31। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामेण, सुपुत्त श्री चरण दास, (2) कुमारी रेनु सुपुत्ती श्री चरण दास, निवासी 83-1/बी०,पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे !

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि का दुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 957-1/2 वर्ग गज है, खसरा नं० 2632/53 हैं जोकि जायदाद नं० 83-1/बी० का भाग कहलाता है, पंजाबी बाग की श्राबादी, रोड़ नं० 83 पर, दिल्ली में स्थित है। यह जायदाद निम्न प्रकार से स्थित हैं: →-

पूर्व : 15' चौड़ी रोड़ पश्चिम : रोड़ नं० 83 उक्तर : श्रन्य की जायदाद दक्षिण : श्रन्य की जायदाद

> एस० एन० एल० अग्नेवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 मार्च, 1976।

प्ररूप श्राई०टी ०एन०एस०-----श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1121/75-76——अतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 0 15/9624 गली नं 0 12 है तथा जो मुलतानी डांडा, पहाइगंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः--

- श्री संवा सिंह सुपुत्र एस० धान्ना सिंह,
 निवासी 9625/15, गली नं० 12, मुलतानी डांडा,
 पहाइगंज, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री मदन लाल, सुपुत्र श्री दाल चन्द, निवासी मकान नं० 9658/15, गली नं० 11, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूर्धना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपब्दीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 67 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 12/9624, गली नं० 12 है, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० श्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 मार्च, 1976।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) $rac{1}{2}$ गुंकिन रेंज $rac{1}{2}$ गुंकिन रेंज $rac{1}{2}$ गुंकिन रेंज

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० भाई०ए०सी०/एक्यु०/II/1120/75-76---भ्रतः मुझे एस० एन० एल० भ्रग्रवाल, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 4677-14 है तथा जो गली उमराग्रो वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् :—

- श्रीमती शणी प्रभा जैन, पत्नी श्री जय चन्द जैन, निवासी 3694, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज, दिल्ली-1
- श्री धुनेन्द्र कुमार जैन, (2) दवेन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री नेम चन्द जैन, निवासी 4676, गली उमराख्री वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4677-14 है, गली उमराग्रो वाली, पहाश्री धीरज, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 17 मार्च, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-

अनायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1122/75-76—प्रतः मुझे एस० एन० एल० प्रग्नवाल धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, ग्रीर जिसकी सं० बी०-6 है तथा जो 37 राजपुर रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्री-

करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-36GI/76

 मै० सिधीया इन्वेस्टमेन्टस प्रा० लि० गवालियर (मध्य प्रदेश)।
 मेजर जरनल श्रजीत सिंह गुराया,
 जयारेक्टर के द्वारा।

(भ्रन्तरक)

 श्री विशम्बर देयाल, सुपुत्र श्री चन्दन लालजी निवासी 29/20, शक्ती नगर, दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकर के पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 436 वर्ग गंज है, भीर नं बी ०-6 है, 36 राजपुर रोड़, दिल्ली में है। यह ण्लाट निम्म प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : खुली भूमि

पश्चिम : 30 फुट चौड़ी सड़क उत्तर : प्लाट नं० बी०-5 दक्षिण : प्लाट नं० बी०-7

तारीख: 17 मार्च, 1976।

मोहर :

एस० एन० एल० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक **भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** भ्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1 प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भागकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिनांक 17 मार्च, 1976

निर्देश सं० प्रार्द्द ए० ्सी०/एक्य/11/1123/75-76-प्रतः मुझे,एस०एन०एल० श्रग्रवाल, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 341 है तथा जो चन्द्रावाल, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्च: में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्द्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए ग्रन्तरित की गई हैग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भ्रोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- श्रीमती शान्ती देवी, बनाम समरीष्टा, पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, निवासी सी-3, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण कुमार, सुपुत्र श्री शिवचरण दास, निवासी 108, गाजु कटरा, शाहदरा, दिल्ली-1। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला दुकान जोकि 167.75 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं 341 है, चन्द्रवाल, शाहदरा, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : श्री रतन लाल की जायदाद पश्चिम : श्री नाथी मल की जायदाद उत्तर : श्री रघुनाथ की जायदाद दक्षिण : मनाज मण्डी रोड ।

> एस० एन० एल० भग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 17मार्च, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं० थ्राई० ए० सीं०/क्यु०/II/1124/75-76---यतः मुझे एस० एन० एल० ध्रप्रवाल ध्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त ध्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं०बी-2/13 का 1/2 भाग जो माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत:——

- 1. (1) श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी श्री कंवल नैन विग
 - (2) अशोक कुमार
 - (3) राधेश्याम
 - (े4) परवेश चन्द्र , सुपुत्र श्री ृकंबल नैन विग, निवासी बी-2/13, माडल टाउन, दिल्ली-9

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री कान्ता प्रशाद
 - (2) श्री सतीश कुमार
 - (3) राज कुमार
 - (4) प्रशोक कुमार
 - (5) सुरिन्द्र कुमार
 - (6) सुरेश कुमार, सुपुत्र श्री कान्ता प्रशाद निवासी वी-8, गुजरावालन, टाउन, दिल्ली-9

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में 'समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त गड़दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में थणा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अमृ सृची

एक बिल्डिंग का 1/2 श्रविभाजित भाग जोकि 2501 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनीं हुई है, जिसका नं ० 13 बलाक नं ० बी-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : जायदाद नं० बी-2/14 पश्चिम : जायदाद नं० बी-2/12-ए

उत्तर : रोड

दक्षिण : कालौनी की बाउन्ड्री ।

एस० एन० एल० **प्रग्रवाल,** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II,नईदिल्ली-1

तारी**खः** 17मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं ७ प्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/11/1125/75-76--- प्रत: मझे, एस० एन० एल० भ्रम्यवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त म्रधिनियम' कहा गया 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० सी-31 है, तथा जो नेताजी रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे हैं उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी का कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात:-

- 1. (1) श्रीमती सरला कुमारी, पत्नी श्री हुकम चन्द गर्ग
 - (2) श्रीमती राज रानी, परनी श्री बलदेव कृष्ण गर्ग निवासी सुनसमी गेट, संगरूर, (पंजाब)

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती धान देवी, पत्नी श्री रघुनाथ दास दुसाजे, रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, निवासी सी-6/7, माडल टाउन, दिल्ली -9

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपह में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाटकी भूमि जिसका क्षेत्र फल 200वर्ग गज है, श्रौर नं० सी-31 है, नेताजी रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : प्लाट नं ० सी-33 पश्चिम : प्लाट नं ० सी-29

उत्तर : 30' चौड़ी नेताजी रोड दक्षिण : 30फुट शंकर श्राचार्या रोड ।

> एस० एन० एल० स्रप्रवाल सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीखः 17मार्च, 1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, दिल्ली-1 दिनांक 18 मार्च, 1976

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1126/75-76-- ग्रतः मुझे एस० एन० एल० ध्रग्रवाल ध्रायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 325 है, तथा जो संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: भव, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्रर्थात:— 1. श्रीमती शोभारानी, पत्नी श्री हर दयाल शाद, निवासी सी/1-ए, सत्यावती नगर, श्रशोक विहार-III दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती लाज बन्ती पत्नी श्री चुन्नी लाल तथा श्री चुन्नी लाल सुपुत्र श्री माया दास, निवासी टी-222, नवाब रोड, सदर बजार, दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्रत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक मंजिला मकान जोकि 139 वर्ग गज प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं 325 है, जोकि खसरा नं 161 का हिस्सा है, सन्त निरंकारी, कालौनी, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 10 फुट गली पश्चिम : 24 फुट सड़क उत्तर : प्लाटनं० 324 दक्षण : प्लाटनं० 326।

> एस० एन० एल० म्रग्र**वाल** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18मार्च, 1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिनांक 18 मार्च 1976

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1127/75-76--- म्रतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल ग्रधिनियम 1961 (1961 का इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० 8131 तथा 8136, वार्डनं० 14, है तथा जो चिम्नीमिल,बाड़ाहिन्दू राव,दिल्ली में स्थित है (ग्रौरइससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1968 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1975 सम्पत्ति के उचिप्त बाजार को पूर्वीयत कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिमत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री मोहम्मद श्रली, सुपुत्त श्री मोहम्मद यूसूफ निवासी 8014, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती बिलक्वीस बेगम, पत्नी श्री श्रहसन उल्लाह निवासी 4846, गली दारजीयन, बाड़ा हिन्दु राव, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आझेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 110 वर्ग गर्ज प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं ० 8131 तथा 8136, वार्ड नं ० 14 है, चिमनी मिल, बाड़ा हिन्दु राव, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीख: 18 मार्च, 1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-II, दिल्ली-1

दिनांक 18 मार्च, 1976

निर्वेण सं० प्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1128/75-76--- प्रतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 15/7531/1 है, तथा जो तेल मिल स्ट्रीट, नामनगर, पहाइगंज, नई दिल्ली म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिक्षक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त प्रधि-नियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्त मधिनियम' या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उक्तं ग्रिधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :—

- श्रीमती रामेण्वरी बाई, पत्नी श्री धनपत राय, निवासी डी-12/12, माडल टाउन, विल्ली-9
- 2. श्री दवेन्द्र कुमार छाबड़ा, सुपुत्र श्री श्री राम छाबड़ा निवासी 999, गली मनटोला, पहाड़गंज, नई विरुली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 247. 3 वर्ग गज क्षेत्र फल की भूमि पर बना हुआ है, जिसका नं 0 15/7531/1 है, तेल मिल स्ट्रीट, रामनगर, पहाड़गंज, दिल्ली में है, यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : सांझा रास्ता

पश्चिम: गुरुद्वारा भई हिम्मत सिंह उत्तर: शान्ती देवी का प्लाट दक्षिण: पं०लखीराम का मकान।

> एस० एन० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18 मार्च, 1976

प्ररूप श्राईं०टी०एन०एस०-----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, दिल्ली-1

दिनांक 18 मार्च, 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1129/75-76— प्रतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० 15/7531/1 है, तथा जो तेल मिल स्ट्रीट, रामनगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों)
धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269 व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्रीमती श्रान्ती देवी, पत्नी श्री जय गोपाल,
 निवासी 2897/11, गली कैंप्टन, दिखागंज, दिल्ली-6
 (श्रन्तरक)
- श्री नवल किशोरी गुप्ता, सुपुल स्व० श्री विष्णु दत्ता, निक्षासी, 7575, श्राईस फैक्ट्री, रामनगर, पहाङ्गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की मनिध, जो भी
 भनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 250.6 वर्ग गज क्षेत्र फल की भूमि पर बना हुआ है, जोकि प्लाट नं 15/7531/1 का 1/2 हिस्सा है, तेल मिल स्ट्रीट, रामनगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : सांझा रास्ता

पश्चिम: गुरुद्वारा भई हिम्मत सिंह उत्तर: श्री लक्ष्मीनारायण काण्लाट

दक्षिण : श्रीमती प्रमेशवरी बाई का प्लाट।

एस० एन० एल० भग्नवाल सक्षम भ्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18 मार्च, 1976

अरूप माई• टी• एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, विल्ली-1

दिनांक 18 मार्च, 1976

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1130/75-76---म्रतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्रवाल **आय**कर अधिनियम, 1961(1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रक्षिक है भौर जिसकी सं० 57/62 है, तथा जो ढाका गांव, दिल्ली-9 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिभत से भिधक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दर भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तिओं को, जिन्हें भारतीय भायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिन्नियम, या धनकर मिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, 'उक्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-म की उपचारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत्:--6-36GI/76 श्री जसवन्त सिंह, सुपुत्र श्री सौदागर मल, निवासी 1/57, ग्रशोक विहार, दिल्ली-52

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रमरनाथ सुपुत्र श्री खजान सिंह , निवासी मकान नं० 70, ढाका गांव, दिल्ली-9

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्मच्डीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 527 वर्ग गज है और नं० 57/62 है, काका गांव, दिल्ली-9 में निम्न प्रकार से घिरी हुई है:--

पूर्व : चीपाल

पश्चिम : जायदाद नं० 56

उत्तर : गली

दक्षिण: भन्य की जायदाद।

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम[ं]प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18 मार्च, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, दिल्ली-1

दिनांक 19 मार्च 1976

निर्देश सं ० श्राई० ए० सी० एक्यु०/II/1131/75-76—श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

द्यायकर घ्रधिनियम,1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उषत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 54, प्लाट नं० 175 का 1/2 भाग, राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए भ्रन्तरित है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे काउचित पन्द्रह प्रतिशत से शिधक द्रश्यमाम प्रतिपःल का मीर **म**न्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरिसी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त भाधिनियम' के भाधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम,' या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

ग्रह्म: अब 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उन्त ग्रिधिनयम' की घारा 269-घ की उपश्चारा (1) के ग्रधीन, निम्म्लिखिल व्यक्तियों ग्रर्थात:——

- श्रीरामसिंह, सुपुत्र श्री केसर सिंह, निवासी 346, रानी बाग, णाकुरबस्ती, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीमती शकुन्तला रानी, पत्नी श्री संतोषकुमार, गिवामी, 13/1562, श्रजीज गंज, आजाद मार्किट, दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रक्षितियम', के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 हिस्सा जोकि 180 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं उब्ल्यू जैंड-54, प्लाट नं 175 है, राजा गार्डन, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : जायदाद नं० 176 पश्चिम: जायदाद नं० 174 उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : रोड ।

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 19 मार्च, 1976

मोहर ;

प्ररूप ग्राई० टी० एन०एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली-1

दिनांक 19 मार्च 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू ०/II/1132/75-76—प्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रम्रवाल आयकर अधिनियम (जिसे 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक द्मौर जिसकी सं० मकान नं० 54, प्लाट नं० 175 का 1/2 भाग है तथा जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1975 को पूर्वोष्ट्र सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के भ्रधीन कर बेने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री दिवान सिंह, सुपुत्र श्री सन्त सिंह, निवासी डब्ल्यू जैंड-54, राजा गार्डन, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- श्रीमती शकुन्तला रानी, पत्नी श्री संतोष कुभार निवासी 13/1562, श्रुजीज गंज, भ्राजाद मार्किट, दिल्ली ।

(मसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मडिशकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

अबुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 हिस्सा जोकि 180 वर्ग गज क्षेत्र फल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० डब्ल्यू जैड-54, प्लाट नं० 175 है, राजा गार्डन, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 176 पश्चिम : जायदाद नं० 174 उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड ।

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज II, बिल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 19 मार्च, 1976

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, विल्ली-1

दिनांक 19 मार्च 1976

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/ एक्यू०/II/1133/75-76--- मतः मक्षे, एस० एन० एल० भ्रम्भवाल ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्घाम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रानुसूची में दिया गया है, तथा जो करवाल नगर, शाहवरा, विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अम्तरिसियों) के भ्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी क्षन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

भ्रतः ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रिनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. (1) श्री पहलाद सिंह
 - (2) श्री तेजराम, सुपुत्र श्री हुकम सिंह, निवासी करवाल नगर, गांव, गाहदरा, दिल्ली-32 (भ्रन्सरक)
- मै० लक्ष्मी लैन्ड एण्ड फाइनेंस कम्पनी (रजिस्टर्ड),
 डी-16, सिनेमा ब्लाक, कृष्ण नगर, विल्ली-51,
 इनके मैनेजिंग हिस्सेवार :
 श्री फकीरचन्द के द्वारा सुपुत्र श्री विशम्बर दयाल गुप्ता
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नय बीघा बारह बिसवा खेती की जमीन जो करावल नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है, जिसका खसरा मुस्तातील नं० 53 है, खसरा नं० 1 (4-16) तथा 2(4-16) हैं।

> एस० एन० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19 मार्च, 1976

प्ररूप माई० टी०एन०एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर दिनांक 27 मार्च, 1976

निर्देश सं० 863-ए/अर्जन/मेरठ/75-76—--श्रतः मुझे विजय भागवा

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी म्राय की अवत, उक्त म्रक्षिनियम के भ्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-म की उपन्नारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—— मैंसर्स फाउन्ष्रीज प्रा० लि० रिजस्टर्क ग्राफिस : 3685, चानड़ी बाजार देहली-6 बजरिये: श्री भूषण कुमार डायरेक्टर

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स बंसल, फोरिजिंग्स प्राई० लि०, सी-17, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, परतापुर, मेरठ। बजरिये: श्री वेद प्रकाश मैनेजिंग डायरेक्टर पुत्र लाला केशोराम 707, सिविल लाइन्स, मेरठ। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण--इसमें प्रयुक्त गढदों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भचल सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग प्लाट्स नं० ए-14, ए-15, ए-16 बाले गवर्नमेन्ट इन्डस्ट्रियल एस्टेट, परतापुर जिला मेरठ जोकि 1,42,500 ६० मूल्यं में हस्तांतरित की गई है।

> विजय भार्गमा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीखः 27 मार्च, 1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं० 731/प्रार्जन/गाजियाबाद/75-76—प्रातः मुझे विजय भार्गवा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जकत भ्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वात:—

- 1. (1) श्री महाबीर प्रसाव पुत्र श्री भ्रौं कार सिंह
 - (2) श्रीहरदस शर्मापुत्रपं०राम कृपाल
 - (3) श्रीमती पदमावती पत्नी श्रीरघुवर दयाल निवासी प्रहलादगढ़ी, परगना लौनी, तह ०गा जियाबाद जिला मेरठ। (अन्तरक)
- मैसर्स मोहन मिकिन, ब्रेवरीज लि० मोहन नगर, गाजियाबाद जिला मेरठ द्वारा श्री जमना शंकर भटनागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 बीघा 8 बिस्वा है श्रीर जो खसरा नम्बर, 182 में शामिल है श्रीर जो प्रहलादगढ़ी परगना लौनी, तह० गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है 33,880 ह० मूल्प में हस्तांतरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० 725/म्रर्जन/गाजियाबाद/75-76/2910---म्रतः, मुझे विजय भागेवा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से

श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्याक्य गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्षत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- मैंसर्स विष्णु एजैन्सीज प्रा० लि० भारत भवन, चितरंजन एवेन्यू, कलकसा 13 द्वारा श्रो प्रयाम सुन्दर गोयनका, पृत्त स्व० मोतीलाल गोयनका 3 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-13 मुख्त्यार खास। (अन्तरक)
- मैसर्स मोहन मिकिन बैंबरीज प्राईवेट लि० मोहन नगर, गाजियाबाद द्वारा जमना शंकर भटनागर। (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्तं शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि जिस का क्षेत्रफल 11 बीघा 7 बिस्वा (34333-3/4 वर्ग गज) है और जोकि खसरा नम्बर्स 548, 550 547 और 549 में शामिल है और मौजा पहलादगढ़ी, पोस्ट लौन, तहसील गाजियाबाद जिला मेरट में स्थित है 2,06,003 हु मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भागेंवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-76

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० 724/म्रर्जन/गाजियाबाद/75-76/2911—म्प्रतः, मुझे, विजय भागेवा

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रमुस्ची के ग्रधार है तथा जो अनुस्ची के अधार है तथा जो अनुस्ची के अधार है तथा जो अनुस्ची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाब अनुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उन्त भिवित्यम' की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त भिवित्यम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:--- श्री श्याम सुन्दर गोयनका पुत स्व० श्री मोती लाल गोयनका निवासी 3 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता, मुख्तयार खास मिनजानिक परमेश्वर प्रसाद पुत्र श्री शिव भगवान निवासी 3, चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-13

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स मोहन मिकिन बैवरीज लिमिटेड, मीहन नगर, गाजियाबाद, परगना लौनी, तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ द्वारा श्री जमनाशंकर भटनागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, ओ भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भजल सम्पत्ति भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघा 9 बिस्वा भौर 15 बिस्वन्सी (13575 वर्ग गज) जो खसरा नम्बर्स 165, 166, 167, 169, 183 और 184 में शामिल है श्रौर जो मौजा पहलाद गढ़ी, परगना लौनी, तहसील गाजियाबाद जिला मेरट में स्थित है 1,08,600 ६० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेंवा सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर मायुक्**त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 27-3-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं० 732/म्रर्जन/गाजियाबाद/75-76—म्प्रतः मुझे, बिजय भागंवा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रिनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गाजीयाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दारीख 23-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् 7—36 GI/76

- 1. श्री प्याम सिंह शर्मा पुत्न श्री बखताबर निवासी शाम राजापुर डा० खास परगना हासना तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ (अन्तरक)
- 2. मैसर्स मोहन मिकिन श्रेंबरीज लिमिटेड मोहन नगर गाजियाबाद जिला मेरठ द्वारा श्री जमना शंकर भटनागर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयें होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पति भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बीघा 3 बिस्वा जो खसरा नर्म्बस 174 श्रौर 175 में शामिल है श्रौर जो मोजा प्रलादगढी परगना कैनी, तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है 47,152/ ६० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> बिजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 15 मार्च, 1976

निर्देश सं० 795-ए०/ग्रर्जन/देहरादून/75-76--ग्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

उचित बाजार मूल्य 2.5,000/- रु० से श्रिधिक है ग्रौर जिसकी सं० ग्रनसची के ग्रनसार है तथा

भौर जिसकी सं० ध्रनुसूची के ध्रनुसार है तथा जो ध्रनुसूची के ध्रनुसार में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 8-7-1975

(1908 का 16) क श्रधान, ताराख 8-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, भ्रथितः :--

- 1. श्री गुरदीप सिंह मुलतानी पुत्र श्री हरदीत सिंह निवासी 6, ए०, नेगी रोड़, देहरादून (श्रन्तरक) 2. डा० सुपैन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह (2) श्रीमती
- पवनजीत चीमा पत्नि सरदार कैंहर सिंह चीमा ∫िनवासी 31, पार्क रोड़, देहरादून (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, ओ उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पति जो खसरा नम्बर 353/1/8, 353/1/7 एम० में शामिल है श्रीर जिस का कुल क्षेत्रफल 12 एकड़ है श्रीर एक कच्चा माटोक तीन कमरों के साथ बना हुग्ना है श्रीर जो मौजा श्रटोक फार्म, परगना पचबादून, जिला देहरादून में स्थित है, 42,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बाहदुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 15 मार्च 1976

निर्देश सं० 796-ए०/म्रर्जन/देहरादून/75-76/2880---म्रतः मुझ्ने एफ० जे० बहादुर भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से श्रधिक है बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रंधिनियम' के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:--- 1. श्री रोशन लाल स्वयं श्रीर मुख्तारश्राम बास्ते श्रीमती चानन देवी (3) श्रीमती पुष्पा देवी (4) श्री राजीव कुमार (5) श्री राकेश कुमार (नाबालिंग) श्रपनी माता द्वारा श्रीमती पुष्पा देवी 96 कर्नल गंज, कानपुर (श्रन्तरक)

2. श्री महन्त इन्द्रेश चरन दास जी सजदानशनीन दरबार गुरू राम राय जी महाराज, देहरादून (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति भ्राक्षेप यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि प्लाटस जिस का क्षेत्रफल 2.09 एकड़ है ग्रौर जो डेरा खास, परगना पचवा जिला देहरादून में स्थित है, 31,020/- २० में हस्तान्तरिस किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख 15-3-1976 मोहर:

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च, 1976

निर्देश न० 1050ए०/म्रर्जन/छीबरामोऊ/75-76—-म्रतः मुक्तो, विजय भार्गवा

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिधिक है और श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय छीबरामों में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
प्रक्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच
ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: प्रव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:--

- 1. श्रीमती विद्या वती देवी उर्फ विद्या देवी विधवा श्री प्रभू दयाल वटियार निवासी मौजा सराय प्रयाग परगना तलाग्राम, तहसील छीवरामोऊ, जिला फरूखाबाद (ग्रन्सरूक)
- 2. श्री रमेश चन्द्र (2) श्री सरेश चन्द्र श्रीर (3) राम प्रकाश (नाबालिंग) पुत्र डा० ईश्वर दयाल वटियार निवासी सराय मारूफ, डाकखाना किरतपुर, जिला फरूखा-बाव (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नुस्**ची

श्रवल सम्पति खेतिहर जमीन जिस का क्षेत्र लगभग 7.68 एकड़ है और जो बरापुर, मकदूमपुर श्रीर सराय प्रयाग जिला फरूखाबाद में स्थित है, 39,000/~ रु० मूल्य में हस्त्तातरित किया गया है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जग रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्र्यर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश नं० 1051-ए०/मर्जन/छीबरामोऊ/75-76--म्प्रतः मुझे, विजय भागवा आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसुची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसुची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय छोबरामोअ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-7-1975 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्न-लिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबल 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपामे में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उम्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उम्त अधिमियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यम्तियों, अर्थात् !---

- 1. श्रीमती बिधा वती देवी उर्फ बिद्या देवी विधवा श्री प्रभू दयाल कटियार निवासी मौजा सगय प्रयाग, परगना तलाग्राम, तहसील छोबरामोउः जिला फरूखाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राम किशोरी पित्न श्री प्रताप सिंह कटियार निवासी 111 ए०/3 छ, श्राशोक नगर, कानपुर (2) श्री श्रोम प्रकाश काटियार पुत्र श्री ईश्वर दयाल कटियार निवासी मौजा सराय मारूफ डाकखाना किरतपुर फल्लाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पति खेतिहर जमीन जिस का क्षेत्रफल लगभग 7.49 एकड़ है श्रीर जो बरापुर, मकदूमपुर श्रीर सराय प्रयाग जिला फल्खाबाद में स्थित है, 38,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

बिजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 मार्च 1976

एफ० नं० 772/म्रर्जन/मेरठ/75-76—म्प्रतः मुझे, विजय भागवा

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सुची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिती (अन्तरिकों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उम्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उम्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कौशल देवी पत्नी सूर्यंपाल सिंह
 (2) श्रीमती श्राणा तोमर पत्नी योगेन्द्र पाल सिंह, निवासी
 क्वार्टस बेगम बाग, मेरठ । (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुशील कुमार पुत्र श्री तारा चन्द निवासी इह्मापुरी मेरठ सिटी। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पति उत्तरी पोरणन, बिल्डिंग नं० 734 जो कि बेगम बाग मेरठ सिटी में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 45,000/- रु० में हुआ है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-3-1976

प्ररूप भ्राई०टी०एन०एस०-----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 मार्च 1976

एफ० न ० *773|म्र*र्जन|मेरठ| 75-76—म्प्रतः मुझे, विजय भागेवा

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है

ग्नौर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या भ्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः त्रव उपत त्रधिनियम की धारा 269-ग के झनु-सरण में, मैं, उपत प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

- 1. (1) श्रीमती कौशल देवी पत्नी श्री सुर्यपाल (2) श्रीमती श्राशा तोमर पत्नी योगेन्द्र पाल निवासी बेगम बाग, मेरठ सिटी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रजनी पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार निवासी ब्रह्मपुरी, मेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति वक्षिणी पोरशन बिल्डिंग नं० 734 जो कि बेगम बाग मेरठ सिटी में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 50,000/- रु० में हुआ है।

> विजय भार्गना सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 मार्च 1976

एफ० नं० 774/ग्रर्जन/मेरट/75-76—-ग्रतः मुझे, विजय भागेवा द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियेम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000- र० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (अौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-7-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके युश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत :—

- श्रीमती (1) कौशल देवी पत्नी श्री सूर्यपाल सिंह (2) श्रीमती श्राशा तोमर पत्नी श्री योगेन्द्र पाल सिंह, बेगम बाग, मेरठ सिटी (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री लाला तारा चन्द निवासी अहापुरी मेरठ सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पद्यों का, जो जिस्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति मध्य भाग बिल्डिंग नं० 734 जो कि बेगम बाग मेरठ सिटी में स्थित है। जिसका हस्तातरण 45,000/- रु० में हुश्रा है।

> विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 मार्च 1976

एफ० नं० 788-ए०/म्रर्जन/खागा/75-76---भ्रतः मुझे, विजय भागंवा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खागा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 28-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:8-36GI/76

- श्री मनोहर दास पुत्र धर्म दास निवासी 104-ए॰/
 रामबाग, कानपुर (श्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री शिव प्रसाद सिंह पुत्र गोबरधन सिंह,
 - (2) सरजू सिंह पुन्न रामजतन सिंह
 - (3) श्रलगृ सिंह पुत्र राम वृक्ष सिंह,
- (4) श्रीमती राधिका पत्नी जयपाल सिंह सभी निवासी श्रमिपावर जिला रोहतास (बिहार)
 - (5) श्री रधुवीर सिंह पुत्र जीऊत सिंह,
- (6) श्री श्रवध कुमार पुत्र मोती लाल निवासी सोहद डा॰ सववा परगना दनवार जिला रोहतास (बिहार) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्था है।

अनुसूची

ग्रज्ञल सम्पत्ति कृषि भूमि (8 प्लाट) क्षेत्रफल 112 बीचा श्रीर 1 बिस्वा (लगभग 45 एकड़), स्थित गांव टेनी परगना हथगाम तहसील खागा जिला फतेहपुर। जिसका हस्तांतरण 46,000/- २० में हुआ है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

ता**रीख**: 23-3-1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 मार्च 1976

निर्देश नं · 598/प्रजैन/ग्रीराइया/75-76/2922---- ग्रतः मुझे, विजय भागंत्रा पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के प्रनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रीराइया में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त घंघिनियम', या धनकर घंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषात्:---

- श्री कालिन्दी नारायन पुत्र श्री राम नारायन, निवासी ग्राम बुढ़ादाना परगना श्रीराह्या, जिला इटावा (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामपाल (2) शिवपाल पुत्तगण श्री बनवारी लाल (3) राम रतन (4) राम श्राधार पुत्तगण श्री सोने लाल (5) राम श्रोतार और (6) राजपाल (दोनों नाबालिंग) श्री नारायन बलदेव की संरक्षता में निवासी ग्राम बूढ़ादाना, परगना श्रीराइया, जिला इटावा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिन्नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पति खेतिहर भूमि जिस का क्षेत्रफल 6.10 एकड़ है और जो ग्राम मियापुर परगना श्रौराइया, जिला इटावा में स्थित है, 21,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

सारीख: 29-3-1976

प्ररूप आई० दी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 29 मार्च 1976

निर्देश नं० 597/म्रर्जन/मौराईया/75-76/2923---म्रतः मझे, विजय भागवा, भ्रायकर श्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के मनुसार स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रोराईया में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सारीख 29-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पा**या गया** प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिषु में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के धादीन निकासिबात व्यक्तियों, अर्थात् !—

- 1. श्री कालिन्वी नारायन पुत्र श्री राम नारायन निवासी ग्राम बूक्षावाना परगना श्रीराईया, जिला इटावा (ग्रन्तरक)
- थी अन्बू पुत्र बदल निवासी ग्राम बूढ़ादाना, परगना शौराईया, जिला इटावा (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पच्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रम्भल सम्पत्ति खेतिहर भूमि जिस का क्षेत्रफल 4.61 एकड़ है भीर जो मौजा मियापुर, परगना श्रीराईया, जिला इटावा में स्थित है, 14,000/- ४० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-3-1976

प्ररूप माई० डी० एन० एस०----

म्रायकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मप्रैल 1976

निवेश सं० 642/धर्जन/भरठ/75-76---धतः मुझे, विजय

भागंवा

शायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्वनियम' कहा गया है) की श्रारा 269-ख के श्रिश्रीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिष्ठिक है शौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांजत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के

कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण घिषिनयम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाधत उक्त ग्रिवियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्सियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात:——

- 1. श्रीमती विधायती बेबा स्व० बाबू गोपाल नारायण गोयल सांकिन थापर नगर, शहर मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कृष्णा श्ररोड़ा पत्नि श्री चमन लाल श्ररोड़ा साकिन देहली रोड, शहर मेरठ। (श्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी झाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पति पार्ट आफ प्लाट नं० 80 जिस का क्षेत्रफल $204.16 \ 1/2$ वर्ग गज है भीर जो थापर नगर शहर मेरठ में स्थित है। 32,666.50 ६० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-4-1976

मोद्धर:

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० 643/श्रजंन/मेरठ/75-76—ग्रतः मुझे, विजय भागंवा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-7-1975

का 16) के अधीन तारीख 2-7-1975
को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से
उक्षत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त मधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियमं की धारा 269-थ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :—

- श्रीमती विधावती बेबा स्व० बाबू गोपाल नारायण गोयल साकिन थापर नगर, शहर मेरठ। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रेमेश चन्द श्ररोड़ा पुत्न जगन्नाथ श्ररोड़ा साकिन एम०/8 पटल मार्ग, गाजियाबाद, जिला मेरठ। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जम के लिए कार्येषाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पति पार्ट श्राफ प्लाट नं० 80 जिसका क्षेत्रफल 204.16 1/2 वर्ग गज है श्रीर जो थापर नगर, शहुर मेरठ में स्थित है। 32,666.50/- र• मूल्य का हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेंवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-4-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 20 मार्च, 1976

निवेश सं० 114/75-76/एसीक्यू०--यतः मुझे, षी० सत्यनारायण राव **प्रा**यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी जमीन का टुकड़ा नामक बैरो डी है, जो तलेगांव विलेज, पणजी का में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पणजी में डांक्यूमेंट नं० 516 के श्रंतर्गत 3-7-1975 के दिन में रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है भीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाषिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः म्रब उक्त मिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :---

- श्रीमती कमलाबाई विठल शिरोडकर, डा० विठल नागेश शिरोडकर के विधवा, डी०/9, मफ्तलाल पार्क, भूला-भाई देसाई रोड, बांबे । (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स सलगावंकर मैं निंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, वासकोडागामा (गोवा) । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी , करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस शध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम् मुनिसिपल् हृद्द् मे तीसवाडी का पंजिम् श्रीर सांटा इनेश पॉरिण् का तालेगांव गांव में स्थित निवासगृह, हेरेडिटामेंट्स जगह, इमारत और श्रन्य बनावटेंयुम्त जमीन का टुकड़ा जो विस्तीणं मे 3076 चदर मीटर का है और जो "बैरो डी गैमाराएस्" नामक "श्राफोरामेंटो डो श्राइटेरो डी० पंजिम् इ० सांटा इनेश् श्रथवा श्राइटेरो डी० कान्सीकांशों नामक श्रास्ती का 3076/82825 भाग है और लेड राजस्ट्रेशन् कार्यालय इल्हास में बुक् बी० 8 न्यू सिरीज के पेज नं० 25 के उलटे हिस्से में नं० 2942 के श्रंतगंत वर्णित है और संबंधित लेड रेवेन्यू राजस्ट्री में नं० 1178 मे नींवित है।

णी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, ग्रारवाड

तारीख: 20-3-19,76

मोह्रर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनिय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० 110/75-76/ए० सी० क्य०-यतः, मुझे, पी० सत्यनारायन राव, सहायक श्रायकल भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हुबली

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है, जो गास्पर इयास, पणजी ग्राम पंचायत के हद में, सब-जिला इलड्डास में स्थित प्लाट नं० जी०-2 जो 'मेरिया फेरीरा' कहलाया जाता है, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्याक्षय, पणजी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन डाकुमेंट नं० 522 श्रंतर्गत 9-7-75 के दिन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त मधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतु:—

- श्री कन्फेरियस् इनिदास डा० इम्रेजा छी पंजिम् ग्रपने प्रेसिडेंट, ग्रटानी ग्रीर ट्रेझरर से प्रतिनिधित सभी पण्जी (गोवा) के वासी । (श्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री बर्नार्ड मरियो फिमरिडो
 - (2) श्रीमती जाकेलिन लिलियम फिमरिको 159, कोलाबा रोड, बम्बई-5 के वासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---
 - (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षों का, जो उक्त श्रीधनियम, श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

पंजिम् मुनिसीपालिटी के गास्पर ड्यास् में स्थित 'मेरिया फेरीरा' नाम का आस्तीका प्लाट नं० जी-2 नामक जमीन का टुकड़ा जो 625 चंदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं :---

उत्तर: भीतरी रोड

दक्षिण: प्लाटनं० जी०-1

पूर्व: भीतरी रोड

पक्षियम :प्लाट नं० जी०-३।

पी० सत्यनारायन राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भारवांड

तारीख: 11-3-1976

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269-च (1) के ग्रिप्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रेंज, धारवा</mark>ड़

धारवाड़, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० 111/75-76/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हुबली भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

हौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई०-11 जो मेरिया पेरीरा नामक है, जो पंजिम स्युनिसिपल हद में गास्पर डयास में स्थित है (धौर इससे उपायद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पंजिम में 21-7-1975 के दिन डाकुमेंट नं० 544 के अन्तर्गत भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है धौर अन्तरक (धन्तरकों) शौर अन्तरिती

(भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (फ) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, नैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीतः—

- 1. श्री कन्फेरियस् रूनिदास उ इग्नेजा डी पंजिम् श्रपने प्रेसिडेंट, ग्रटानीं ग्रौर ट्रेझरर सेप्रतिनिश्चित सभी पंजिम् (गोवा) के वासी । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मैंकेल इसिडोरो ऐसाक झेवियर मेस्केर्जस (2) श्रीमती मेरिया किटीरिय लॉरा सेनेमा मस्केर्नस दोनों पैटोन साल्वाडोर डो मुंडो (गोवा) के वासी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम् मुनिसीपलिटी के गास्पर ज्यास में स्थित 'मेरिया परीरा' नामक प्रास्ती का प्लाट नं०-ई०-11, नामक जमीन का दुकड़ा जो 502 चंदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं :—

उत्तर : भीतरी रोड दक्षिण : प्लाट नं० ई०-8 पूर्व : प्लाट नं० ई०-12 पश्चिम :प्लाट नं० ई०-10।

> पी० सत्यनारायण राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, धारवाड़

तारीख: 11-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, धारवाड़ धारवाड़, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० 112/75-76/ए० सी० क्यू०—स्यतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० नं० 1-9-56 स्रीर 1-9-58 (पुराना), 1-9-36 (नया) स्रीर नं० 1-9-57 स्रीर 1-9-75 (पुराना), 1-9-32 स्रीर 1-9-37 (नया) है, जो गुलबशी जिला मादगीर के दस्तगीर पेट में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची म स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मादगीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1508 (1908 का 16) के स्रधीन 20-8-1975 के दिन डाकुमेंट नं० 974 के स्नतगंत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है स्रीर मुस्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत स्रधिक है सौर स्रन्तरक (स्रन्तरकों) स्रोर सन्तरिती (स्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 9—36 GI/76

- श्री लिंगेरी कोनप्पा जिनिया, प्रसिग ग्रौर ग्राइल मिल उसके भागीदार ग्रौर जनरल पावर ग्राफ ग्रटार्नी होत्डर श्री रुद्रप्पा का पुत्न कोनप्पा नाडगौडा, मादगिर के वासी (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती शांता बाई पति जवारलाल ढ़ोका (2) पंपनगौडा तंमडमी की पत्नि श्रीमती पार्वती देवी दोनों मादिगर के वासी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 11-3-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर श्र**धि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० 113/75-76/ए० सी० क्यू०—य्तः मुझे, पी० सत्यनारायण राव, भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2-1-259 से 2-1-266 है, जो गुरुवर्गा के जगत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-1-1976 के दिन डाकुमेंट नं० 1535 के श्रन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुबिधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, श्र्यात :--

- (1) श्री रामचन्द्र गिल्डा का पुत्न बालिव शन् श्रीर बालिकिशन् गिल्डा के पुत्न (2) भगवानदास (3) णंकरकाक (4) मुरलीधर (5) श्रानिल (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीविनायक राव (2) विजय कुमार (3) नरसिंहा (4) श्रीनिवास (5) श्रीपाद सब वेंकप्पा गादा के पुत्र श्रीर (6) वेंकप्पा गादा की पत्नी गोदावरी बाई सभी असफ गंड गुलबर्गा के निवासी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के म्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो खनत ग्रिधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगत् गुलबर्गा में स्थित मकान मुनिसिपल नं० 2-1-259 से 2-1-266 जिसकी सीमाएं :---

पूर्व: गुलाम मोहिसुदीन और श्रब्दुल निब के घर श्रौर सरकारी रास्ता ,

पश्चिम : नेहरू गंज श्रीर रेलवे स्टेशन के बीच का रोड उत्तर : डा० लक्ष्मन राव श्रीर भगवानराव के घर

दक्षिण: श्रजीज हुर्सैन , सयद भरगुव साहेब, हर्नमंतराय हगरमी वकील, श्रौर सयद मेहबूब सहेब के घर ।

> पी० सत्यनारायण राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाङ्

दिनांक: 11-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 25 मार्च 1976

निर्देश सं ० 3400/75-76---यतः मुझे, जी० वी० झाबक ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पक्ष्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है सास्तिरि रोड, तिल्लैनगर, तिष्ठचि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, के ० एस० श्रार० III तिरुचि 'डाकुमेण्ट' 2281/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरका के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उस्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्घात 🦠

1. श्री एन० पेरुमाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० वसन्ता देवि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि, तिल्लनगर नार्थ ईस्ट एक्सटेनशन, ब्लाक 1, टी० एस० 8/2 में भूमि (4310 स्कुयर फीट) (मकान के साथ)।

> जी० बी० झाबक, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 25-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ष्ट्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 2593/75-76--यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० 8/12 तिरुचि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० Ш कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2788/75) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण **प्रधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-7-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीन, निम्नलिखित

- 1. श्रीपी० ग्रार० वन्किट सुब्रमनिय ग्रायर ग्रीर वी० वि० रंगनातन (मैनर) (ग्रन्तरक)
 - 2. डाक्टर पि० रुक्मिन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, तिरुचि रोड, सुन्दरेस श्रायर ले श्रउट, डोर सं० : 8/12 में 19-25 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० : 1/665/1-सयिट सं० : 39,40 और सयिट सं० : 38 भाग) ।

जीं० बी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मक्षास

तारीख : 16-3-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, भद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 2603/75-76---यतः, मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ठ० से अधिक है और जिसकी सं० नया टी० एस० सं० 1377, अवनाणि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-[1], कोयम्बतूर (आकुमेण्ट सं० 2596) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन जुलाई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिभात ग्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और
भन्तिरती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात् :——

1. श्रीमती ग्रार० रंगनायिक ग्रम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० मीनाक्षि श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, पुलियकुलम गांव, श्रवनाशि रोड, नया टि० एस० सं० 1377, में 20 सन्ट ग्रौर 4 स्कुयर फीटकी खाली भूमि ।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-3-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ш, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 2606/75-76—--यतः मुझे, जी० बी० झावक, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ क० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 21/70 है तथा जो वैसियाल स्ट्रीट कोयम्बत्र में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III, कोयम्बत्र (डाकुमेण्ट सं० 2700/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उ∓त श्रिधिनियम',
 या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
 चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब 'उन्नत श्रधिनियम', की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्नत अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- 1. श्री श्रार० सुन्दर राज, सैन्दरी बाय, रतना बाय श्रौर विजय कुमारी (श्रन्तरक)
 - श्री एन० सुब्रमनियन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्राधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अभुसुची

कोयम्बतूर, बैसियाल स्ट्रीट, डी० सं० 21/70 में भूमि श्रौर मकान (नया टी०एस० सं० 1447 भाग, 1451 श्रौर 1452/1)।

जी० बी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 2606/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिनारी को यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी० सं० 21/44-45 वैसियाल है, तथा जो स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-III, कोयम्बतूर (डाक्नुमेण्ट 2701/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-7-1975

को पृबावित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रित फल वे लिए रिजस्ट्रीकृत िवलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण कि कित में बारतिबक स्पास कथित नहीं किया गया है ...

- (य) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या
- न्न) ऐसी किसी अप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर्महर्ण था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव 'उबत अधिनियम' की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपश्चारा (1) के सम्रीन निम्नानि**यित** व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री ग्रार० भुन्दरराज, सैन्दरी वाय; रत्ना बाय ग्रौर विजय कुमारी (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री के० पी० नारायण प्रचारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टोकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, वैसियाल स्ट्रीट, नया टि० एस० सं० 1447 भाग, डी० सं० 21/44-45 में भूमि ग्रौरमकान।

जी० बी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजींग रेंज-II, मद्राय

तारी**ख** : 16-3-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्त्वय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 2611/75-76---यतः मुझे, जी०वी० झाबक, द्यायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ र० से प्रधिक हैं। श्रीर जिसकी संब्डोर संब् 122 से 126 तक है तथा जो गांन्दिपुरम तिस्रा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांन्दिपुरम, (डाकुमेण्ट सं० 1873/ 75) में भारतीय रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन 14-7-1975 की पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :— श्री के० सेन्नियप गौन्टर

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० शन्मुघम पिल्लै ग्रीर एस० वेलायुतम पिल्लै (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रयाधन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जी 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जी उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

कोयम्बतूर, गांन्दिपुरम तीस्रा स्ट्रीट, डोर सं० 122 से 126 तक (भूमि श्रीर मकान) (टी० एस०सं० 11/1057)।

जी० वी० झावक, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख: 16-3-1976

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास ्र

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 1867/75-76--- यतः मुझे, जी० वी० झाबक, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके प्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो ग्रिलियर रोड, मद्रास-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-I, मद्रास, (डाकुमेण्ट सं० 5563/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर बन्तरक (अन्तरकों) घोर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं ग्रतः ग्रव उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—36 GI76

- श्री पत्काजम रामचन्द्रन श्रौर श्री एस० श्रार० रवी-न्द्रन (श्रन्तरक)
 - 2. श्री सी० हेच० वेन्कटरामन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत'र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-4, मैलापूर, श्रालवर रोड, डोर सं० 10, में चार ग्राउण्ट ग्रीर 988 स्कुथर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज-II, मद्रास

तारीख : 16-3**-197**6

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 5030/75-76---- यतः मुझे जीं० वी० झाबक, - भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 8/2 है, तथा जो नेल्सन मानिक मुदलियार रोड, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० I, मद्रास, (डाकुमेण्ट सं० 5735) में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दुश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और म्रास्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

श्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री बी० परन्तामन; ग्रार० पदमनाबन; बी० चौद्रि; ग्रार० अथचन्द्रन; बी० श्रीनियासन; बी० पापिया ग्रीर बी० रानी (श्रन्सरक)
 - श्रीमती डाक्टर पत्मा चन्द्रहास (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

मद्रास, वट श्रगरम, नेल्सन मानिक मुदलियार रोड, ब्लाक सं० 11, टी०एस० सं० 10, श्रार० एस० सं० 8/2 में तीन ग्रडण्ड श्रीर 1800 स्कुथर फीट की भूमि।

> र्जाल वील झाझक, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख : 16-3-1976

प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1976

निर्देश सं० 5031/75-76---पतः, मुझे जी० वी० झाबकः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पल्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भीर जिसकी संब्छारवएसव संब 8/2, टीवएसव सं० 10, नेरुसन मानिक मुदलियार, रोड, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, जे० एस० ग्रार० I, मद्रास, (डाकुमेण्ट सं० 5736) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है ग्रौर मुझ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीर भन्तरक (भन्तरकों), श्रीर श्रधिक है मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्स प्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत्:—

- श्री बी॰ परन्तामन; ग्रार॰ पदमनाबन; बी॰ चौद्रि;
 ग्रार॰ जयचन्द्रन, बी॰ श्रीनिवासन; बी॰ पापिया ग्रीर बी॰
 रानी
 (ग्रन्तरक)
 - 2. मेडिडेन्ट इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड, मद्रास (श्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, वड ग्रगरम, नेल्सन मानिक मवलियार रोड, ब्लाक सं० 11, टी०एस० सं० 10, ग्रार०एस० सं० 8/2 में तीन ग्राउण्ड ग्रीर 1275 स्कुयर फ़ीट की भूमि ।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-3-1976

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० X/12/9(जुलाई)/75-76-—यतः मुझे, जी० रामनायन ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 75-ए है, जो सिंगरायर कालनी नार्थ स्ट्रीट, बीविक्लिम मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पस्न सं० 2146/75) में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिक्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के घष्टीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- 1. श्री भार नुषु वीनायग सुत्रमनियम ग्रौर भ्रादि (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजरत्नसामि नाडार 67-बी०, तमिल संगम रोड मदुरे (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जंम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै , बीबीकुलम, सिंगरायर कालनी नार्थं स्ट्रीट डोर सं० 75-ए० (टी० एस० 873/2 श्रीर 1639/1) में 8.5 रेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, महास

तारीख: 2-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

निदेंश सं० X/1/110(जुलाई)/75-76---प्रतः, मुझे, जीं० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 47 है, जो लक्ष्णमीपुरम तेर्ड स्ट्रीट मदुरैं में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है) ,रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्न सं० 3220/75) में

भारतीय रजिस्द्रीकरणग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उपत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में, में, 'उपत ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत:—

- 1. श्रीमती एम० एम० एम० के० हमीद जहन बीगम नाचीयार श्रौर एम० एम० एम० के० जीनत ऊसीयस बीगम नाचीयार मन्डपम (श्रन्तरक)
 - 2. श्रीमती बी० चन्द्रा देवी, ईलयांगुडी (प्रन्तरिती)
 - एन्जीनियरीं एकुपमेंट (वह व्यक्ति , जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपहा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़वों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मदुरै लक्ष्मिमीपुरम तेर्ड स्ट्रीट मदुरं छोर सं० 47 (टी० एस०सं० 1286, 1287 भीर 1288) म 1680 स्कुयर फीट की भूमि भीर मकान (श्राक्षा भाग)।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 2-4-1976

प्ररूप आई • टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, **म**द्रास

मद्रास दिनांक 2 श्रप्रेल 1976

/1/111/(जुलाई)/75-76--यतः, मुझे निदेश सं० जी० रामनाथन भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रुपये से अधिक है सं० 47 है, जो लकशमी पुरम तेर्ड स्ट्रीट मदुरै में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मदुर (पन्न सं० 3221/75) में भातिय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रव 'उवत ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं 'उवत ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्रीमती एम० एम० एम० के० हमीद जहन बीगम नासीयार श्रीर एम० एम० एम० के० जीनत उन्नीसा बीगम नासीयार मन्डपम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० चन्द्रा देवी ईलैयागुंडी

(भ्रन्तरिती)

(3) इंजीनियरी एकुपमट (बह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुर, लकशमीपुरम तेर्ड स्ट्रीट, डोर सं० 47 (टी० एस० सं० 1286, 1287 श्रौर 1288) में 1680 स्कृपर फीट की भूमि श्रौर मकान (ग्राधाभाग)।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 2 ग्रप्रेंल 1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज चण्डीगढ़ चण्डीगढ़ दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/222/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं एस० सी० एफ० है तथा जो नं 11-12 सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजरट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से धुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उद्गत ग्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन, मिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) (i) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री नित्या नन्द,
 - (ii) श्रीमति विद्यावती विधवा स्वगवासी नित्या नन्द
 - (iii) श्री शिवराज पुत्न श्री नित्या नन्द
 - (iv) श्रीमती शोभा रानी पुन्नीश्री नित्यानन्द
 - (v) श्रीमती शान्ता रानी पुक्षी श्री नित्या नन्द
 - (vi) श्रीमती सर्वण लता पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार निवासी सुन्दर नगर 12-ए नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

- (2) (i) श्री गुरचरन सिंह पुत्न श्री हरनाम सिंह
 - (ii) श्रीमती गुरदयाल कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह निवासी गांव श्रौर डाकखाना बहरामपुर जमीदारी तहसील ग्रौर जिला रोपड
 - (iii) श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री हरचरन सिंह
 - (iv) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह निवासी गांव श्रीर डावखाना मोरा वाली तहसील गढणकर जिला होणियारपूर

(ग्रन्तरिती)

- -(3) (i) मैं० युनिवर्सल टाईप राइटर एस० सी० एफ० नं० 11-12, सैंक्टर 22-सी, चण्डीगढ़
- (ii) मैं० नऊ शाम प्रोविजन स्टोर, एस० सी० एफ० नं० 11-12, सैंक्टर 22-सी, चण्डीगंढ़

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रांश्वितयम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप-कम-फ्लैट नं० 11-12, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 12-3-1976

प्ररूप आई० टी• एन० एस०----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मिनि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़ दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० एल डी एच/सी/260/75-76—-ग्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज चण्डीगढ

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिस की सं० गुरदेव नगर फिरोजपुर रोड पर जायदाद नं० बी-XXI 1061/1 का 1/3 भाग है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्दरक (ग्रन्सरकों) घौर ग्रन्सरिती (ग्रन्सरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिय तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:— (1) श्री जसवंत सिंह पुर श्री शेर सिंह निवासी ललतों कलां, तहसील लुधियाना भ्राज कल कारा बारा, फिरोजपुर रोड़, लुधियाना

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री राजेन्द्र कुमार सयाल, पुत्न श्री मने हर क्षाल स्याल निवासी 135-एल, माडल टाऊन लुधियाना श्राज .कल 6-क्यूविक्स बुड ड्राईव लिवरपोल-25 (यू०के०) (ग्रन्तरिती)
- (3) (i) संत सिंह एण्ड क्रावर्स, (ii) सतगुर ट्रेड कम्पनी (iii) नेपानल प्रापर्टी डीलरज, (iv) जिले राम मोहन लाल, (v) जरनैल सिंह, (vi) दलीप सिंह एण्ड सन्स ग्रीर (vii) क्रज ग्रायल कम्पनी मार्फत बी-XXI/1061/1, गुरदेघ नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना (यह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिख्यत में किये जा सकेंगे।

स्थळ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुरदेव नगर, फिरोजपुर, रोड़ लुधियाना में संपत्ति नं बी-XXI/1061/1 का 1/3 भाग

(जै कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3118 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा हैं।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन रेंज, वण्डीगढ़

दिनांक: 23-3-1976

प्रस्प आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० एस एन डी/327/75 76/— श्रतः मुझ विवेक श्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 0100 कनाल 4 मरले भूमि है तथा जो गांव बडरुखा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति ना उदित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री देव प्रशाद, पुत्र श्री शिव प्रसाद द्वारा श्री कुंदन लाल पुरी, मुखत्यार ग्राम——निवासी गांव बडक्खां, तहसील ग्रौर जिला संगरूर

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सबराज स्पीनिंग मिल्ज लिमिटेड, द्वारा श्री जगदीश रारा, कम्पनी डायरैक्टर, मार्फत सिंगला निवास, शाही समाध, पटियाला 147001 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

100 कनाल 4 मरले भूमि जोकि गांव बडरुखां, तहसील भ्रौर जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1114 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 23 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. चण्डीगढ

अजग रज, यन्कानक 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ , दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० एल डी एच/सी/266/75-76—प्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल एरिया ए० गुप्ता रोड पर प्लाट नं० 4-बी है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बांजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) मैं कॉमन वैल्थ सिंपिनिंग एण्ड निर्टिग मिल्ज प्राईवेट लिमिटेड, लुधियाना

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश वन्ती विधवा श्री जगन नाथ कुंदरा बी-JI/1329, श्रार्सा मुहल्ला, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4-बी क्षेत्रफल 700 वर्ग गज जो मै० कॉमन वैत्य सिंपिनिंग एण्ड निर्टिंग मिल्ज से सम्बन्ध रखता है श्रीर श्रोसवाल रोड़ श्रयति गुप्ता रोड़ लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3192 जुलाई 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> िषवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 23 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० पीवाईएल/1511/75 76/-श्रतः मुझे विवेक

प्रकाश मिनोचा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि 34 बीघे, 18 बिसवे हैं तथा जो गांव वायोपुर, सब तहसील पायल में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पायल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

- प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम'. की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :--- (1) श्री सुच्वा सिंह, पुत्र श्री बधावा सिंह, गांव वायोपुर सब तहसील पायल, जिला लुधियाना

(श्रन्तरक)

(2) श्री हरनेक सिंह, पुत्र श्री मेहर सिंह, गांव ग्रौर डाकघर जर्ग, सब-तहसील पायल, जिला लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 38 बीघे, 18 बिस्ये जोकि गांय वायोपुर सब तहसील पायल जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 961, जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पायल के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 30 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०-

श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण)
श्रर्जन रोंज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगढ़, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० पी वाई एल/1512/75-76/--अतः मुझे, - सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) विवेक प्रकाश मिनोचा अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी संब्कृषि भूमि 34 विघा 19 विस्वे हैं तथा जो गांव वायोपूर, सब तहसील पायल में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऋौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पायल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त **धन्तरण** लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वावत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः स्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- (1) सुच्चा सिंह पुत्र श्री बधावा सिंह, गांव वायोपुर सब तहसील पायल, जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती धनकौर, पत्नी श्री मेहर सिंह, गांव श्रौर डाकघर जर्ग, सब तहसील पायल, जिला लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत श्रधिनयम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 34 बीघे, 19 बिस्वे जोकि गांव वायोपुर, सब तहसील पायल, जिला लुधियाना में स्थित हैं।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 997 जुलाई 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पायल के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

दिनांक : 30 मार्च 1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269(घ) (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-वी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० बी जी ग्रार/1205/75-76/—ग्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 123 कनाल भूमि है तथा जो गांव बीजोपुर, तहसील बल्बगढ़ जिला गुडगांवां में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्राप्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) (i) श्री बृज मोहन
 पुत्र श्री सदा नन्द
 (ii) श्री मनमोहन
 निवासी 130—गोरूफ लिन्क, न्यू दिल्ली
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० के० बहल, पुत्र डा० एम० एल० बहल निवासी एल-1/18, हाऊस खास इनकलेव, नई दिल्ली-16। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

123 कनाल भूमि जोकि गांव बीजूपुर तहसील बल्बगढ़, जिला गुड़गांवां में स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2059,जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बल्बगढ़ के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

दिनांक: 17 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैनटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० एल डी एच/सी/267/75-76--श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), प्राधिकारी 2.69-घ के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 4 कनाल 13 मरले भूमि है तथा जो गांव, तहसील भ्रौर जिला लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री परीतपाल सिंह, पुत्र श्री गंडा सिंह निवासी बी-9-36, चौक हीरा हलवाई, लुधियाना

(म्रन्तरक)

- (2) (i) श्री जगजीत राम, पुत्न श्री हकीकत राम निवासी इयाली कलां, डाकघर लुधियाना
 - (ii) श्री जतिन्द्र कुमार, पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र निवासी मण्डी बाग खजानचीयां लुधियाना
 - (iii) श्री राज कुमार, पुत्र श्री जतिन्द्र कुमार निवासी गांव लसोई, जिला संगरूर
 - (iv) श्री कैलाश चन्द, पुत्र श्री मेला राम निवासी गांव नकोदर, जिला जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कनाल 13 मरले भूमि जोकि गांव सालिम ताबड़ी तहसील श्रीर जिला लुधियाना में स्थित हैं।

खेवट नं० 45/483 जमाबन्दी 1971-72

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3195 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं०पी-टी-ए-/637/75-76/--श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12 कनाल 13 मरले भूमि है तथा जो गांव क्षिल, शहसील ग्रीर जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य से उद्दत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:- (1) श्री हरदयाल सिंह, पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी गांव झिल, तहसील पटियाला

(भ्रन्तरक)

(2) (i) श्री राजेन्द्र कुमार q_{gg} श्री राज किशन (ii) श्री बरजिन्द्र कुमार q_{gg} श्री राज किशन नियासी श्रजीत नगर पटियाला

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 कनाल 13 मरले भूमि जोकि गांव झिल, तहसील म्रौर जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख सं० 1816 जुलाई 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17-3-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

शायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा269-प (1) के श्रधीन सूचनाभारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9--बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० पी टी ए/638/75-76---- प्रतः मुझे निनेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- य के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है श्रोर जिसकी सं० 12 कनाल 9 मरले भूमि है तथा जो गांव झिल, तहसील ग्रीर जिला, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक

जुलाई 1975 **को पूर्वोक्त सम्पत्ति**

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः प्रव उक्त प्रिविनयम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रिविनयम की घारा 269-घ की उपधारा (1)के प्रधीन निम्निजितित व्यक्तियों, प्रथीत :— (1) श्री हरणाल सिंह, पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी गांव झिल, तहसील श्रीर जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रुपिन्द्र सागर, पुत्र श्री शाम लाल निवासी श्रजीत नगर पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 कनाल 9 मरले भूमि जोिक गांव झिल, तह्सील श्रौर जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1815, जुलाई 1975 में राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी पांटयाला के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17 मार्च 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीम सूचना

भारत सेरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैंक्टर9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० एस भ्रार डी/592/75-76--श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त भ्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि बिल्डिंग है तथा जो बसी पठाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:---- 12—36GI/76

(1) श्री सुशील कुमार सैकेटरी कसतूरवा सेवा मन्दिर राजपुरा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० यूनीवर्सल ट्रेड लिंकस बसी पठाना द्वाराश्री लाल सिंह, हिस्सेदार ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैं० गोपाला चावल मितलज बसी पठाना (वह ज्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

24 कनाल 1 मरला भूमि के साथ एक बिल्डिंग जोिक बसी पठाना में स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीग्रंस के विलेख नं० 1588 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सरहिन्द के कार्यालय में लिखा है ।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17 मा**र्च** 1976

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-की चण्डीगढ़, दिनोक 17 मार्च 1976

निदेश सं० सीएचडी/231/75·76/——श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संश्र अनैक्सी नंश 338 सैक्टर 21जी (क्षेत्रफल 1000.30 वर्ग गज) है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उकत श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (खा) ऐसी विसी भाय या किसी धन या धन्य झास्तियों कां, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त झिंचिनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती कमला रानी, पत्नी श्री श्रमृत लाल सेठ, निवासी मकान तं० 3116, सैक्टर 24-डी, चण्डीगढ

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विलोक गिंह सन्ध्, पुत श्री करतार गिंह निवासी श्रार० के० (मणन के सामने, भुवनेश्वर 1 (उड़ीसा)

(भ्रन्तरिती)

- (3) (i) श्री श्रार० एन० जोशी एण्ड श्रदर्ज
 - (ii) श्री कें के के झलका
 - (iii) श्री कृष्णपाल

निवासी श्रनैवःसी नं० 338, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सभ्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्तिद्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

हपडटीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रध्याय 20-क में यथायरिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विथा गया है ।

अमुसूची

श्रनैकसी नं० 338, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ (क्षेत्रफल 1000.30 वर्ग गज)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 510 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1**7-**3-1976

मोहर ।

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

> 156, सैक्टर 9-की चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० की जी श्रार/1204/75-76/— ग्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 90 कनाल 14 मरले भूमि है तथा जो गांव बीजूपुर, तहसील बल्लबगढ़, जिला गुडगांवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावज अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त 'घधि-नियम' के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, 'उन्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) (i) श्री वृज मोहन, } पूज श्री सदा नन्द (ii) श्री मन मोहन निवासी 130 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती सुदेश बहल पत्नी श्री आर० के० बहल निवासी एल'०-1/18, हाऊज खाम इनकलेव नई दिल्ली-16

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो 'जक्त श्रक्षिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

90 कनाल 14 मरले भूमि जोकि गांव बीजूपुर, तहसील बल्लबगढ़ जिला गुडुगांवां में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2056 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

दिनांक: 17-3-1976

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस० ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9—बी चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० सी एच डी/452/75-76/—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रशीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्यासि, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- ए० से श्रीक्षिक है

श्रोर जिस की संब्द्याट नंव 72 (नया नंव 1102) गली 'ई' सैक्टर 8-सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रोर इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त

- सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण किखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:→
 - (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर
 - (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, कीधारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्

- (1) श्री संतोख सिंह गोधोके, पुत्न श्री भगत सिंह गोधोके निवासी 1214, फरगुसन कालेज रोड़, पूना। (ग्रन्तरक)
- (2) (i) श्रीमती प्रेम कौर, पत्नी स्वर्गीय श्री सुर्जन सिंह (ii) श्री ग्रमरजीत सिंह, पुस्न स्वर्गीय श्री ग्रर्जुन सिंह निवासी मकान नं० 1066, सैंक्टर 8-सी, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा∙ परिभाषित हैं. वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्राप्याय में दिया गया है।

् बनुसूची ऐ

्प्लाट नं० 72 (नया नं० 1102) गली 'ई' सैक्टर 8—सी, चण्डीगढ़

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 680 ग्रगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० एल डी एच/सी/1689/75-76/——श्रत: मझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, चण्डीगढ

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड़ पर सम्पत्ति नं० 1061/1 का 1/3 भाग है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रौर प्रन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर प्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रतः ग्रंब उनत मधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों. प्रथात्:--- (1) श्री जसवंत सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, निवासी ललतों कलां, तहसील लुधियाना आजकल कृष्ण नगर, लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कुमारी सयाल, पत्नी श्री राजिन्द्र कुमार सयाल, निवासी 135-एल, माडल टाऊन लुधियाना भाजकल 6-क्यूविक्त वुड ड्राईव, लिवर पोल-25 (यू० के०)

(भ्रन्तरिती)

(3) (i) संत सिंह एण्ड श्रदर्ज, (ii) सतगुर ट्रेंड कम्पनी (iii) नेशनल प्रापर्टी डीलर्ज, (iv) जिले राम मोहन लाल (v) जरनैल सिंह, (vi) दलीप सिंह एण्ड सन्ज (vii) श्रज श्राईल कम्पनी मार्फत बी—XX/1061/1, गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड पर सम्पत्ति नं० बी- $\mathbf{X}\mathbf{X}/1061/1$ का 1/3 भाग

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6465 दिसम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

दिनांक : 23-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगड़, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० सी एच डी/332/76-76/—-श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम मिनियमों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट निं 87 पर बनी विल्डिंग ग्रीर फैक्ट्री ग्रीड ग्रीर प्लाट नं 86 जिस पर कुछ नहीं बना है तथा जो इण्डिस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रगस्त 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रग्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर श्रन्तरक (श्रम्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम' के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उकत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उस्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथित:— (1) मैं० ग्रार० डी० मिनोचा एण्ड सन्जा, मकान नं० 154, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रम्तरक)

(2) मैं ० दाता राम भ्रोम प्रकाश, श्रग्नवाल भवन, सरकुलर रोड, भ्रम्बाला शहर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में हितब स किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के घट्टयाय 2 0-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

86-87 इण्डस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़ में विल्डिंग श्रीर फैक्ट्री शैड जो कि प्लाट नं० 87 क्षेत्रफल 1477.1 वर्ग गज पर बने हैं श्रीर प्लाट नं० 86 क्षेत्रफल 1477.1 वर्ग गज जिस पर कुछ भी नहीं बना हुआ है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 585 श्रगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, चण्डीगढ

दिनांक: 30-3-1976

मोहरः

प्ररूप ब्राई०टी०एन०एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, संक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 म(र्च 1976

निदेण सं० बीजीग्रार/1259/75-76---श्रतः मुझो, विवेश प्रकाण भिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज चण्डीगढ

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिस की संव फैक्ट्री भूमि 311 वर्ग गज 910 वर्ग गज में से हैं तथा जो 11/7 मील पत्थर दिल्ली मथुरा रोड़ फरीदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधानः---

- (1) श्री प्रहलाद सिंह, पुत्र श्री तुलसी राम (निवासी गांव ग्राडग पुर तहसील बल्बगढ़ जिला गुड़गांवां) 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद गुप्ता पुत्र श्री श्री०पी० गुप्ता निवासी ई-165, ग्रेटर कैशाण, नं० 2 नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्ज हनुमान वूलन मिल्ज, 11/7 मील पत्थर, मथुरा रोष्ड, फरीदाबाद (वह व्यक्ति जिसके श्रधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री भूमि 311 वर्ग गज 910 वर्ग गज में से जोकि 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड फरीवाबाव, तहसील बल्बगढ़ जिला गृड्गांवां में स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2219 श्रगस्त 1975 में रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी बल्बगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

विनांकः: 17 मार्च 1976

प्ररूप आई० दी० एम० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** धारा 269-**घ** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगड़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मार्च 1976

निदेश सं० बी जी आर/1258/75-76 — अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज चण्डीगढ आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रीर जिस की सं० फैक्ट्री की जमीन 599 वर्ग गज (910 वर्ग गज में से) है तथा जो 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री प्रहलाद सिंह, पुत्र श्री तुलसी राम (निवासी गांव श्राडगपुर, तहसील बल्बगढ़ जिला गुड़गांवा) 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद। (ग्रान्तरक)
- (2) श्री भ्रो० पी० गुप्ता, पुत्र श्री चन्दु लाल निवासी ई-165, ग्रटर कैलाण नं० 2 नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)
- (3) मैसर्ज हनुमान बूलन मिल्स, 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद (बह व्यक्ति जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो 'जक्त अग्निनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री भूमि 599 वर्ग गज (910 वर्ग गज में से) जोकि 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद, तहसील बल्बगढ़ जिला गुड़गांवां में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2218, श्रगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बल्बगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 17 मार्च 1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०—

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मार्च 1976

निवेश सं० जे जी धार/1144/75-76/---ध्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज चण्डीगढ

द्यायकर ब्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की सं० 27 कनाल 10 मरले भूमि है तथा जो गांव अगवार गुजरा, तहसील जगराओं में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है,), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन, कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और 'या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः भव उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, मर्थात्:— 13---36GI/75 (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, निवासी गांव श्रगवार गुजरा तहसील जगराश्रों।

(ग्रन्तरक)

(2) (i) श्रीमती दलीपं कौर विधवा श्री तलीक सिंह

(ii) श्रीमती प्रमजीत कौर) } पुत्नीयां तलोक सिंह

(iii) श्रीमती सर्नेजीत कौर ∫ निवासी ग्रगथार गुजरां तहसील जगराग्रीं ।

गराभ्राः। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उत्सत ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

27 कनाल 10 मरले भूमि जोकि गांव श्रगवार गुजरां, तहसील जगराश्रों में स्थित है।

खाता नं० 1208/1279, किला नं० 149

1/2 2/2 -108 6-18 60

नं० 9 हिस्सा 57/80 उत्तर की श्रोर—जमाबन्दी साल 1969-70 5-14

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2992 श्रगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जगराश्रों के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

विनांक 18 मार्च 1976 मोहर: प्रारूप आई० टी० एम० एस०----

आयकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, स**ैक्ट**र, 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 22 मार्च 1976

निदेश सं० एच एस आर/879/75-76--अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगत

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भश्रिक है

ग्रीर जित की सं० प्लाट नं० 274 के साथ एक कमरा भीर चारदिवारी है तथा जो माडल टाऊन हिसार में स्थित है (ग्रीर इत उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रिपर्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण **है कि यद्यापूर्वोक्त स**म्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अनुसर्ग लिखिस में वास्तविक रूप से कयित नहीं किया गया है :—

- (म) अन्तरण रो हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी फिसी जाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थं जन्सरितीः द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, िपाने में सुविधा के लिए;

ग्रप्तः अब उक्तः ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उन्त प्रधिनियम की धारा 269- की रपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचाित:-

- (1) श्रीमती सनेह लता पत्नी श्री महेश चन्द्र सनेह भवन, लाईब्रेरी के पीछे. माडल टाऊन हिसार (भ्रन्तरक)
- (2) (i) श्रीप्रकाश चन्द्र,पुत्रश्रीमथुरा दास,
 - (ii) श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री जयदेव कुमार,
 - (iii) श्रीमती गिन्दोड़ो देवी, पत्नी श्री गुरदयाल मल
 - (iv) श्रीमती राम दलारी, विधवा श्री हरीमाधी निवासी 157-एन माडल टाउन हिसार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उश्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी **व** से 45 दिन की अवधि या रात्संबंधी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अथिष, जो भी अथिष बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वेटत अपक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 274 के साथ एक कमरा और चार दिवारी जोकि माडल टाऊन हिसार में रिथत है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1488, अगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हिसार के वार्यालय से लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. चण्डीगढ

विनोक 22-3-1976 मोहर:

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सँक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० एल डी एच/सी/1690/75-76—श्रत: मुझे विवेक प्रकाश मिनोना, सह।यक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर ग्राधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत भ्रिधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भ्रिधिक है

और जिस की संव गुरदेव नगर फिरोजपुर रोड पर सम्पत्ति नव 1061/1 का 1/3 भाग है तथा जो लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजर्ड् वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रगस्त 1975 को पूर्वीकत

सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अय पत्था गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिभिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः चंद उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपत् (1) श्री जसवंत सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह निवासी ललतो कलां, तहसील लुधियाना श्राज कल बी-xx /1061/1 गुरदेव नगर फिरोजपुर रोड़, लुधियाना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजिम्द्रकुमार सयाल, पुत श्री मनोहरलाल सयाल निवासी 135-4, माडल टाऊन, लुधियाना ग्राज कल 6-कयुविक्स बुड ड्राईव, लिवरपोल-25 (यू० के०)

(श्रन्तरिती)

(3) (i) संत सिंह एण्ड बद्रसं, (ii) सतगुर ट्रेड कम्पनी (iii) नेशनल प्रापर्टी डीलर्ज (iv) जिले राम मोहन लाल (v) जरनैल सिंह, (vi) दलीप सिंह एण्ड सन्ज, श्रौर (vii) अज श्रायल कम्पनी मार्फत बी-xx/1061/1, गुरदेब नगर फिरोजपुर रोड, लुधियाना (वह ज्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्थ स्थावत द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जी उक्त प्रधिनियम, के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूचो

गुरदेश नगर फिरोजपुर रोड लुधियाना में सम्पति नं ० वि-xx 1061/1 का 1/3 भाग

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4216 ग्रगस्त 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा हैं।

> विवेक प्रकाश गिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 23 मार्च 1976 मोहरः प्रकप भाई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 30 मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींत :— (1) श्री सर्वजीत सिंह, पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी मकान नं । 1708 सैंक्टर 22-की, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

(2) (i) श्री हरबन्स लाल, पुत्र श्री जीवन सिंह (ii) श्री ज्ञान चन्द, निवासी मकान नं 110, सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उम्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ में प्लाट नं० 61, क्षेत्रफल 999. 6 वर्ग गज श्रीर उसमें एक मंजिल इमारत।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेखनं० 723, सितम्बर 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगक्क

दिनांक 30 **मार्च** 1976 । मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 4 मार्च 1976

निवश सं० राज० सहा० ग्रा० ग्रर्जन/317--यतः मुझे, सी० एस० जैन,

भायकर श्रिश्चिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिस की संक कार्नर हाउस है तथा जो चर्च रोड, जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 18 जुलाई 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है
ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है और धन्तरक
(श्रन्तरकों)ग्रीर धन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उनत मिध-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, में उक्त श्रधिनियम, की घारा 269 थ को उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— (1) श्री ध्रुबोताथ पुत्र स्व० श्री खिलिन्द्र नाथ सेत स्वयं के लिए एवं कर्ता अविभाजित हिन्दु परिवार एवं श्रीमती चिन्मोथा देवी विधवा श्री खिलिन्द्र ाथ सेत निवासी कानेन हाउस, चर्च रोड (अजमेर रोड़ के पास) जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी बोहरा पित श्री रिखब चन्द बोहरा (2) श्रीमती सोभाग कुमारी पत्नी श्री चांदमल बोहरा (3) श्री तारा चन्द बोहरा एवं (4) श्री रामचन्द बोहरा पुतान श्री रिखबचन्द बोहरा, निवासी प्लाटनं० 125, होस्पिटल रोड़, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारीख से
 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर्च रोड एवं प्रजमेर रोड के जंक्शन पर स्थित 'कार्नर हाउस' नामक मकान के पश्चिमी कोने का उत्तरी हिस्सा प्रन्तरित क्षेत्र 374.82 वर्ग गज । प्रधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2464 दिनांक 18 जुलाई 1975 को पंजीबद्ध विक्रयपद्ध में विवरणित हैं।

> सी० एस० जैन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-3-1976

मोहरः

प्रकृप माई०टी०एन०एस०--

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, मद्रास दिनांक 15 श्रप्रैल, 1976

निवेश स० X/12/10 (जुलाई)/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० 31 है, जो अन्ना नगर, मवर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम, (पत्न सं० 2227/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त मधि-नियम', के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में मुविधा के लिए।

भतः श्रव 'उक्त श्रविनियम' की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रविनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयत्:—

- (1) श्री म्रार॰ पूरनचन्द्र राव भौर म्राबी । (म्रन्तरक)
- (2) श्री एस० पी० संकर्रालगम, मदुरै । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वढ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत अक्षिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, नहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरै-20, बन्ता नगर प्लाट सं० 31 (ब्रार० एस० 44/3ए० भीर 45/8) में 4740 स्कुथर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारी**च**ः 15 श्र**प्रै**ल, 1976 ।

मोहरः

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th March 1976

Subject :-- SUMMER VACATION--- 1976

No. I. 44/76-SCA(G).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, the 10th May, 1976 to Sunday, the 18th July, 1976 (both days inclusive) and will re-open on Monday, the 19th July, 1976.

Under Rule 6, of Order II of the aforesaid Rules, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint the Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati and the Hon'ble Mr. Justice A. C. Gupta to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the periods shown against their names below:—

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati from 10th May to 13th June 1976 (both days inclusive)

The Houble Mr. Justice A. C. Gupta from 14th June to 18th July 1976 (both days inclusive)

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati will sit in the Court on Tuesday, the 25th May and 8th June '76 and the Hon'ble Mr. Justice A. C. Gupta, on 22nd June and 6th July, 1976. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will however, remain open on Saturday, the 17th July, 1976 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No plaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plaints, appeals, petitions and other documents from 12th July, 1976 onwards during office hours.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th January 1976

No. A. 32014/1/74-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission, has been pleased to allow S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram permanent Personal Assistants (Grade II of CSSS) cadre of UPSC, who were appointed to officiate as Senior Personal Assistants upto 31st December 1975 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even number dated the 7th July, 1975, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period of two months w.e.f. 1st January 1976 to 29th February 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The 9th March 1976

No. P/1837-Admn. I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University who was earlier appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 29th February 1976 vide this office Notification of even number dated 18th September 1975 has been allowed to continue in the said post upto 31st May, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

The 27th March 1976

No. P-1763/Admn. II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 10th February 1976, Shri G. B. Mathur, a permanent Assistant of the CSS cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of one month

with effect from 1st March 1976 OR until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 25th March 1976

No. P-136/Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, is pleased to revert S/Shri B. S. Kapur, B. N. Arora and K. L. Katyal, who were officiating as Section Officer (Special), on ad hoc basis, in the Commission's Office, to the post of Section Officers in the CSS cadre of Union Public Service Commission w.e.f. foreneon of 1st March 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary (Admn.), for Secretary Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th January 1976

No. A. 32014/1/75-Admn. L.—The President is pleased to allow Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant for a period from 1st December 1975 to 15th January 1976 on a purely temporary and ad hoc basis vide Notification of even number dated 11th December 1975, to officiate in the same capacity in the same cadre on a purely temporary and ad hoc basis for a further period from 16th January 1976 to 29th February 1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri S. P. Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

The 19th March 1976

No. A. 32014/1/76-Admn. III(I).—The President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 8th March 1976 to 22nd April 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/76-Admn. III(2).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17th March 1976 to 1st May 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The 24th March 1976

No. A. 32014/1/76-Admn, JII(1).—In continuation of this office notification No. A. 32014/1/75-Admn. III dated 12th January 1976, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 1st March 1976 to 15th April 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/76-Admn. III(2).—In continuation of this office notification No. A. 32014/1/75-Admn. III dated 12th January 1976, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of one month from 1st March 1976 to 31st March 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The 26th March 1976

No. A. 12025(ii)/1/75-Admn, III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F. 5/26/75-CS(I) dated 21st October 1975, the President is pleased to appoint Shri H. R. Rishiraj a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission (at present on deputation to the ex-cadre post of Section Officer (Special) in the office of U.P.S.C.) to officiate in the Section Officers' Grade of the Service in the same cadre w.e.f. 1st March 1976, until further orders.

- 2. Shri H. R. Rishiraj will however, continue to hold, until further orders, the ex-cadre post of Section Officer (Special) in the office of Union Public Service Commission in accordance with the U.P.S.C. Notification No. A. 12019/5/74-Admn, II dated 2nd March 1976.
- 3. The continued appointment of Shri H, R. Rishiraj in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission will, however, be subject to review in the light of allocation of officers from the Examination category and further reorganisation of this office.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, (Incharge of Administration), Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th January 1976

No. A. 32014/1/74-Admn, I.—The President is pleased to allow Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade II of Central Secretariat Stenographers' Service) of the cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant for a period from 6th December 1975 to 20th January 1976 on a purely temporary and ad hoc basis vide Notification of even number dated 22nd December 1975, to continue to officiate in the same capacity in the same cadre on a purely temporary and ad hoc basis for a further period from 21st January 1976 to 29th February 1976 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri P. P. Sikka should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

No. A. 32014/1/75-Admn. I—The President is pleased to allow Shri M. C. Khurana, officiating Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS) on a temporary and ad hoc basis upto 15th January 1976 vide Notification of even number dated 11th December 1975, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period from 16th January 1976 to 29th February 1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM, REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th March 1976

No. PF T-8/72-AD-V.—In supersession of this office notification of even number dated 6th March 1976, The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri T. R. Sriramulu, Inspector of Police of Tamil Nadu State Police as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment on deputation with effect from the forenoon of 21st February 1976 until further orders.

No. S-150/66-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. J. K. David, a deputationist Inspector of Andhra Pradesh State Police as Deputation, Special Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 15th March 1976 until further orders.

No. A-19021/2/76-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri R. Rajagopalan, (IPS-Tamil Nadu) as Supdt, of Police in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th February 1976, until further orders.

The 20th March 1976

No. D-3/65-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Des Raj (non-IPS), an officer of Haryana State Police as SuperIntendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21st February 1976, until further orders.

The 23rd March 1976

No. K-10/73-AD-V.—On his repatriation to Andhra Pradesh State Police, Shri K. Satyanarayana, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, FS.I, New Delhi relinquished charge of the office of the Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation on 4th March 1976 (AN).

No. K-59/65-AD-V.—The President is pleased to Appoint Shri K. A. Rajagopalan, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation on deputation from Tamil Nadu Police Department as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21st February 1976, until further orders.

The 30th March 1976

No. PF/S-204/70-AD-I.—Shri S. K. Gupta, an officer of Calcutta Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Calcutta on the forenoon of 3rd March, 1976 on repatriation to the Calcutta Police Headquarters.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E), C.B.I,

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 23rd March 1976

No. O-II-950/73-Estt.—Consequent on the expiry of the tenure of his ad-hoc appointment the services of Dr. Dinanath Das, J.M.O., 35th Bn., CRPF stand terminated w.e.f. the Afternoon of 10th October 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 18th March 1976

No. E-38013(2)/1/76-Ad. I.—On transfer to Ranchi, Shri Lachhman Dass, 1PS (Haryana—1962) relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, MAMC. Durgapur with effect from the Afternoon of 18th February, 1976.

No. E-38013(2)/1/76-Ad. I.—On transfer from Durgapur, Shri Lachhman Dass. IPS, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, HEC, Ranchi with effect from the Forenoon of 23rd February 1976.

The 19th March 1976

No. E-38013(2)/14/75-Ad, L—On transfer from Visakhapatnam. Lt. Col. T. K. George, assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, F.A.C.T. (Udyogmandal) with effect from the Forenoon of 28th February 1976,

The 20th March 1976

No. E-32015/12/2/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Col. B. C. Paul as Principal, CISF Trg. College, Hyderabad w.e.f. the forenoon of 1st March, 1976, until further orders.

Col. B. C. Paul has assumed the charge of the post with effect from the same date while in camp at New Delhi.

No. E-38013(3)/1/76-Ad. I.—On transfer from Dewas, Shri K. A. Belliappa assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Mormugao Port Trust, Mormugao with effect from the Forenoon of 1st February 1976 vice Shrl J. Gomes who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/76-Ad. I.—On transfer from Mormugao Post, Shri J. Gomes assumed the charge of the post of Vice Principal, CISF Training College, Hyderabad with effect from the Forenoon of 8th February 1976.

No. E-38013(3)/1/76-Ad. 1.—On transfer from Korba Shri S. K. Verma assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the Forenoon of 10th February 1976.

No. F-38013(3)/1/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Inspector, P. P. Sahajpal to officiate as Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, BAL Co. Korba, with effect from the Forenoon of 2nd February 1976, until further orders and he assumed the charge of the above post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Inspector, P. C. Gupta, to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Forenoon of 23rd February 1976 until further orders and he assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/76-Ad. I.—On transfer to Rourkela, Shri S. K. Verma, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, BAL Co. Korba, relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 2nd February 1976.

The 25th March 1976

No. E-38013(3)/3/76-Ad. I.—On transfer from Kanpur. Shri Harinderpal Singh assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Lt., Bokaro Steel City with effect from the Afternoon of 1st March 1976.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 20th March 1976

No. P/T(1)-Ad.I.—Shri S. D. Tyagi, Senior Geographer, is promoted on ad hoc basis as Research Officer (Map) for the period 16-2-1976 to 15-5-1976 in the vacancy caused by the promotion of Dr. R. R. Tripathi as Map Officer.

No. 6/6/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Bhatia, a CSS Grade J Select List Officer, 1974 as Administrative Officer in the office of the Registrar General, India, with effect from the forenoon of 12 March 1976, until further orders.

The headquarter of Shri J. S. Bhatia is fixed at New Delhi,

The 26th March 1976

No. 10/6/75-RG(Ad.I).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the ad hoc appointment Shri S. N. Chaturvedi in the post of Deputy Director (Data Processing) in the office of the Registrar General. India for a further period of three months with effect from 17th February 1976 or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarter of Shri Chaturvedi continues to be at New Delhi.

No. 10/6/75-RG(Ad.I).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the ad hoc appointment of Shri K. R. Unni in the post of Deputy Director (Programme) in the office of the Registrar General. India, for a further period of three months with effect from 17th February 1976, or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarter of Shri Unni continues to be at New Delhi.

The 29th March 1976

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri N. Rama Rao, Assistant Director of Census Opera-14—36GI/76

tions (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu and Pondicherry as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 11 March, 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

The headquarter of Shri Rama Rao is at Bombay.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad, the 22nd March 1976

No. Estt.(A)GO/2(169)5036.—The Accountant General Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri T. Suryanarayanan permanent members of the subordinate Accounts Service, to officiate as Accounts Officer in the office of the Additional Accountant General, Gujarat, Rajkot with effect from 28th February 1976 FN until further orders.

K. H. CHHAYA.

Deputy Accountant General (Admn.)

Office of the Accountant General, Gujarat

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE, WORKS AND MISCELLANEOUS

New Delhi, the 26th March 1976

No. Admn.I/2(4)/V/13223-29.—The Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, New Delhi has been pleased to promote on temporary and provisional basis Shri R. K. Mathur, Permanent Section Officer as an Accounts Officer in the office of the Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, New Delhi with effect from 19-3-1976 (FN) until further orders.

B. B. DEB ROY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Commerce Works & Msc.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 23rd March 1976

No. Admn/33-2A/75/6560.—Shri Ramendra Narayan Tapaswi, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as an Audit Officer in that office from the forenoon of 12th January 1976 until further orders.

H. S. SAMUEI., Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 30th March 1976

No. Au/Admn./II/5/1737.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad, has appointed Shri D. Satyanarayana Murthy, a permanent member of the subordinate Railway Audit Service to officiate as Audit Officer, South Central Railway with effect from 8-3-1976 F.N. until further orders.

D. N. PRASAD, Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th March 1976

No. 86016(13)/75/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chowdhurie an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) with effect from 28-2-76 (FN), until further orders.

S. K. SUNDARAM,

Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 16th February 1976

No. 16/76/G.—The President is pleased to appoint the under-3 mentioned officers as Offig. Asstt. Manager/Technical Staff Officer with effect from the date shown against each, until further orders:—

irther orders :			
(1) Shri J. S. Sidhu, Permt, Foreman	•		24th Nov., 1975.
(2) Shri B. M. G. Singh Permt. Foreman	•		24th Nov., 1975.
(3) Shri D. R. Kalota, Permt. Foreman	-		24th Nov., 1975.
(4) Shri S. N. Deodhar Permt, Foreman			24th Nov., 1975.
(5) Shri K. R. G. Nair, Permt, Foreman			24th Nov., 1975.
(6) Shri A. L. B. Choudhur Permt, Foreman	у.	•	24th Nov., 1975.
(7) Shri L. R. Paul, Permt. Foreman	•	•	24th Nov., 1975.
(8) Shri S. C. Verma, Permt. Foreman			24th Nov., 1975.
(9) Shri B. V. Ghamande, Permt. Store-Holder	•		24th Nov., 1975.
(10) Shri Miskeen Hussain, Permt. Foreman			24th Nov., 1975
(11) Shri A. S. Ahluwalia, Permt. Foreman	•	•	24th Nov., 1975

The 26th March 1976

No. 25/76/G.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri T. K. Chattopadhyay, Ty. Deputy Manager with effect from 10th October 1975 (AN).

M. P. R. PILLAI, Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd March 1976 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (Establishment)

No. 6/1121/76-Admn(G)/1994.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Chakrabarti, an Officer of the I.A.A.S. and Dy. Chief Auditor in the Office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta as Officer on Special Duty in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of 9-3-1976.

The 24th March 1976

No. 6/416/56-Admn(G)/2039.—The President is pleased to appoint Shri Robert Bara, Controller in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, with effect from the forenoon of 28-2-1976, until further orders.

P. K. KAUL, Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 20th March 1976

No. CLB 1/1/6G/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioners Notification No. CLB 1/1/6G/71 dated the 13th January 1972 namely:—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 20(ii) in column No. 2, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Joint Director"

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS DEPARTMENT OF SUPPLY

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 11th March 1976

No. A-1/1(252).—Shri S. K. Ganguly, permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 15th March 1976

No. A-1/1(1045).—On their reversion to the post of Junior Progress Officer, S/Shri Ram Kishan and Balbir Singh, officiating Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi relinquished charge of their posts on the forenoon of 1st March 1976.

The 19th March 1976

No. A-1/1(822).—Shri C. A. Pattabhiraman permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 20th March 1976

No. A-1/1(1020),—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri V. K. Sankaralingam, permanent Superintendent and officiating Asstt. Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Asstt. Director (Adm.) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras with effect from the forenoon of 1st March 1976.

2. Shri Sankralingam will be on probation for one year with effect from 1st March 1976 (F.N.).

The 22nd March 1976

No. A-1/1(1036).—Shri V. Dadel, Superintendent (Supervisory Level II) and officiating as Assistant Director Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras retired from Government service on the afternoon of 29th February 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. I., KOHLI,

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

(Administration Branch A-6)

New Delhi, the 19th March 1976

No. A-17011/97/76A-6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Sen, Examiner of Stores (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Directorate General of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 12th February 1976 until further orders.

SURYA PRAKASH,

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd March 1976

No. A-19011(185)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri C. N. Vasanth to the post of Assistant Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th February 1976, until further orders.

The 30th March 1976

No. A-19011(175)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Basu, to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd March 1976 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 3rd March 1976

No. 2181(MCB)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in temporary capacity with effect from the dates shown against each, until further orders.

- 1. Smt. Alpana Mandal--30-1-1976.
- 2. Shri Manindra Chandra Barai-30-1-1976.

The 6th March 1976

No. 2181(NCC)/19B.—Dr. N. C. Choudhuri, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released on resignation from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 25-11-1974 for joining his new appointment as Chemical Examiner Grade-II in the Central Revenues Chemical Service, Class-I.

No. 2251(AKR)/19B.—Shri Ajit Kumar Roy received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the foreneon of the 16th January 1976.

The 26th March 1976

No. 50/66(SKB)/19B.—The undermentioned officials have received charge of the posts of Shift Boss in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the date noted against each:—

- 1. Shri S. K. Biswas--16-1-1976 (FN),
- 2. Shri B. K. Prasad—16-1-1976 (FN).

V. K. S VARADAN, Director General

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 23rd March 1976

No. C-5054/718-A.—The post of Budget and Accounts Officer, Surveyor General's Office, Survey of India, Dehra Dun is hereby redesignated as Establishment and Accounts Officer with immediate effect. Consequently Shri A. K. Das Sharma who was appointed to officiate as Budget and Accounts Officer Surveyor General's Office on transfer basis vide this office Notification No. C-4811/718-B dated 14-2-74 as amended vide Notification No. C-4882/718-B dated 2-8-74 is, hereby, redesignated as Establishment and Accounts Officer, Surveyor General's Office.

No. C-5055/718-A.—The post of Registrar, Surveyor General's Office, Survey of India, Dehra Dun is hereby redesignated as Establishment & Accounts Officer with immediate effect.

Consequently Shri R. N. Sharma, appointed to officiate as Registrar, Surveyor General's Office, Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis vide this office Notification No. C-5044/718-A, dated 9-2-76, is, hereby, redesignated as Establishment and Accounts Officer, Surveyor General's Office, Shri R. N. Sharma will hold the post of Establishment and Accounts Officer on ad-hoc basis till further orders.

No. 5056/718-A.—The post of Registrar, Surveyor General's Office, Survey of India, Dehra Dun, which has been temporarily transferred to Northern Circle Office, Survey of India, Dhera Dun is, hereby, redesignated as Establishment & Accounts Officer with immediate effect, Consequently Shri M. P. Jain, appointed to officiate as Registrar vide this office Notification No. C-4724/718-A dated 27-9-1973 is redesignated as Establishment and Accounts Officer, Northern Circle Office, Survey of India, Dehra Dun.

HARI NARAIN, Surveyor General of India (Appointing Authority)

Dehra Dun, the 23rd March 1976

No. E1-5057/PF(A. K. Gangopadhyay).—The resignation of his appointment tendered by Shri Arup Kumar Gangopadhyay, Officer Surveyor, No. 15 Party (CST&MP), Survey of India, Hyderabad is accepted with effect from the afternoon of 30th September 1972.

HARI NARAIN Surveyor General of India

Dehra Dun, the 30th March 1976

No. E1-5058/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri P. N. Trivedi, Officer Surveyor of No. 1 Drawing Office (Map Publication), Survey of India, Dehra Dun, from the Government Service on superannuation with effect from 31st May 1975 (AN).

D. P. GUPTA, Major Engrs. Assistant Surveyor General.

DIRECTORATE GENERAL OF ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th March 1976

No. 4/97/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Grace Kujur as Programme Executive, All India Radio, Bhagalpur in a temporary capacity with effect from the 16th February 1976 and until further orders.

The 25th March 1976

No. 15/8/75-Vig.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Yogendra Bisanji Gharde, Health Educator, Regional Health Office, Gultekadi, Poona, as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Nagpur in a temporary capacity w.e.f. 8-3-76 (FN) until further orders.

The 26th March 1976

No. 15/9/75-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Madali Arunachalam, Health Education Officer, Central Health Education Bureau, New Delhi as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Hyderabad in a temporary Capacity w.e.f. 1-3-1976 (forenoon) until further orders.

The 29th March 1976

No. 15/7/75-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shrimati Gracy Thomas, Health Educator, Central Family Planning, Field Unit, Madras as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 9-3-1976 (A.N.) until further orders

No. 4(86)/75-SI.—Shri Mohd, Shere Islam, a temporary Programme Executive, All India Radio, Ranchi resigned from Government service with effect from the afternoon of the 10th March 1976.

No. 5(124)/60-SI-Vol.II.—Shri B. N. Dhar, Programme Executive, All India Radio, Siliguri retired from service with effect from the afternoon of 29th February 1976 on attaining the age of superannuation.

R. DEVASAR,
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 18th March 1976

No. 2/4/75-SIII.—The Director General, All India Radio herby appoints Shri Arun Kumar in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at TV Centre, All India Radio, Lucknow with effect from 4-3-76 (F.N.) until further orders.

HARJIT SINGH,
Deputy Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 24th March 1976

No. 3/46/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. N. Kaul, Accountant, Television Centre, All India Radio, Srinagar to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Srinagar with effect from 10-3-76 (A.N.).

I. S. PANDHI. Section Officer, for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 23rd March 1976

No. 7/5/68-Est.II.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri H. L. Ahuja to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate at Jaipur with effect from 12th March 1976 (forenoon) until further orders.

R. L. JAIN,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd March 1976

No. 9-16/72-Admn.I.—Consequent on the termination of her appointment, Kumari Meenakshi Rampal relinquished charge of the post of Lecturer in Physics at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, on the afternoon of 30th September 1975.

The 24th March 1976

No. 33-14/75-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Sharma, as Accounts Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 1st March 1976, and until further orders.

No. 33-13/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Ser. Sujata Malik, Occupational Therapist, Willingdon Hospital, New Delhi, to the post of Senior Occupational Therapist in the Safdarjang Hospital, New Delhi, on an ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th February 1976, and until further orders.

No. 9-31/73-Admn.-1.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Smt. Mamta Dixit, Clinical Instructor, Rajkumari Amrit Kaur college of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 14th January 1976.

The 31st March 1976

No. 26-18/75-Admn.I.—Consequent on his transfer to the post of Assistant Entomologist, at the Kala-Azar Unit, Patna, Shri S. M. Kaul, relinquished charge of the post of Assistant Entomologist at the Pilot Project for the Control of B. malayl Filariasis, Thuravoor, on the afternoon of 3rd February 1976

Shri S. M. Kaul assumed charge of the post of Assistant Entomologist, at the Kala-Azar Unit, National Institute of Communicable Diseases, Patna, on the forenoon of 13th February 1976.

S. P. JINDAL, Dy Director Administration

New Delhi, the 27th March 1976

No. 58-3/75-CHS.I.—Consequent on her transfer Dr. (Smt.) V. Soni an officer of the General Duty Grade-I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Lady Medical Officer of Health, Rural Health Training Centre, Najafgarh, New Delhi on the afternoon of the 4th March 1976 and assumed charge of the post of General Duty Officer Grade I of the Central Health Service under the Central Government Health Scheme, Delhi on the forenoon of the 5th March 1976.

R. N. TEWARY, Deputy Director Administration (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th March 1976

No. F.4-6(109)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission. New Delhi, Shri Subrata Sarkar, has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing & Inspection at Guntur w.c.f. J-3-1976 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA, Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 26th February 1976

No. PA/79(19)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Alagar Krishnan Rajalakshmi, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant i_{R} the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Centre with effect from the forenoon of November 12, 1975, until further orders.

No. PA/79(19)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Govindaswami Iyer Rajagopalan, a permanent Senior Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same Centre, with effect from the forenoon of November 12, 1975, until further orders.

No. PA/79(19)/75-R-IV.—The Controller Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pisharody Mukundan, a permanent Senior Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same centre, with effect from the forenoon of November 12, 1975, until further orders.

No. PA/79(19)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centro, appoints Shri Ramachandra Dattatray Vengurlekar, a permanent Lower Division Clerk and a temporary Assistant, in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of November 12, 1975, until further orders.

The 3rd March 1976

No. PA/73(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Arif Husain as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of January 31, 1976, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION Thana-401 504, the 11th February 1976

No. TAPS/ADM/947.—On transfer from Heavy Water Project, Baroda, Shri C. R. Valia, Assistant Accounts Officer assumed charge of office of Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of February 5, 1976.

No. TAPS/ADM/947.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad-hoc appointment of Shri Y. R. Velankar as Assistant Accounts Officer for the period from 1st January 1976 to 7th February 1976.

Shri Velankar relinquished charge of office of Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of February 7, 1976.

K. V. SETHUMADHAVAN. Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 13th March 1976

Ref. No. PAR/0705/410.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on ad-hoc basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 1st March 1976 to 31st May 1976, or until further orders, whichever is earlier.

The 22nd March 1976

No. PAR/0705/517.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. Narasimha Chary, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on ad-hoc basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from April 1, 1976 to June 30, 1976, or until further orders whichever is earlier.

S. P. MHATRE, Scnior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th March 1976

No. E(I)04227.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri A. K. Dutta, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20th February 1976 to 18th May 1976.

Shri A. K. Dutta, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixty-one days with effect from the forenoon of 1st March 1976 to 30th April 1976.

Shri Raju, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatorics (Forecasting), Poona.

The 27th March 1976

No. E(1)05481.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, Meteorological office, Srinagar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 26th February 1976 to 24th May 1976.

Shri Bhan has been transferred to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi where he assumed charge on the forenoon of 26th February 1976.

The 29th March 1976

No. E(I)03920.—On attaining the age of superannuation, Shri D. V. Raghavaiah, olliciating Assistant Meteorologist, Meteorological office, Visakhapatnam retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February 1976.

No. E(I)05102.—Shri G. Varadha Rajan, Officiating Assistant Metcorologist, on deputation as Technical Officer in the Marine & Aeronautical Division at World Meteorological Organisation, Geneva, retired voluntarily from Government service with effect from the forenoon of 1st February 1976.

No. E(I)04287.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Sundaresa Rao, Professional Assistant, Regional Meteorological Centre, Madras to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating dapacity for a period of 40 days with effect from the forenoon of 1st March 1976 to 9th April 1976.

Shri Sundaresa Rao, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th March 1976

No. A. 32013/1/75-ES.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aircraft Inspectors to officiate as Aircraft Inspector, on a regular basis and until further orders with effect from the date noted against each:—

Si. Name of the Officer No.	Date of Promotion	Station of Present Posting	
1. Shri N. Jayasimha, Assistant Aircraft Inspector, Bangalore.	. 12-1-76 (F.N.)	Inspection Office, Kanpur	
 Shri S. K. Mukherjee, Assistant Aircraft Inspector, Bombay 	. 4-2-76 (F.N.)	Inspection Office, Bombay.	

The 15th March 1976

No. A.32014/2/75-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. N. Singh, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Varanasi as Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 24th Fcb., 1976 (F.N.) and until further orders and to post him at the same station.

H. L. KOHLI Dy. Director (Administration)

New Delhi-22, the 19th March 1976

No. A.32013/3/75-EC.—The President is pleased to appoint the following 10 Technical Officers, working as Senior

Technical Officer on an ad hoc basis, as Senior Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 2nd February 1976 (forenoon) and until further orders at the station indicated against each:—

- 1. Shri R. S. Ajmani-Bombay.
- Shri K. Ramalingam—Calcutta.
- 3, Shri S. Ramachandran-RCDU ND.
- 4. Shri H. V. Sudershan-Bombay.
- 5. Shri S. K. Chandra-Calcutta.
- 6. Shri Suresh Chandra-Allahabad.
- 7. Shri G. V. Koshy--Safdarjung, New Delhi.
- 8. Shri A. K. Misra—RCDU, N. Delhi.
- 9. Shri P. R. Suryanandan, RCDU, N. Delhi
- 10. Shri K. V. Rao--RCDU, New Delhi.

H. L. KOHLI,

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi-110022, the 8th March 1976

No. A.31013/5/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri V. N. Kapur, officiating Director of Aeronautical Inspection, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same grade with effect from the 6th August, 1975.

The 20th March 1976

No. A-32013/2/76-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri S. Mukhopadhyaya, Deputy Director of Equipment as Director of Equipment in the Civil Aviation Department, New Delhi purely on an ad-hoc basis for a period of 20 weeks with effect from the forenoon of the 2nd March 1976, or till Shri S. Venkaswamy, Director of Equipment, who has been deputed for training under United Nations Development Programmes, Country Programmes resumes duty on expiry of his deputation, whichever is earlier.

The 25th March 1976

No. A.32013/11/74-EH.—The President is pleased to appoint Shri N. M. Walecha in an officiating capacity on a regular basis to the post of Scientific Officer in the R & D Directorate of the Civil Aviation Department with effect from 20th March 1976 (FN) and until further orders.

The 26th March 1976

No. A.32013/5/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri S. K. Neogi, Controller of Communication, Madras, as Director of Aeronautical Communication, in the Civil Aviation Department on an ad-hoc basis with effect from 17th March 1976 (FN) to 31st May, 1976, or till regular appointment is made, whichever is earlier,

T. S. SRINIVASAN, Assistant Director of Administration

New Delhi, the 12th March 1976

No. A.32013/7/75-EA.—The President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following officers, as Aerodrome Officer upto the 31st March, 1976 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- S. No., Name and Station of posting
- 1. Shri L. A. Lobo--Bombay Aitport, Bombay.
- 2. Shri R. D. Nair-Bombay Airport, Bombay.
- 3. Shri Amir Chand-Chandigarh.
- 4. Shri K. K. Saxena-Delhi Airport, Palam,
- 5. Shri A. M. Thomas-Tirupathi.
- 6. Shri M. M. Sharma—Agra.

The 15th March 1976

No. A31013/1/74-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Air Routes & Aerodromes Organisation on the Civil Aviation Department, with effect from the 27th December, 1975.

- 1. Shri P. K. Ramachandran.
- 2. Shri G. S. Gupta.
- 3. Shri J. S. Chowdhury.
- 4. Shri B. N. Kacker.
- 5. Shri D. N. Bhardwaj.
- 6. Shri J. S. Kapoor,
- 7. Shri B. Krishnaswamy.

V. V. JOHRI

Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the J0th March 1976

No. 1/402/76-EST.—Shri S. Brahmachari, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Calcutta Branch with effect from the forenoon of the 30th December, 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE Director General

Bombay, the 22nd March 1976

No. 1/367/76-EST.—The Mahanideshak, Videsh Sanchar Seva, hereby appoints Shri R. L. Menezes, Permanent Paryavekshak, Bombay Shakha as Up Pariyat Prabandhak, in an officiating capacity in the same Shakha, for the period from 1st December 1975 to 21st February 1976 (both days inclusive) against short-term vacancies.

M. S. KRISHNASWAMY,
Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the

March 1976

No. 1/369/76-EST.—The Mahanideshak, Videsh Sanchar Seva, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Paryavekshak, New Delhi Shakha as Up Pariyat Prabandhak in an capacity in the same Shakha, for the period from 13-1-1976 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 8th March 1976

No. 1/389/76-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri P. L. V. Prasad Officiating Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 3-10-1975 to 13-2-1976 (both days inclusive), against short-term vacancies.

P. K. G. NAYAR Dy. Director (Admn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehra Dun, the 31st March 1976

No. 16/241/75-Ests.L.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Dr. Padmakar Pande as Research Officer at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the foremon of 1st March 1976.

P. R. K. BHATNAGAR,

Registrar.

Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Shillong, the 18th September 1976

No. 6/75.—Shri M. C. Deb an officiating Office Superintendent Customs & Central Excise Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class-II), Customs & Central Excise until further orders. Shri M. C. Deb assumed charge as Administrative Officer, Customs and Central Excise, Agartala on 8-9-1975 (F.N.).

S. C. NIYOGI Collector of Customs & Central Excise Shillong

Baroda, the 6th March 1976

No. 3/76.—Shri V. R. Trivedi, Inspector of Central Excise appointed as Superintendent of Central Excise Class II under this office Establishment Order No. 317/75 dated 19-11-75 has taken over the charge as Superintendent of Central Excise Class II on 22nd January, 1976 forenoon in Hdqrs. Office, Ahmedabad Collectorate.

The 25th February 1976

No. 4/76.—Shri R. H. Desai, Office Superintendent of Central Excise appointed as Administrative Officer of Central Excise Class II under this office Establishment Order No. 348/75, dated 26th December 1975 has taken over the charge Administrative Officer of Central Excise Class II on 27th January 1976 forenoon in January Customs Division of Ahmedabad Collectorate.

Sd/- ILLEGIBLE for Collector of Central Excise Baroda

Allahabad, the 15th March 1976

No. 13/1976.—Shri B. N. Mitra, officiating Superintendent of Central Excise, Group B, posted as Superintendent (Tech.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, handed over the charge of the office of the Suprintendent (Tech.) of Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow on 29th February 1976 (afternoon) to Shri A. M. K. Warsi, Superintendent, Central Excise, Group B of Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow and retired from Government service with effect from the said date and hours. Shri A. M. K. Warsi, Superintendent, Central Excise will hold additional charge of the office of Superintendent (Tech.) Integrated Divisional Office, Lucknow till further orders.

The 20th March 1976

No. 15/1976.—In supersession of this office Notification No. 8/1975, dated 7th January 1975, issued under this office endorsement C. No. II(3)319-Et/71/1342/48, dated 10th January 1975, Shri G. P. Darbari, officiating Superintendent of Central Excise. Group B posted in the Central Excise Integrated Divisional Officer, Gorakhpur is hereby allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st January 1974 in pursuance of this office Establishment Order No. 115/1975, dated 4th October 1975, issued under endorsement C. No. II-6-Estt. 2/75/Pt.I/38704, dated 4th October 1975.

No. 19/1976.—Shri Raghunandan Prasad, Kapoor confirmed Inspector (8.G.) of Central Excise, previously posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad and appointed to officiate as Superintendent Central Excise Class II (Now Group B) until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB 40—1200, vide this office Establishment Order No. 334/1975, dated 27-11-1975—issued under endorsement C. No. II(3) 2-Et/75, dated 28-11-1975 assumed charge as Superintendent,

Central Excise, Group B in the Central Excise Integrated Divisional Office. Rampur on 31-12-1975 (foreneon).

H. B. DASS

Collector,

Central Excise, Allahabad.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 20th March 1976

No. A-12017/5/76-Adm, V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/1/72-Adm, V (Vol. II) dated 16th October 1975 the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. Bhowmick to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water & Power Research Station. Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period from 1st January 1976 to 31st March 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 24th March 1976

No. A-12017/6/76-Adm. V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/553/75-Adm. V. dated 21st January 1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Dev. Senior Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period from 1st March 1976 to 31st August 1976 or till such time Shri P. J. Desai is reverted to post of Assistant Research Officer (Physics) whichever is earlier.

No. A-12017/6/76-Adm. V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/556/75-Adm. V, dated 24th January 1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. M. Kotwar, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station. Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period from 1st March 1976 to 31st August 1976 or till such time Shri K. S. Mutta repatriates to the Commission whichever is carlier

JASWANT SINGH, Under Secretary, For Chairman, C.W. Commission.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 26th March 1976

No. 6/16/75-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints S/Shri S. Chakravorty and Agia Singh, Head Draftsman as Extra Assistant Director (Drawing/General) with effect from the forenoon of 6th March 1976.

The 30th March 1976

No. 6/2/76-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri A, S. Seehra Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the afternoon of 18th March 1976.

No. 6/2/76-Adm, II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Inder Jit Sharma, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 1st March 1976.

> S. BISWAS, Under Secretary

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 19th March 1976

No. PB/GG/9/Misc. II.—Sri R. C. TANDON, Officiating Additional Chief Mechanical Engineer/C&W (S.A.—Level-II) on transfer from Southern Railway has reported for duty and posted as Officiating Additional Chief Mechanical Engineer/LC.F. (S.A.—Level II) with effect from 20th February 1976 (A.N.).

Sri C. SANKARAN, Officiating Welfare Inspector (Class III) who has been provisionally empanelled for the post of Assistant Personnel Officer has been promoted to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer/Reservation (Class II) with effect from 26th February 1976.

S. SUBRAMANIAN, Deputy Chief Personnel Officer For General Manager

NORTHERN RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 1st March 1976

No. 5.—Shri J. C. Bhardwaj Asstt. Personnel Officer (Class II) Northern Railway has finally retired from service w.e.f. 29th February 1976 (AN).

The 22nd March 1976

No. 6.—Shri B. R. Sharma, Asstt. Controller of Stores (Class II) Northern Railway has finally retired from Railway Service w.e.f. 29th February 1976 (AN),

V. P. SAWHNEY, General Manager

CENTRAL RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 30th March 1976

No. HPB/220/G/I/L.—The undermentioned Assistant Electrical Engineers (on Probation) of the Indian Railway Service of Electrical Engineering Department are confirmed in Junior Scale with effect from the dates shown against each:—

Sr. No.	Name		Date from which confirmed in Junior Scale
1. Shri Ram	esh Chandra		8-1-1973
2. Shri Ravi	Kumar Sareen		7-1-1974
3. Shri Jas I	Pal Singh .	•	4-12-1974
BOMBAY V	/Τ.		 Krishan Chandra, General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-23, the 18th March 1976

No. G-65/B(CON).—Shri D. S. Majumdar. Scientific Assistant (Physical) since redesignated as Scientific Assistant (Mechanical). National Test House, Calcutta who was promoted to officiate as Scientific Officer (Physical) since redesignated as Scientific Officer (Mechanical) in the same office with effect from 31st May 1974 vide National Test House, Calcutta Notification No. G-65/B(CON) dated 24th June 1974 has been reverted to the post of Scientific Assistant (Mechanical) in the National Test House, Calcutta with effect from the after-noon of 28th February 1976.

A. K. BHATTACHARYYA,

Joint Director for Director, National Test House

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay-2, the 22nd March 1976

No. 10798/560(4).—Whereas M/s, Janata Motor Service Corporation Private Limited, having its registered office at Cloth Market, Mummath Maharashtra is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the Statement of accounts for the period from 8th January 1971 onwards (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956. (1 of 1956) notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Janata Motor Service Corporation Private Limited will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies, Moharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Film Craftsmen Private Limited

Hyderabad-1, the 23rd March 1976

No. 938/T(560).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Film Craftsmen Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies. Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jasmine Transports Pvt. Ltd.

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN/5075/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Jasmine Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Majestic Textiles Limited

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN(4938/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sed. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Majestic Textiles Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Navasakthi Commercial Traders Private Ltd.

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN/4768/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Navasakthi Commercial Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of T. K. R. G. Transports Pvt. Ltd.

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN/4715/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of T. K. R. G. Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mani Muralee Transports Private Ltd.

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN/4468/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mani Muralee Transports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bulbul Roadways Private Ltd.

Madras-6, the 26th March 1976

No. DN/4722/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Scc. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bulbul Roadways Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of Thenmozhi Chit Fund Private Limited

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/4664/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Thenmozhi Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Miran & Company Private Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/5109/560(3).—Notice is hereby given pursuant to shub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Miran & Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Pandain Fertilisers & Oil Mills Private Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/4860/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pandian Fertilisers & Oil Mills Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sakuntala Roadways Pvt. Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/4091/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sakuntala Roadways Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sanjeevi Transports Pvt. Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/4725/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sanjeevi Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Savings Permanent Fund (CBE) Pvt. Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/4749/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Savings Permanent Fund (CBE) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Musiri Pulivalam Transports Pvt. Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/3750/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Musiri Pulivalam Transports Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of U.T.S. Bus Service Private Ltd.

Madras, the 29th March 1976

No. DN/4775/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of U.T.S. Bus Service Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of East Coast Engineering Company Private Ltd.

Madras-6, the 29th March 1976

No. DN/5325/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of East Coast Engineering Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Asst. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of New Angarpathra Colliery Company Private Limited

Patna, the 29th March 1976

No. 1(900) 75-76/9436.—Notice is hereby given pursuent to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the New Angarpathra Colliery Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies, Bihar Patna

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 12th August 1975

INCOME TAX

No. JUR-DL1/II/75-76/36.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-Tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 8th August 1975.

- (1) Trust Circle-I, New Delhi.
- (2) Trust Circle-II, New Delhi.

The 20th August 1975

CORRIGENDUM

No. JUR-DLI/II/75-76/11499.—In this office notification No. JUR-DLI/II/75-76/37 dated the 12th August 1975 in column 2 "the entry at S. No. 6 stands deleted and in its place S. No. 7 shall be read as S. No. 6".

ORDER

No. JUR-DLI/II/75-76/11852.—In exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and impartial modification of this office order No. Estt. I/JUR/DLI/1970-71/5051-B dated 29th June, 1970, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officer Distt. VI(9), New Delhi, shall and the Income-tax officer Distt. VI(10) Addl. New Delhi shall not exercise his functions in respect of the assessees whose names commence with alphabet 'S' and who were with in the jurisdiction of the Incometax officer. Distt. VI(10) Addl. New Delhi, prior to 20th August 1975 and where any such assessee is a partnership firm, also the partners of such firm irrespective of the alphabet with which the names of such partners commence.

- 2. Provided that this order shall not effect the existing jurisdiction of the Income-tax officer, Distt, VI(10) Addl, New Delhi in respect of the assessees whose names commence with the alphabet 'S' and who are partners in a partnership firm with a name commencing with any alphabet other than 'S' where such firm is within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI(10) Addl. New Delhi, as on the date this order takes effect.
 - 3. This order shall take effect from 20th August 1975.

The 1st October, 1975

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/75-76/14095—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in view of Board's notification No. (187/2/74-IT (AI) dated 29-9-75, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby makes the following amendments in the schedule appended to this office notification No. JUR-DLI/II/74-75/544 dated the 5-8-1974 as amended from time to time.

In the said schedule the entries in the column 2 against IAC-Delhi Range-II-A, New Delhi, shall be substituted by the following entries:—

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Delhi Range-II-A, New Delhi.	1. Companies Circle, I, IV, V, VI, VIII, IX, XI, XVII, XVIII, XXI, and XXII, New Delhi. 2. Special Circles, I, I (Addl.) II, II (Addl.), and VII.
	New Delhi. 3. Contractors' Circle, New Delhi

This notification shall take effect from 1st Oct. 1975

The 13th November 1975

No. JUR-DLI/II/74-75/20556.—In modification of all previous orders u/s 124 or 127 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of the jurisdiction of the Incometax officer, Distt VI(10), New Delhi and in exercise of the powers conferred by section 124 of the said Act and all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II. New Delhi, directs that as from the date on which this order takes effect, the Income-tax officer, Distt. VI(1), New Delhi, shall and the Income-tax officer, Distt. VI(10). New Delhi shall not exercise his functions as an Income-tax officer in respect of assessees whose names commence with any of the alphabets O, P, or O and who were within the jurisdiction of the Income-tax officer. Distt. VI(10), New Delhi prior to 15th November 1975.

Provided that this order shall not affect the existing jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VI(10), New Delhi in respect of assesses whose names commence with the alphabets O, P, or Q and who are partners in a partnershiftrm with a name commencing with any alphabets other than O, P, or Q where such firm is within the jurisdiction of the said Income-tax officer as on the date of this order.

This order shall take effect from 15th November 1975.

The 14th November 1975

No. JUR-DLI/II/74-75/20761.—In modification of all previous orders u/s 124 or 127 of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961), in respect of the jurisdiction of the Income tax Officer, Distt. VI(10) New Delhi and in excercise of the powers conferred by section 124 of the said Act and all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, directs that as from the date on which this order takes effect, the Income tax Officer, Distt. VI(5). New Delhi, shall and the Income tax Officer, Distt. VI(10), New Delhi, shall not, exercise his functions as an Income tax Officer in respect of assessees whose names commence with the alphabet 'K' and who were within the jurisdiction of the Income tax Officer, Distt, VI(10), New Delhi, prior to 15th November 1975.

Provided that this order shall not affect the existing jurisdiction of the Income tax Officer, Distt. VI(10) New Delhi in respect of assessees whose names commence with the alphabet 'K' and who are partners in a partnership firm with a name commencing with any alphabets other than 'K' where such firm is within the jurisdiction of the said Income tax Officer as on the date of this order.

This order shall take effect from 15th November 1975.

INCOME TAX

No. JUR-DLI/II/75-76/20924.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Contractors Circle, Delhi shall be bifurcated into two wards as under.—

- 1. Contractors Circle, Ward-A.
- 2. Contractors Circle, Ward-B.

This order shall come into force w.e.f. 15th November 1975.

No. JUR-DLI/II/75-76/21175—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule here-in-below shall perform, their functions in respect person or classes of

persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer:—

S.No.	Designation of the	ne Jurisdiction
1	2	3
Cont	me-tax Officer ractors Circle, l-A, New Delhi.	 (a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Incometax officer, Contractors Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets from A to M (both inclusive). (b) All persons being partners
Cont	ne-tax Officer, ractors Circle, i-B, New Delhi	of firm falling in item (a) above. (a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Incometax Officer contractors Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets from N to Z (both inclusive). (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 15-11-75.

JAGDISH CHAND, Commissioner of Income-tax, Delhi II, New Delhi

New Delhi, the 31st October, 1975, INCOME TAX

No. JUR-DLI/III/75-76/18963—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous or-orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-III, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule here-in-below shall perform his functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in col. 3 of the said Schedule other than the persons or classes of cases which have been assigned u/s 127 of the said Act, to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the I.T.O.	Jurisdiction.
1	2	3
Dist	me-tax Officer, i. III(7), Delhi.	All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the areas assigned to the Income-tax Officer, Distt. III (35), New Delhi whose names begin with 'M' alphabet alongwith the cases of all the partners of the firms listed under alphabet 'M'.

This notification shall take effect from 1st November, 1975.

J. C. LUTHER, Commissioner of Income ax, Delhi III, New Lelhi

New Delhi, the 1st October, 1975

No. JUR-DLI/IV/75-76/14196—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in view of Board's Notification No. 187/2/74-IT(Al) dated 29-9-75, the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi hereby makes the following amendments in the schedule appended to this office notification No. JUR-DLI/IV/74-75/546 dated 5-8-74 as amended from time to time.

In the said Schedule the entries in the column 2 against IAC Delhi Range-IV-A, New Delhi, shall be substituted by the following entries:—

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Delhi Range-IV-A, New Delhi.	 Distt. V. New Delhi. Special Circle VI & VI (Addl.) New Delhi.

This notification shall take effect from Ist Oct., 1975.

S. S. SETH, Commissioner of Income-Tax. Delhi IV, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th March 1976

Rcf. No. CHD/332/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building and factory sheds constructed over Plot No. 87 and Pot No. 86 unbuilt

situated at Industrial Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. R. D. Minocha & Sons, House No. 154, Sector 9-B, Chandigarh,

(Transferor)

(2) M/s. Datta Ram Om Parkash, Aggarwal Bhawan, Circular Road, Ambala City.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and factory sheds constructed over the Plot No. 87 measuring 1,477.1 sq. yds. and Plot No. 86 measuring 1,477.1 sq. yds unbuilt 86-87, Industrial Area, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 585 of August, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 30-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. BGR/1259/75-76.—Whereas, J, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory land measuring 311 sq. yds out of total area of 910 sq. yds. situated at 11/7 mile stone Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Prahlad Singh, s/o Shri Tulsi Ram, (R/o Village Adagpur, Tehsil Ballabgarh District Gurgaon) 11/7 Mile Stone, Mathura Road,

(Transferor)

(2) Shri Vinod Gupta, s/o Shri O. P| Gupta, R/o E-165, Greater Kailash No. 2, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Hanuman Woollen Mills,
 11/7 Miles Stone, Mathura Road,
 Faridabad.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory land measuring 311 sq. yds. out of total area of land 910 sq. yds. situated at 11/7 mile stone Mathura Road, Faridabad, Tehsil Ballabgarh, District Gurgaon.

(Propety as mentioned in the Registered Deed No. 2219 of August, 1975 of the Registering Officer, Ballabgarh).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 17-3-1976

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. BGR/1258/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 2,5000/- and bearing No.

Factory land measuring 599 sq. yds. out of total area of land 910 sq. yds.,

situated at 11/7 mile stone Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Prahlad Singh, s/o Shri Tulsi Ram, (R/o Village Adagpur, Tehsil Ballabgarh District Gurgaon) 11/7 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad.

(Transferor)

 Shri O. P. Gupta, s/o Shri Chandu Lal, R/o E-165, Greater Kailash No. 2, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Hanuman Woollen Mills, C/o 11/7 Miles Stone, Mathura Road, Faridabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory land, measuring 599 sq. yds. out of total area of land 910 sq. yds. situated at 11/7 mile stone Mathura Road, Faridabad, Tehsil Ballabgarh, District Gurgaon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2218 of August, 1975 of the Registering Officer, Ballabgarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 17-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th March 1976

Ref. No. JGR/1144/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, measuring 27 kanal 10 marlas,

situated at Village Agwar Gujran, Tehsil Jagraon, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in August, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) Shri Darshan Singh, s/o Shri Narajan Singh, Resident of Village Agwar Gujran, Tehsil Jagaon.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Dalip Kaur, wd/o Shri Talok Singh,
 - (ii) Smt. Paramjit Kaur, and
 - (iii) Smt. Saranjit Kaur, daughters of Shri Talok Singh, Residents of Agwar Gujran, Tehsil Jagraon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 27 kanal and 10 marla, situated in Villago Agwar Gujran, Tehsil Jagraon. Khata No. 1208/1279, Killa No. 149

> 2 -108 6-18

No. 9 share 57 North side=Jamabandi year 1969-70.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2992 of August, 1975 of the Registering Officer, Jagraon.)

> V. P. MINOCHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd March 1976

No. HSR/879/75-76.—Whereas. Ref. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 274 alongwith one room and boundary wall, situated at Model Town, Hissar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in August, 1975, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sneh Lata, w/o Shri Mahesh Chander, Sauch Bhawan, Behind Library, Model Town, Hissar.

(Transferor)

(2) (i) Shri Parkash Chander, s/o Shri Mathura Dass,
(ii) Smt. Sita Devi, w/o Shri Jaidev Kumar,
(iii) Smt. Gindori Devi, w/o Shri Gurdial Mal,
(iv) Smt. Ram Dulari, wd/o Shri Hari Madho,
Residents of 157-N, Model Town, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 274, alongwith one room and boundary wall in Model Town, Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1488 of August, 1975 of the Registering Officer, Hissar.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 22-3-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. LDH/C/1690/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 269B referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ludhiana in August, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by of the Indian transferee for the purposes Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-16-36GI/76

(1) Shri Jaswant Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of Laltoo Kalan, Tehsil Ludhiana, Presently at B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Syal, s/o Shri Manohar Lal Syal, R/o 135-L, Model Town, Ludhiana Presently at 6-Quicks Wood Drive, Liverpool-25 (U.K.).

(Transferee)

(3)

(i) Sant Singh & Bros., (ii) Satgur Trade Co; (iii) National Property Dealers,

(iv) Ziley Ram Mohan Lal.
(v) Jarnail Singh,
(iv) Dalip Singh & Sons, and
(vii) Brij Oil Co:
c/o B-XX/1061/1, Gurdev Nagar,
Ferozepur Road, Ludhiana.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4216 of August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 23-3-1976

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th March 1976

Ref. No. CHD/457/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under

Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 61, measuring 999.6 sq. yds. alongwith single storeyed structure,

situated at Industrial Area, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chandigarh in September, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Saraljit Singh,
 Shri Ujjagar Singh,
 R/o House No. 1708, Sector 22-B,
 Chandigarh.

(Transferor)

(i) Shri Harbans Lal,
 (ii) Shri Gian Chand,
 sons of Shri Jivan Singh,
 R/o House No. 110, Sector 27-A,
 Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed structure constructed on a plot measuring 999.6 sq. yds. No. 61, Industrial Area, Chandigarh,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 723 of September, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 30-3-1976

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, 19th March 1976

No. Acq. 23-I-920(304)/1-1/75-76.—Whereas, I_{\star} J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 116-1 Part, Final Plot No. 219, TPS No. 8 situated at Dariyapur-Kazipur ,near Civil Hospital Ahmeda-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ishwarlal Mohanlal Parmar,
 - 2. Shri Mangaldas Mohanlal Parmar,
 - 3. Shri Motilal Mohanlal Parmar.
 - 4. Shri Somchand Mohanlal Parmar,
 - Shri Chandulal Mohanlal Parmar, Gajanand Housing Society, Girdharnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Manabhai Chhaganlal Makwana, Old Aryoday Millni Chali, Ahmedabad.
 - Shri Manilal Kohyabhai, Hira Masterni Chali, Near Aerodrome, Ahmedabad.
 - Shri Ambalal Danabhai Parmar, Utter Gujarat Virmaya Co-op. Housing Society, Behind New Civil Hospital, Ahmedabad.
 - Shri Waghela Khodabhal Kuberbhai, Pritampura Society No. 2, Girdharnagar, Ahmedabad.
 - Shri Manilal Muljibhai, Suryanagar Society, Shahibaug, Ahmedabad-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Permanent leave right on the immoveable property of open land bearing Survey No. 116-1, Part, Final Plot No. 219, of T.P.S. No. 8 admeasuring 949 sq. yards situated at Dariyapur Kazipur, Asarwa, Near Civil Hospital, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 19-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1976

Ref. No. PR.298/Acq. 23-642/19-7/75-76.—Whereas, I. P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1934/B/3 of Ward No. 2, situated at Majura-Kshetrapal Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hiraben wife of Uttambhai Chhotubhai.
 Uttambhai Chhotubhai, self and as a guardian of minors, Bhupendra, Ramila and Taralatta;

3. Kalumati Uttambhai. Kshetrapal Road, Surat-

(Transferor)

(2) M/s. Krishna Corporation a partnership firm Nanavat Main Road, Surat through partners

Smt. Chhayaben Kantilal Patel: Smt. Lilaben Ashwinbhai Patel: Smt. Kamalben Arunbhai Pradhan

Shri Annil Kantilal Patel. Smt. Krishnanand Yaswantrao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1934/B/3 of Ward No. 2, admeasuring 220 sq. yds. situated at Majura Kshetrapal Road, Surat as fully described in registered deed No. 2393 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1976

Ref. No. P.R. No. 299 Acq.23-643/19-7/75-76.—Whereas. I, P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 1934/B/3 of Ward No. 2, situated at Majura-Kshetrapal Road, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nirmala Sudhanchand Shah Naginchandra Chimanlal Shah, Bhansali Pole, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Krishna Corporation a partnership firm through its partners: Nanavat Main Road, Surat.

Smt. Chhayaben Kantilal Patel; Smt. Lilaben Ashwinbhai Patel; Smt. Kamalben Arunbhai Pradhan; Shri Annil Kantilal Patel,

Smt. Krishnanand Yaswantrao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 1934/B/3 of Ward No. 2, admeasuring 215 sq. yds. situated on Majura Kshetrapal Road, Surat as fully described in the registered sale deed No. 2392 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-3-1976

Seal;

(1) Smt. Kartar Kaur W/o Shri Harnam Singh s/o Shri Bishan Singh r/o Kotkapura c/o Shri Hari Singh r/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st April 1976

No. FDK/277/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in July on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(2) Shri Ajaib Singh s/o Shri Kishan Singl V & P.O. Wannder Jatana Distt. Faridkot and Shri Jyoti Parkashi s/o Shri Ram Kishan s/o Shri Vasdev r/o Faridkot c/o Shri Pritam Singh Secretary, Market Committee, Kot Kapura.

(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above and tenant (s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2088 of July, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date 1-4-76 Seal:

(1) Shri Linus D'Souza

(2) (1) Gayadin Algu Maurya

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V, AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 24th March 1976

No. AR.V/363/20/75,—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 5, H.No. 3 Pt. C.S.No. 102 (Part) situated at Moghul Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Purshottam Kumar Gayadin Maurya

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of land or ground admeasuring 2508 sq. yards, i.e. 2097 sq. metres or thereabouts situate lying and being at Saki Vihar Road, (now known as Khairami Road) Moghul Village, Zilla South Salsette, Registration Sub-District and District Bombay Suburban bearing Survey No. 5, Hissa No. 3 Part C.S.No. 102 Part and Survey No. 4 Hissa No. 1 part C.S.No. 103 and bounded as follows that is to say on or towards the North partly by land bearing survey No. 5 Hissa No. 4 on or towards the South by land bearing Survey No. 5 Hissa No. 4 on or towards the South by the said Khairani Road, on or towards the West partly by the property of Hindustan Oil Mills and partly by the property bearing Survey No. 4, Hissa No. 4 and more particularly described in the Second Schedulc hereunder written and on or towards the East partly by the property bearing survey No. 5, Hissa No. 5, and partly by the property bearing survey No. 4 Hissa No. 1 part and delineated on the plan hereto annexed and thereon surrounded by red coloured boundary lines.

Second Schedule above referred to: All those pieces or parcels of land or ground admeasuring 110.75 sq. yards equivalent to 344.44 sq. metres situate lying and being at Saki Vihar Road (now knows as Khairani Road) Saki Village, Zilla South Salsette, Registration Sub-District and District Bombay Suburban and bearing Survey No. 4, Hissa No. 4 C. S. No. 103 (11 and 12) and bounded as follows: that is to say on or towards the North by land bearing Survey No. 4 Hissa No. 1, Part, on or towards the South by the said Khairani Road on or towards the West by the property of Hindustan Oil Mills and on or towards the West by the land bearing Survey No. 4, Hissa No. 1 part and delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon surrounded by green colured boundary lines.

J. M. MEHRA,

Competent Authority, issioner of Income-tax.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 24-3-76.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALÇUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. AC-52/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Agarpara situated at P. S. Khardah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3.7.1975 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. B. N. Elias & Co. Pvt. Ltd. 1 & 2, Old court House Corner, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Oriental Machinery & Civil Construction Pvt. Ltd. 1 & 2, Old Court House Corner, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 35 bighas 14 cottabs 4 chittaks 43 sft. situated and lying in Mouza Agarpara comprised under C.S. Plots No. 1539, 1540, 1541 and 1542 of Khatian No. 43 P. S. Khardah, Dist-24-Pgs. being municipal holding No. 903 of the Panihati Municipality including buildings structures, sheds erections and constructions standing thereon together with machinery, stores & spare, Raw materials and other business assets more particularly as per deed No. 1-3853 of 1975 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date: 18.3.1976,

FORM ITNS ----

(1) Shri Budh Ram s/o Sh. Chandu Lal r/o 4008. Gali Bansi Koley Wali, Ajmere Gate, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1116/75-76.--Wheras, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/4 of 4008 situated at Gali Bansi Koele Wali, Ajmere Gate, Delhi

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

17—36 GI/76

(2) Pyare Singh s /o Sh. Jiwan Singh r/o S-101. Vishnu Garden, New Delhi

(3) Shri Mangel Sain 2. Sh. Gopi Ram 3, Smt. Vidya. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of whole property bearing No. 4008 Gali Bansi Koele Wali, Ajmere Gate, Delhi.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17 March, 1976

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq-II/1117/75-76.--Whereas, I, S. N. L. **AGARWALA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. XIV/6913 situated at Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Delhi in July 1975

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act following persons, namelv :--

- (1) Shri Harnam Dass S/o Sh. Brahm Dass SF-2, Shah Building, Chamelian Road, Shidhipura, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Anis Fatma w/o Sh. Nawabuddin r/o 6913. Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette,

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 60 sq. yds. situated at No. XIV/6913, Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi and bounded as under:—
North: Gali South: House No. 6903

East: House No. 6914 West: House No. 6912

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17March, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1118/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 83/1A situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Hazoor Sant Satguru Mchar Singh Singhji Chela Satguru Baba Bagga Singhji r/o 803, Model Town, Jullundur ,PB) through GPA Sh. Charan Dase 8/o Sh. Hazari Mal r/o 493/3, Main Bazar, Gandhi Nagar Delhi-31.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit and Raj Babu sons of Shri Sohan Singh r/o B-6/16 Rana Pratap Bagh, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 9571 sq. yds out of Khasra No. 2632/53 known as Portion of property No. 93-I/A situated in the abadi of Punjabi Bagh on Road No. 83, Delhi and bounded as under:

North: Road 31 ft wide South: Others property East: Road 15'Wide West: Road No. 83.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17March, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/119/75-76.—Wheras, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 83/1-B situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in July 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Hazoor Sant Satguru Mehar Singhji Chela Satguru Baba Bagga Singh Ji/r/o 803 Model Town, Juliundur through G. P. A. Sh. Charan Dass s/o Sh. Hazari Mal r/o 493/3; Gandhi Nagar, Main Bazar, Delhi-31. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh s/o Sh. Charan Dass 2. Miss Renu d/o Sh. Charan Dass r/o 83-1/B Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 9571 sq. yds. out of Khasra No. 2632/53 known as Portion of property No. 83-1/B, situated in the abadi of Punjabi Bagh on Road No. 83 Delhi and bounded as under:—

North: Others property South: Others property, West: Road No. 83 East: Road 15' wide.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17March, 1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq. 11/1121/75-76.--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.XV/9624 Gali No. 12 situated at Multani Dhandha, Pahar Ganj, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere: for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sewa Singh s/o S. Dhanna Singh r/o 9624/XV, Gali No. 12, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal s/o Sh. Dal Chand, r/o H.No. 9658/XV Gali No. 11, Multani Dhanda, Pahar Ganj, N. Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storyed house constructed on a plot of land measuring 67 sq. yds situated at No. XV/9624 Gali No. 12, Multani Dhandha, Pahar Ganj, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17March, 1976

Scal:

(1) Smt. Shashi Prabha Jain w/o Sh, Jai Chand Jain r/o 3694 Maman Jamadar, Pahari Dhiraj, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sv/Sh. Dhunender Kumar Jain 2. Devender Kumar Jain sons of Shri Nem Chand Jain 4676, Gali Umrao Wali, Pahari Dhiraj, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IZC/Acq.II/1120/75-76.—Whreas, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4677-XIV situated at Gali Umrao Wali, Pahari Dhiraj, Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at No. 4677-XIV in Gali Umrao Wali, Pahari Dhiraj, Delhi,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17March, 1976

(1) Shri M/s. Scindia Investments Private Limited Gwalior (Madya Predesh) through Major General Ajit Singh Guraya, Director. (Transferor)

(2) Shri Bishamber Dayal s/o Sh. Chandan Lal Ji r/o

29/20, Shakti Nagar, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1122/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-6 situated at 37 Rajpur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in July 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 436 sq. yds situated at plot no. B-6 at 37 Rajpur Road, Delhi and bounded as under :—
North: Plot No. B-5 South: Plot No. B-7
East: Open land West: 30 ft wide road.

S. N. L. AGARWALA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition ange-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17 March 1976

(1) Smt. Shanti Devi allas Samrishta w/o Sh. Om Parkash r/o C-B, Green Park Extension, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishan Kumar s/o Sh. Shivcharan Dass r/o 108, Gajju Katra, Shahdara, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 17th March 1976

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Ref. No. IAC/Acq.II/1123/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 341 situated at Chanderwal, Shahdara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION. -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from
- the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storyed shop constructed on a plot of land measuring 167.75 sq. yds. situated at 341, Chanderwal, Shahdara, Delhi and bounded as under :---

North: Property of Sh. Raghunath. East. Property of Sh. Ratan Lal. West: Property of Sh. Nathi Mal. South: Road Anai Mandi,

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:---

Date: 17-3-1976,

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1124/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 of B-2/13 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---18-36 GI/76

(1) Smt. Savitri Devi w/o Sh. Kanwal Nain Vig 2. Sh. Ashok Kumar, 3. Sh. Radhey Sham, 4. Sh. Purvesh Chander sons of Sh. Kanwal Nain Vig r/o B-2/13, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share in a building built on a free-hold plot of land bearing plot No. 13 in Block B-2, measuring 2501 sq. yds. situated in the colony known as Model Town, Delhi and bounded as under :-

North: Road. South: Colony Boundary. East: Property B-2/14. West: Property No. B-2/12-A.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th March 1976

Ref. No. IAC/Acq II/1125/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-31 situated at Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at
Delhl in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Sarla Kumari w/o Sh. Hukam Chand Garg,
 Smt. Raj Rani w/o Sh. Baldev Krishan Garg,
 r/o Sunami Gate, Sangrur (Punjab).

To 2002

(2) Smt. Dhan Devi w/o Sh. Raghunath Dass Dusaje, Retd. Executive Engineer, r/o C-6/7, Model Town, Delhi-9. (Transferee)

,-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. situated at C-31, Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi and bounded as under:—

North; Netaji Road 30' wide,

South, Shanker Acharya Road 30 ft.

East: Plot No. C-33. West: Plot No. C-29.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1976,

Seal ;

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Smt. Shoba Rani w/o Sh. Har Dayal Shad r/o C/1-A, Satyawati Nagar, Ashok Vihar-III, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Lajwanti w/o Sh. Chuni Lal & 2, Sh. Chuni

Lal s/o Sh. Mayya Dass r/o T-222, Nawab Road,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1126/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 325 situated at Sant Nirankari Colony, Delhi-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Sadar Bazar, Delhi-6.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 139 sq. yds. bearing plot No. 325, part of Khasra No. 161 situated at Sant Nirankari Colony, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 324. South: Plot No. 326. East: Gali 10 ft. West: Road 24 ft.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 18-3-1976.

Scal:

(1) Shri Mohd. Ali s/o Sh. Mohd. Yusaf r/o 8014, Bara Hindu Rao, Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bilqis Begum w/o Sh. Ahsan Ullah r/o 4846, Gali Darzian, Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1127/75-76,—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8131 & 8136 Ward No. XIV situated at Chimini Mill, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in July 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 storeyed house constructed on a plot of land measuring 110 sq. yds. situated at House No. 8131 & 8136 Ward XIV, Chimni Mill Bara Hindu Rao, Delhi,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 18-3-1976.

(1) Smt. Rameshwari Bai w/o Sh. Dhanpat Rai r/o D-13/12, Model Town, Delhi-9.

(2) Shri Devender Kumar Chhabra s/o Sh, Siri Ram Chabra r/o 999, Gali Mantola, Pahar Ganj, New

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1128/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XV/7531/1 situated at Tel Mill Street, Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on a land measuring 247.3 sq. yds. being plot No. XV/7531/1, situated at Tel Mills Street, Ram Nagar, Pahargani, Delhi and bounded as under:—

North; Plot of Shanti Devi. South: House of Pt Lakhi Ram.

East : Common passage.

West : Gurudwara Bhai Himmat Singh,

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 18-3-1976.

(1) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Jai Gopal r/o 2897/11 Gali Captain, Darya Ganj, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1129/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XV/7531/1 situated at Tel Mills Street, Pahar Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Nawal Kishore Gupta s/o L. Shri Vishnu Batta r/o 7575, Ice Factory, Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on a land measuring 250.6 sq. yds. being 1 of Plot No. XV/7531/1, situated at Tel Mills Street, Ram Nagar, Pahar Ganj, Delhi and bounded as under :-

North: Plot of Sh. Lakshmi Narain. South; Plot of Mrs. Parmeshwari Bai,

East : Common Passage.

West: Gurdwara Bhal Himmat Singh

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 18-3-1976.

Scal:

(1) Shri Jaswant Singh s/o Sh. Sodagar Mal r/o I/57, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Nath s/o Sh. Khazan Singh r/o H. No. 70, Village Dhaka, Delhi-9, (Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 18th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1130/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/62 situated at Village Dhaka, Delhi-9

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act in the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area of land measuring 527 sq. yds. situated at No. 57/82, Village Dhaka, Delhi-9 and bounded as under:—

North: Gali.

South Others property. East : Chopal. West : Property No. 56.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 18-3-1976.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4/14A,ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1131/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House No. WZ-54 Plot No. 175 (1/2 share) situated at Raja Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that th considration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ram Singh s/o Sh. Kesar Singh r/o 346, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Rani w/o Sh. Santosh Kumar r/o 13/1562, Aziz Ganj, Azad Market, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 180 sq. yds. bearing No. WZ-54 situated at Plot No. 175 Raja Garden, New Delhi and bounded as under :-

North: Service Lane. South: Road.

East . Property No. 176.

West: Property No. 174.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dewan Singh s/o Sh. Sant Singh r/o WZ-54, Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Rani, w/o Sh. Sautosh Kumar r/o 13/1562, Aziz Ganj, Azad Market, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. 1AC/Acq.II1132/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 54 Plot No. 175 (1/2 share) situated at Raja Garden, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :-

19-36 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 180 sq. yds. bearing No. WZ-54 situated at plot No. 175 Raja Garden, New Delhi and bounded as under :-

North: Service Lane, South: Road. East: Property No. 176. West: Property No. 174.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 19-3-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1133/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as in Schedule situated at Karwal Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 of (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Pehlad Singh, 2. Sh. Tej Ram sons of Shri, Hukam Singh r/o Village Kurwal Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Land & Finance Co. (Regd.) D/16, Cinema Block, Krishan Nagar, Delhi-51 through its Managing Partner Sh. Faquir Chand s/o Bishamber Dayal Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra as Mustital No. 53 in Khasra No. 1 (4-16) & in Khasra No. 2 (4-16) total land measuring 9 bighas & 12 biswas situated in the area of Village Karwal Nagar, Illaqa Shandara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-3-1976,

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINOR OF INCOME-EAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1976

Ref. No. 863-A/Acq./Meerut/75-76.---Whereas, I, VIJAY BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Meerut on 16-7-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Messers Mulap Foundries Private Limited, Registered Office, 3685, Chawri Bazar, Delhi-6, through Bhushan Kumar, Director.

(Transferor)

(2) Messers Bansal Forgings Private, Limited, C-17, Industrial Estate, Partapur, Meerut, through Shri Ved Prakash, Managing Director, s/o Lala Keshoram, 707, Civil Lines, Meerut.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Factory Building with plot Nos. A.14, A.15, A.16, situated at Govt. Industrial Estate, Partapur, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 1,42,500/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Kanpur

Date: 27-3-76.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1976

Ref. No. 731/Acq/G.Bad/75-76,—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 23-7-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons namely:—

(1) Shri Mahavir Prasad s/o Shri Onkar Singh
 (2) Shri Hardutt Sharma s/o Shri Ram Kripal
 (3) Smt. Padmawati W/o Raghubar Dayal,
 R/o Prahladgarhi, Pargana Launi, Tehsil Ghaziabad,
 District Meerut.

(Transferor)

(2) Messers Mohan Meakines Brewries Limited, Mohan Nagar, Ghaziabad, District Meerut, Through Shri Jamna Shanker Bhatnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 8 Biswa, comprised in Khasra No. 182, situated at Village Prahladgarhi, Pargana Launi, Tehsil Ghaziabad, District Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,880/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-3-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1976

Ref. No. 725/Acq./G.Bad/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 19-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Messers Vishnu Agencies (P) Limited, Bharat Bhawan, Chitranjan Avenue, Calcutta-13, Through Shri Shyam Sunder Goyanka S/o Late Shri Motilal Goyanka, 3, Chitranjan Avenue, Calcutta-13, Attorney.

(Transferor)

(2) Messrs Mohan Meakens Brewries (P) Limited, Mohan Nagar, Ghaziabad, Through Shri Jamua Shanker Bhatnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 11 Bigha 7 Biswa (34333 3/4 yds) comprised in Khasra Nos. 548, 550, 547 & 549 situated at Vill. Pahladgarhi, Post-Launi, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,06,003/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1976

Ref. No. 724/Acq/G.Bad/75-76.--Whereas, I. VIJAX BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 19-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shyam Sunder Goyanka s/o Late Shri Moti Lal Goyanka R/o 3, Chitranjan Avenue, Calcutta, Attorney Parmeshwar Prasad s/o Shiv Bhagwan R/o 3, Chitranjan Avenue, Calcutta-13.

(Transferor)

(2) Messrs Mohan Meakins Brewries Limited, Mohan Nagar, Ghaziabad Pargana launi, District Meerut, Through Shri Jamna Shanker Bhatnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 4 Bigha 9 Biswa and 15 Biswansi (13575 sq. yds.) comprised in Khasra Nos. 165, 166, 167, 169, 183 and 184, situated at Village Pahladgarbi, Pargana Launi, Teh. Ghaziabad, District Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,08,600/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-3-1976

Seal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1976

Ref. No. 732/Acg./G.Bad/75-76--Whereas, I, VIJAY BHARGΛVA.

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 23-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shyam Singh Sharma s/o Shri Bakhtawar R/o Village Rajapur, Post-Khas, Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Messers Mohan Meakins Brewries Limited, Mohan Nagar, Ghaziabad, District Meerut, Through Shri Jamna Shanker Bhatnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 3 Biswa, comprised in Khasra No. 174 and 175, situated at Village Prahladgarhi, Pargana Launi, Teh, Ghaziabad, Distt, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 47,152/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 27-3-1976

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1976

Ref. No. 795-A/Acq://Dehradun/75-76.---Whereas, I, F. J. BAHADUR.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dehradun on 8-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdip Singh Multani s/o Shri Hardit Singh R/o 6-A, Nemi Road, Dehradun.

(Transferor)

- (2) (1) Dr. Supender Singh s/o Prem Singh,
- (2) Smt. Pawan Jeet Cheema W/o s. Kehar Singh Cheema, R/o 31, Park Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property comprised in Khasra No. 353/1/8, 353/1/7M total area 12 acres with one 3 room constructed Kacha house situated at Village Attock Farm, Pargana Pachwa Doon, Distt. Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1976

Ref. No. 796-A/Acq/Dehradun/75-76.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under-Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 19-7-1975.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—
20—36GI/76

- (1 (1) Shri Roshan Lal self and
 - (2) As General Attorney for Smt. Chanan Devi,
 - (3) Smt. Pushpa Devi,
 - (4) Sri Rajeev Kumar (Rakesh Kumar, minor
 - (5) Sri Rakesh Kumar (Rakesh Kumar, minor through his mother Smt. Pushpa Devi) 96/16, Colonelgani, Kanpur.
 (Transferor)

(2) Shri Mahant Indresh Charan Dasji Sajadanadhin Darbar Guru Ram Rai Ji Maharaj, Dehradun. (Transferce)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plots of land measuring 2.09 acres situated in Dehra Khas, Pargana Pachwa, Disti. Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,020/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Immome-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1976

Ref. No. 1050-A/Adq./Chibramau/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on 15-7-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

(1) Smt. Vidya Vati Devi Alias Vidya Devi Widow of Sri Prabhoo Dayal Katiyar, R/o Village Sarai Parayag Pargana Talagram, Teh. Chhibramau, Distt. Farru-Khabad.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ramesh Chander,
 - (2) Shri Suresh Chandra and
 - (3) Shri Ram Prakash (Minor) sons of Dr. Ishwar Dayal Katiyar R/o Sarai Maroof, Post-Kiratpur, Distt. Farrukhabad,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land of about 7.68 acres situated at Babrapur, Makhdoompur and Sarai Parayag, Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1976

Ref. No. 1051-A/Acq./Chibramau/75-76.--Whereas, J. VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on 15-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidyawati Devi Alias Devi Widow of Shri Prabhoo Dayal Katiyar, R/o Village Sarai Parayag Pargana Talagram, Teh. Chhibramau, Distt, Farru-Khabad.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Ram Kishori w/o Shri Pratap Singh Katiyar R/o 111A/36, Ashok Nagar, Kanpur.
 - (2) Sri Om Prakash Katiyar S/o Sri Ishwar Dayal Katiyar R/o Village Sarai Maroof, Post-Kiratpur, Farrukhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land of about 7.49 acres situated at Babrapur, Makhdoompur and Sarai Parayag. Distt. Farrukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd March 1976

Ref. No. 772/Acq/Meerut/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 24-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

 (1) Smt, Kaushal Devi w/o Shri Suryapal Singh, and
 (2) Smt, Asha Tomar w/o Yogendrapal Singh, Quarters Begam Bagh, Mccrut,

(Transferor)

(2) Shri Susheel Kumar s/o Sri Tara Chand, Resident of Brahmpuri, Meerut City.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of northern portion of building No. 734, Begum Bagh, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-3-1976.

1. (1) Smt. Kaushal Devi w/o Shri Suryapal Singh, and (2) Smt. Asha Tonar w/o Yogendrapal Singh,
Quarters Begam Bagh, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajni w/o Sri Surendra Kumar, R/o Brahmpuri, Meerut City.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd March 1976

Ref. No. 773/Acq/Meerut/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 265B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 24-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of southern portion of building No. 734, Begum Bugh, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd March 1976

Ref. No. 774/Acq/Mecrut/75-76,—Whereas, I. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Meerut on 24-7-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Smt Kaushal Devi w/o Shri Suryapal Singh, and
 (2) Smt. Asha Tomar w/o Yogendrapal Singh, Quarters Begam Bagh, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar s/o Lala Tara Chand, R/o Brahmpuri, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of middle portion of Building No. 734, Begum Bagh, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-3-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd March 1976

Ref. No. 788-A/Acq/Khaga/75-76.—Whereas, I. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Khaga on 28-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. Shri Manohar Das s/o Shri Dharam Das R/o 104-A/14, Rambagh, Kanpur. (Transferor)
- 2. (1) Shri Shiv Prasad Singh s/o Shri Goverdhan Singh.

- Singh,

 (2) Shri Sarju Singh s/o Ram Jatan Singh,

 (3) Shri Algu Singh s/o Shri Ram Braksh Singh,

 (4) Smt, Radhika w/o Shri Jaipal Singh,

 All R/o Amipavar, Distt, Rohtas (Bihar) and

 (5) Shri Raghuvir Singh s/o Shri Jeeut Singh,

 (6) Shri Avadh Kumar s/o Shri Moti Lat

R/o Sohda, Post-Kundwa, Pargana-Danwar. Distt. Rohtas (Bihar).

I. 12. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the foresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land (8 plots) measuring 112 Bighas and 1 Biswas (about 45 acres), situated in Village-Teni, Pargana-Hathgaon, Tehsil Khaga, Distt. Fatehpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

> VIJAY BHARGAVA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th March 1976

Ref. No. 598/Acq/Auriya/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auriya on 30-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C₂ of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kalindi Narain s/o Shri Ram Narain,
 R/o Village Burhadana, Pargana Auriya, Distt. Etawah.

(Transferor)

- 2. (1) Shri Rampal,
 - (2) Shri Shivpal, Both S/o Shri Banwari Lal,
 - (3) Shri Ram Ratan,
 - (4) Shri Ramadhar, Both sons of Sonelal,
 - (5) Shri Ram Autar, and
 - (6) Shri Rajpal (Both Minors) U/G Narain S/o Baldeo, R/o Village Burhadana, Pargana Auriya District Etawah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 6.10 acres, situated at Village Miyapur, Paragana-Auriya, Disti. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 21,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th March 1976

Ref. No. 597/Acq/Auriya/75-76,—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Auriya on 29-7-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21-36GI/76

- (1) Shri Kalindi Narain s/o Shri Ram Narain. R/o Village Burhadana, Pargana Auriya, Distt, Etawah.

 (Transferor)
- Shri Jhabboo Lal S/o Shri Badal, R/o Village Burhadana, Pargana-Auriya, Distt. Etawah, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4.61 acres, situated at Village Miyapur, Pargana-Auriya, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 14,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-3-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd April 1976

Ref. No. 642/Acq/Meerut/75-76—Whereas, J. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 2-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidyawati Widow Late Babu Gopal Narain Goyal, Thapar Nagar, Meerut City. (Transferor)

(2) Smt. Krishna Arora w/o Sri Chaman Lala Arora, Delhi Road, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of plot comprised in plot No. 80, measuring 204.16½ sq. yds. situated at Thapar Nagar, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,666.50.

VIJAY BHARGAVA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-4-1976.

- (1) Smt. Vidyawati Widow Late Babu Gopal Narain Goyal, Thapar Nagar, Meerut City. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Chand Arora S/o Jagannath Arora, M/s. Patel Marg, Ghaziabad, District Meerut. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTNAT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd April 1976

Ref. No. 643/Acq./Meerut/75~76,---Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 2-7-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapted.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of plot comprised in plot No. 80, measuring 204.16 ½ sq. yds. situated at Thapar Nagar, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 62,666.50.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-4-1976.

FORM ITNS____

Mrs. Kamalabai Vithal Shirodkar, widow of Dr. Vithal Nagesh Shirodkar,
 R/o D/9 Mafatlal Park, Bhulabhai Dessai Road, Bombay.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Salgaocar Mining Industries Private Limited, Vasco-Da-Gama (Goa). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th March 1976

Notice No. 114/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of the Property known as Bairro De Guimaraces, situated at village of Taleigao of Panaji and Santa Inez Parish of Tiswadi within the Canaji Municipal Area, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji under Document Number 516 on 8-7-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land or Ground containing by Admeasurement 3076 square Metres with Messuage, Hereditament, Premises, Building and other structures, Representing 3076/82825 part of the Property named "Aforamento Do Oiteiro De Panjim E Santa Inez or Oiteiro De Conceicao" known as "Bairro De Guimaraes" Described under No. 2942 of book B 8 New Series, Page 25 reverse in the land Registration office of Ilhas and enrolled in the respective land Revenue Registry under No. 1178 and situate, lying and being in the village of Taleigao of Panaji and Santa Inez Parish of Tiswadi, within the Panaji Municipal Area.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 20-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Dharwar, the 11th March 1976

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Notice No. 110/75-76/AÇQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. G-2 of the Property called "Maria Pereira",

situated at Gaspar Dias, within the Municipal Limits of

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaii under Document No. 522 on 9-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim, Represented by its President, Attorney and Treasurer, Residents of Panjim (Goa).

(Transferor)

(2) (1) Shri Bernard Mario Figueiredo,

(2) Mrs. Jacqueline Lilian Figueiredo, Residing at 159, Colaba Road, Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land known as Plot No. G-2 of the property called "Maria Pereira" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, sub-District of Ilhas (Goa), Admeasuring 625 square metres and is bounded by:

North: Internal Road; South: Plot No. G-1; East: Internal Road; West: Plot No. G-3.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 11-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 11th March 1976

Notice No. 111/75-76/ACO.—Whereas, J. P. SATYA-NARAYANA RAO.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-11 of the St. Mary's Colony in the Property called 'Maria Pereira'

situated at Gaspar Diss, within the Municipal Lmits of Paniim,

(and more fully described in the schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panaji under Document No. 544 on 21-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim, Represented by its President, Attorney and Treasurer, All residents of Panjim (Goa).

(Transferors)

(2) (1) Mr. Michael Isidoro Isac Xavier Mascarenhas,

(2) Mrs. Maria Quiteria Laura Senena Mascarenhas, Both Residents of Paitona, Sadvador Do Mundo (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land known as plot No. E-11 of St. Mary's Colony in the property called "Maria Pereira" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, Admeasuring 502 square metres and is bounded by:

North: Internal Road; South: Plot No. E-8; East: Plot No. E-12; West: Plot No. E-10.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Dharwar

Date: 11-3-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 11th March 1976

Notice No. 112/75-76/ACQ .-- Whereas, I. P. SATYA-NARAYANA RAO. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.

1-9-56 and 1-9-58 (Old), 1-9-36 (New) & No. 1-9-57 and 1-9-75 (Old), 1-9-32 and 1—9—37 (New) situated at Dastagir Peth, Yadgir of Gulbarga Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Yadgir under Document No. 974 on 20-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Lingeri Konappa, Ginning, Pressing and Oil Mills, Through its Partner and General power of Attorney holder Shri Konappa, S/o Rudrappa, Nadgowda, Yadgir, Dist. Gulbarga.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Shantabai, W/o Shri Jawarlal Dhoka,
 R/o Yadgiri, Distt. Gulbarga,
 (2) Smt. Parwati Devi W/o Shri Pampangowda

Tangadgi, R/o Yadgir, Distt. Gulbarga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ginning Factory and Oil Mills bearing Municipal No. 1-9-56 and 1-9-58 (Old), 1--9-36 and 1-9-38 (New), Godown bearing Municipal No. 1-9-57 and 1-9-75 (Old) 1-9-32 and 1-9-37 (New)

> P. SATYANARAYANA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Dharwar

Date: 11-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 11th March 1976

Notice No. 113/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-1-259 to 2-1-266, situated at Locality known as 'Jagat' in the city of Gulbarga,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Registering Officer at

Gulbarga under Document Number 1535 on 7-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) (1) Shri Balkishan S/o Shri Ram Chandra Gilda, (2) Shri Bhagwandas S/o Shri Balkishan Gilda, (3) Shri Shankerlal S/o Shri Balkishan Gilda, (4) Shri Murlidhar S/o Shri Balkishan Gilda, (5) Shri Aneel S/o Shri Balkishan Gilda, All Residing at Asaf Guni, Gulbarga.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Vinaykrao S/o Shri Venkappa Gada,

 - (2) Shri Vijaykumar S/o Shri Venkappa Gada,
 (3) Shri Narsinha S/o Venkappa Gada,
 (4) Shri Srinivas S/o Shri Venkappa Gada.
 - (5) Shri Srinad S/o Shri Venkappa Gada.
 (6) Smt. Gotlawaribai W/o Shri Venkappa Gada, Residents of Asaf Gunj, Gudbarga.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 2-1-259 to 2-1-266 situated at locality known as 'Jagat' in the city of Gulbarga and bounded by :-

East: House of Gulam Mohiuddin, Government lane and House of Shri Abdul Nabi;

: Cement Road running between Nehru Gunj and Railway Station.

North: House of Dr. Laxmanrao and Bhagwanrao,

South: House of Aziz Hussain, Syed Margub Sahab, Hanmanthrao Hagargi, Advocate and Syed Mahamood Saheb.

> P. SATYANARAYANA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 11-3-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri N. Perumal,
 S/o Shri M Nagalingam Pillai,
 Nanthi Koil St., Trichy-2.

(Transferor)

(2) Smt, K. Vasantha Devi, C/o M/s, Ananthas, 39, N.S.B. Road, Tiruchirapalli-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 25th March 1976

Ref. No. 3400/75-76.--Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 8/2, situated at Dr. Swaminatha Sastri Road, Thillainagar, Tiruchirapalli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III, Trichy (Doc. No. 2281/75) on 31-7-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasurig 4310 s. ft. (with building) and bearing T.S. No. 8/2. Block 1, Ward 3 of Thillaingar North East Extension, Trichy.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

22-36GI/76

transfer with the object of-

Date : 25-3-1976

Scal:

FORM ITNS----

 Shri P. R. Venkitasubramania Iyer Shri P. V. Renganathan (Minor) represented by Shri P. R. Venkitasubramania Iyer C/o Shri P. S. Ranga Iyer Bankers, Pallipuram Village Palghat-6

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. P. Rukmani, M.B.,B.S. No. 8/12 Sundaresa Iyer Layout Coimbatore-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6,

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F.2593/75-76.—Whereas, I, G, V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/12 Trichy Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2788/75) on 14-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19.25 cents (with building) and bearing Door No. 8/12 Sundaresa Iyer Layout, Trichy Road, Coimbatore (Old T.S. No. 1/665/1—Site Nos. 39, 40 and part of Site No. 38).

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th March 1976

Ref No. 17.2603/75-76.—Whereas, I, G.V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New T.S 1377, situated at Avanashi Road, Puliakulam village, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at

JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2596/75) on July 1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Actfi I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely(1) Smt. R. Ranganayaki ammal W/o Endapillar B. Rangaswamy Naidu No. 1133 Upplipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. S. Meenakshiammal W/o late V. C. Subhaiah Gounder V.C.S. House, Vellakinar Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 20 cents and 4 sq. ft and bearing New T.S. No. 1377, Avanashi Road, Puliakulam Village, Coimbatore.

> G. V. JHABAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II. Madras-6.

Date: 16-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTNAT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F.2606/75-76.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 21/70, situated at New T.S. No. 1447 Part 1451 and 1452/1 Vysial St., Coimbatore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of Registering Officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 2700/75) on 7-7-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri R. Sundararai
 - 2. Soundari Bai
 - 3. Rathna Bai 4. Vijayakumari

Son and daughters of Ranganathan Chettiar Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

Shri N. Subramanian
 Sho Shri K. P. Narayana Achari
 145, Vysial St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing D. No. 21/70. Old T.S.No. 3/439 Part, New T.S. No. 1447 Part, 1451 & 1452/1 Vysial Street, Coimbatore.

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. 2606/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. 21/44-45, situated at New T.S. No. 1447 Part Vysial St., Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 2701/75) on 7-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri R. Sundararaj
 - 2. Soundari Bai
 - 3. Rathna Bai
 4. Vijavakumari

Son and daughters of Ranganathan Chettiar Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Narayana Achari S/o Shri Parameswaran Achari 145, Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing D. No. 21/44/45 Part, Old T.S. No. 3/439 Part, New T.S. No. 1447 Part, Vysial Street Combatore.

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F. 2611/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122 to 126, situated at Gandhipuram III St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 1873/75) on 14-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Senniappa Gounder S/o Shri Karuppanna Gounder No. 56, Renga Konar St. Kattur, Coimbatore,

(Transferor)

 1. Shri S. Shangugam Pillai No. 131. Gandhipuram 5th St., Coimbatore.
 2. Shri S. Velayutham Pillai, No. 152, Gandhipuram III St., Coibatore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing D. Nos. 122 to 126 (T. S. No. 11/1057), Gandhipuram III St., Coimbatore.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F. No. 1867/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, Oliver Road, situated at Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR I, Madras (Doc. No. 5563/75) on July 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

(1) Smt. Pankajam Ramachandran Shri S. R. Ravichandran No. 2, Kennedy II St., Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri C. H. Venkataraman S/o Shri C. S. Hariharan No. 1, First Street, Balaji Nagar, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 grounds and 988 sft, (with building) situated at No. 10, Oliver Road, Mylapore, Madras-4,

G. V. JHABAKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F. 5030/75-76.—Whereas, I, G, V, JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 8/2, situated at T.S. No. 10 of Block No. 11 Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1. Madras (Doc. No. 5735) on July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. B. Parandhaman,
 - R. Padmanabhan,
 B. Chowdry alias B. Venkataraman,
 - 4. R. Jayachandran,
 - 5. B. Srcenivasan.
 - 6. B. Papiah and 7. B. Rani
 - No. 66. Thirupalli St., George Town, Madras.
 (Tansferor)
- Mrs. (Dr.) Padma Chandrahas
 New Avadi Road Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 3 grounds and 1800 sft. and bearing R.S. No. 8/2, T.S. No. 10 of Block No. 11, Nelson Manicka Mudaliar Road, Vada Agaram, Madras,

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

Seal:

1-1-1-1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,

MADRAS-6

Madras-6, the 16th March 1976

Ref. No. F.5031/75-76.-Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

R.S. No. 8/2, situated at T. S. No. 10-Block No. 11, Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I, Madras Doc. No. 5736) on July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely: 23-36GI/76

(1) 1. B. Parandhaman,

- R. Padmanabhan,
 B. Chowdry,
- 4. Jayachandran,
- B. Srcenivasan,
 B. Papiah and

7. B. Rani.

(Transferor)

(2) M/s. Medident India P. Ltd. Devi Theatre Buildings, Mount Road, Madras-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 3 grounds and 1275 sft. and bearing R.S. No. 8/2, T.S. No. 10, Block No. 11 Nelson Manicka Mudaliar Road, Vada Agaram, Madras.

G. V. JHABAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-3-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd April 1976

Ref. No. X/12/9(JULY)/1975-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75A, situated at Singarayar Colony North Street, Bivikulam. Madurai

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mudurai (Doc. No. 2146/75) on July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiative proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition ing persons, namely:—

- (2) Shri Rajarathinasamy Nadar, 67B, Tamil Sangam Road, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8.5. cents with buildings thereon at door No. 75A (T. S. No. 873/2 and 1639/1), Singarayar Colony North Street, Bivikulam, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 2-4-1976

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd April 1976

Ref. No. X/1/110(JULY)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47, situated at Lakshmipuram Third Street, Madurai (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madurai (Doc. No. 3220/75) on July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the o bject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Sald Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

 Smt. M.M.M.K. Hameed Jahan Begum Nachiar, Smt. M.M.M.K. Zeenat Unnisa Begum Nachiar, Mandapam village, Ramnad district.

(Transferor)

(2) Smt. B. Chandra Devi (minor), by husband and guardian Shri N. Baskaran Chettiar, No. 14, Ezhu Valaivu Street, Elayangudi, Ramnad district.

(Transferce)

(3) Engineering Equipment.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 1680 sft. with building thereon (Eastern portion) at door No. 47 (T.S. No. 1286 to 1288), Lakshmipuram Third Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 2-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd April 1976

Ref. No. X/1/111(JULY)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 47, situated at Lakshmipuram Third Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3221/75) on July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. M.M.M.K. Hameed Jahan Begum Nachiar, Smt. M.M.M.K. Zeenat Unnisa Begum Nachiar, Mandapam village, Rampad district,

(Transferor)

(2) Smt. B. Chandra Devi (minor), by husband and guardian Shri N. Baskaran Chettiar, No. 14, Ezhu Valaivu Street, Elayangudi, Ramnad district.

(Transferce)

(3) Engineering Equipment.

[Person in occupation of the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 1680 sft. with building thereon (Eastern portion) at door No. 47 (T.S. No. 1286 to 1288), Lakshmipuram Third Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 2-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th March 1976

Ref. No. CHD/222/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop-cum-flat No. 11-12, Sector 22-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Krishan Kumar, s/o Shri Nitya Nand, (ii) Smt. Vidya Wati, widow of Late Shri Nitya Nand, (iii) Shri Shiv Raj, s/o Shri Nitya Nand, (iv) Smt. Shoba Rani, d/o Shri Nitya Nand, (v) Smt. Shanta Rani, d/o Shri Nitya Nand, (vi) Smt. Swafan Lata, w/o Shri Virender Kumar, Residents of 12-A, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Transferor

- (2) (i) Shri Gurcharan Singh, s/o Sh. Harnam Singh, (ii) Smt. Gurdial Kaur, w/o Sh. Gurcharan Singh, Residents of Village & P.O. Mehrampur Zamindari, Tehsil and District Ropar; (iii) Smt. Kirpl Kaur, w/o Shri Harcharan Singh, (iv) Smt. Jaswant Kaur, w/o Shri Gurdip Singh, Residents of Village & P.O. Moranwali, Tehsil Gurhshanker, District Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) (i) M/s. Universal Typewriters. S.C.F. No. 11-12, Sector 22-C, Chandigarh. (ii) M/s. New Sham Provision Store, S.C.F. No. 11-12, Sector 22-C, Chandigarh. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 11-12, Sector 22-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 12-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIĞARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. LDH/C/260/75-76.—Whereas, J. V. P. MINOCHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in July, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Aet', to the following persions, namely:-

(1) Shri Jaswant Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of Laltoo Kalan, Tehsil Ludhiana, presently at of Laltoo Kalan, Tehsil Ludhiana, pr Kara Bara, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Rajinder Kumar Syal, s/o Shri Manohar Lal Syal, R/o 135-L, Model Town, Ludhiana. Presently at 6-Quicks Wood Drive, Liverpool-25 (U.K.). (Transferee)
- (3) (i) Sant Singh & Bros., (ii) Satgur Trade Co., (iii) National Property Dealers, (iv) Ziley Ram Mohan Lal, (v) Jarnail Singh, (vi) Dalip Singh & Sons, and (vii) Brij Oil Co.; C/o B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, withever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3118 of July, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 23-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. SNG/327/75-76.—Whereas. I, V. P. MINOCHA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), there inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 100 K and 4 M, situated at Village Badrukhan, Teh. & Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sangrur in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfrer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Dev Parshad, s/o Shri Shiv Parshad, through Shri Kundan Lal Puri, Mukhtiar-am, Resident of Village Badrukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s. Swaraj Spinning Mills Ltd.; through Shri Jagdish Rai, Director of the Company, C/o Singla Niwas, Shahi Samadhan, Patiala-147001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 100 Kanal and 4 Marla, situated in Village Badrukhan, Tehsil and District Sangrur.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1114, of July, 1975 of the Registering Officer, Sangrur.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 23-3-1976,

(1) M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd.; Ludhiana,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. LDH/C/266/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4-B, Gupta Road, Industrial Area 'A', situated at Ludhiana,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(2) Smt. Kailash Wanti, wd/o Shri Jagan Nath Kundra, B-11/1329, Arya Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4-B, measuring 700 sq. yds. originally belonging to M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3192 of July, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> V. P. MINOCHA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 23-3-1976.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harnek Singh, s/o Shri Mehar Singh, Village & Post Office Jarag, Sub-Tehsil Payal, District

Ludhiana.

(1) Shri Sucha Singh, s/o Shri Badawa Singh, Village Viopur, Sub-Tehsil Payal, District Ludhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARII, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th March 1976

Ref. No. PYL/1511/75-76.-Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 34 bigha, 18 biswa, situated at Village Viopur, Sub Tehsil Payal,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Payal in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

24-36GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 bigha 18 biswa situated at Village Viopur, Sub-Tehsil Payal, District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 961 of July, 1975 of the Registering Officer, Payal.

> V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 30-3-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th March 1976

Ref. No. PYL/1512/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 34 bigha 19 biswa situated at Village Viopur, Sub-Tehsil Payal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Payal in July, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sucha Singh, S/o Shri Badhawa Singh, Village Viopur, Sub-Tehsil Payal, District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Bhan Kaur, w/o Shri Mehar Singh, Village & Post Office Jarag, Sub-Tehsil Payal, District Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 bigha 19 biswa situated at Village Viopur, Sub-Tehsil Payal, District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 997 of July, 1975 of the Registering Officer, Payal.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 30-3-1976.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. BGR/1205/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, measuring 123 kanals, situated at Village Bijoopur, Teh. Ballabhgarh, Distt. Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ballabhgarh in July, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(i) Shri Brij Mohan,
 (ii) Shri Man Mohan,
 Sons of Shri Sada Nand.
 R/o 130-Golf Link, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri R. K. Bahl, s/o Dr. M. L. Bahl, R/o L-1/18, Houz Khas Enclave, New Delhi-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and, measuring 123 kanals, situated at Village Bijoopur, Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2059 of July, 1975 of the Registering Officer, Ballabhgarh.)

V. P. MINOCHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chand.grih

Date: 17-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. LDH/C/267/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 4 kanal and 13 marla, situated at Village Salim Tabri, Tehsil and District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Pritpal Singh, s/o Shri Ganda Singh, R/o B-9-36, Chowk Heera Halwai, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (i) Shri Jagjit Rai, s/o Shri Hakikat Rai, R/o Iali Kalan, P.O. Ludhiana, (ii) Shri Jatinder Kumar, s/o Shri Laxmi Chand, R/o Bagh Mandi Khazanchian, Ludhiana, (iii) Shri Raj Kumar, s/o Shri Jatinder Kumar, R/o Village Lassoi, District Sangrur, (iv) Shri Kailash Chand, s/o Shri Mela Ram, R/o Village Nakodar, District Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal and 13 marlas, situated at Village Salim Tabri, Tehsil and District Ludhiana.

Khewat No. 45/483 as per jamabandi of 1971-72.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3195 of July, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarb

Date: 17-3-1976.

Sen1:

(1) Shri Hardial Singh, s/o Shri Partap Singh, R/o Village Jhill, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Rajinder Kumar, (ii) Shri Barjinder Kumar, sons of Shri Raj Kishan, Residents of Ajit Nagar, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. PTA/637/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 12 Kanal and 13 marles, situated at Village Jhill, Teh. & Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Patiala in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269°C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanal and 13 marlas, situated at Village Jhill, Tehsil and District Patiala. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1816 of July, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. PTA/638/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 12 k and 9 m situated at Village Jhill, Tehsli & District Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harpal Singh, s/o Shri Partap Singh, R/o Village Jhill, Tehsil and District Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Rupinder Sagar, s/o Shri Sham Lal, R/o Ajit Nagar, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 12 kanal and 9 marlas, situated at Village Jhill, Tehsil and District Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1815 of Registering Officer Patiala for the month of July, 1975.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. SRD/592/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 'No. Land and Building, situated at Bassi Pathana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

- (1) Shri Shushil Kumar, Secretary, Kasturba Sewa Mandir, Rajpura.

 (Transferor)
- (2) M/s. Universal Trade Links, Bassi Pathana, through Shri Lal Singh, Partner. (Transferce)
- (3) M/s. Gopala Rice Mills, Bassi Pathana. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanal and 1 marla and building at Bassi Pathana,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1588 of July, 1975 of the Registering Officer, Sirhind.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. CHD/231/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Annexe bearing No. 338, Sector 21-A, (Area 1000.30 sq. yds.) situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1975,

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the Said Act to the following person, namely:—

(1) Smt. Kamla Rani, w/o Shri Amrit Lal Seth, R/o House No. 3116, Sector 24-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Trilok Singh Sandhu, s/o Shri Kartar Singh, R/o Opposite R. K. Mission, Bhubneshwar-1 (Orissa).

(Transferce)

(3) (i) Shri R. N. Joshi & others, (ii) Shri K. K. Jhulka, (iii) Shri Krishanpal, R/o Annexe No. 338, Sector 21-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Annexe bearing No. 338, Sector 21-A, Chandigarh (Area 1000.30 sq. yds.).
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 510 of July, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. BGR/1204/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 90 kanal and 14 marla situated at Village Bijoopur, Teh. Ballabhgarh Distt. Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ballabhgarh in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—
25—36G1/76

(1) (i) Shri Brijmohan, (ii) Shri Manmohan, sons of Shri Sadanand, R/o 130-Golf Link, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Bahl, W/o R. K. Bahl, R/o L-1/18, Hauj Khas Enclave, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 90 kanal and 14 marla, situated in Village Bijoopur, Tehsil Ballabhgarh, District Gurgaon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2056 of July, 1975 of the Registering Officer, Ballabhgarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 17th March 1976

Ref. No. CHD/452/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 72 (New No. 1102): Street 'E', Sector 8-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act'. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' 5, to the following persons, namely:—

 Shri Santokh Singh Godhoke, s/o Shri Bhagat Singh, Godhoke, R/o 1214, Fergusan College Road, Poona.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Prem Kaur, w/o Late S. Surjan Singh, (ii) Shri Amarjeet Singh, s/o Late S. Surjan Singh, R/o House No. 1066, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72 (New No. 1102), Street 'E', Sector 8-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 688 of August, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 17-3-1976.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1976

Ref. No. Raj/IAC(ACQ)/317.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Corner House, situated at Church Road, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Dhurbo Nath Sen s/o Late Sh. Khilindra Nath Sen for self and 95 Karta of J.H.F. and Smt.Chnmoya Devi widow of Shri Khilindra Nath, Resident of Corner House, Church Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Laxmi Devi Bohra, w/o Shri Rikhab Chand Bohra, (2) Smt. Sobhag Kumari w/o Shri Chandmal Bohra, (3) Shri Tara Chand, (4) Shri Ramchand sons of Shri Rikhabchand, Resident of Plot No. 125, Hospital Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of Western Corner of House known as 'Corner House' situated at the junction of Church Road and Ajmer Road, Area 274.82 sq. yds. more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2464 on 18-7-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th April 1976

Ref. No. X/12/10(JULY)/75-76.—Whereas, I, G. Ramabeing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a flair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31, situated at Anna Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2227/75) on July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri R. Poornachandra Rao and Shri R. Krishna Mohan, minor by father and guardian, Shri Poornachandra Rao, 374, Anna Nagar, Madurai-20. (Transferor)

(2) Shri S. P. Sankaralingam, 238A, South Marat Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4,740 sq. ft. with building thereon at plot No. 31 (R.S. No. 44/3A & 45/8) Anna Nagar, Madurai-20.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 15-4-1976

· NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. LDH/C/1689/75-76,—Whereas, I. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1975, for an a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the rent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

 Shri Jaswant Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of Laltoo Kalan, Tehsil Ludhiana, Presently at Krishan Nagar, Ludhiana. (Transferor)

(2) Smt. Surinder Kumari Syal w/o Shri Rajinder Kumar Syal, R/o 135-L, Model Town, Luhdiana Presently at 6-Quicks Wood Drive, Liverpool-25 (U.K.).

(Transferee)

(3) (i) Sant Singh' Bros;

(ii) Satgur Trade Co:

(iii) National Property Dealers.

(iv) Ziley Ram Mohan Lal,

(v) Jarnail Singh,

(vi) Dalip Singh & Sons, and

(vii) Brij Oil Co; c/o B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. B-XX/1061/1, Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6465 of December, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> V. P. MINOCHA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh

Date: 23-3-1976

